MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
# शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 19 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-228

# जैन फिर गिरफ्तार

## दिल्ली में सियासी संग्राम तेज़

**नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)।** दिल्ली सरकार के पूर्व जल मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र कुमार जैन को भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने मंगलवार, 18 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी उदित प्रकाश राय समेत कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले हुई इस कार्रवाई के बाद भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच सियासी टकराव तेज हो गया है। अरविंद केजरीवाल समेत कई आम आदमी पार्टी नेताओं ने गिरफ्तारी का विरोध किया है, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने कार्रवाई को सही ठहराया है।

**केजरीवाल बोले पिछला केस भी फर्जी था, यह भी फर्जी साबित होगा**

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि, सत्येंद्र जैन जी को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी ने गिरफ्तार करवा दिया है। अभी कुछ वक्त पहले इन लोगों ने जेल में डालकर उनकी जो दुर्दशा की थी, वह सबको याद है। पिछला केस भी फर्जी था और यह केस भी फर्जी साबित होगा।

केजरीवाल ने आगे लिखा, आखिर कब तक भारतीय जनता पार्टी की ये तानाशाही चलती रहेगी? जिसे मन करता है, झूठे आरोप लगाकर जेल में डाल देते हैं। इनका झूठ एक बार फिर देश के सामने आएगा, लेकिन जेल में बिताए उस वक्त और मानसिक प्रताड़ना की भरपाई कौन करेगा?

उन्होंने आगे कहा, भारतीय जनता पार्टी के पाप का घड़ा अब भर चुका है। ये चाहे जितनी तानाशाही कर लें, अब मोदी सरकार का अंत तय है। पूरी आम आदमी पार्टी और देश की जनता सत्येंद्र जैन जी के साथ मजबूती से खड़ी है।

**कुर्सी बदल सकती है, लेकिन फाइलें बनी रहती हैं**

वहीं, दिल्ली सरकार के उपमुख्यमंत्री परवेश साहिब सिंह ने अपने पोस्ट में कहा कि सत्ता जवाबदेही को टाल सकती है, लेकिन उसे खत्म नहीं कर सकती।उन्होंने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड की सीवेज शोधन संयंत्र टेंडर प्रक्रिया में हुई कथित अनियमितताओं के मामले में अब पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने कहा, कुर्सी बदल सकती है, लेकिन फाइलें बनी रहती हैं।

**असली चेहरा बेनकाब**

दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली को लूटने वालों का असली चेहरा बेनकाब हो गया है।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज शोधन संयंत्र टेंडर मामले में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार के आरोपों में सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया है। उन्होंने टेंडर में हेराफेरी और करोड़ों रुपये की रिश्वत के आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी के 'ईमानदार' मॉडल पर सवाल उठाए।

**संजय सिंह ने भी साधा निशाना**

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब के सह-प्रभारी सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी सरकार की नीति काम करने वाली सरकार को परेशान करने, उसे रोकने और हर संभव तरीके से दबाव बनाने की है।

उन्होंने कहा कि पार्टी इस कार्रवाई का विरोध करेगी और इसे राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देख रही है।

**कांग्रेस का भी आया रिएक्शन**

वहीं, कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि आम आदमी पार्टी इंडिया अगेंस्ट करप्शन के नारे के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन अब वह सबसे भ्रष्ट पार्टी बन गई है।

उन्होंने मोहल्ला क्लीनिक, शराब के निजीकरण और अन्य मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी ने भ्रष्टाचार के नए तरीके खोजे। उन्होंने कहा कि सत्येंद्र जैन अरविंद केजरीवाल के काफी करीबी रहे हैं और पहले भी जेल जा चुके हैं। उदित राज ने कहा कि संभव है कि किसी सूचना के आधार पर उनकी गिरफ्तारी हुई हो। ▶8पर

# घी में 'महामिलावट' 130 ठिकानों पर छापे

**ओमप्रकाश सिरवी**
**हैदराबा, 18 अगस्त।** '100% प्योर घी', 'प्रीमियम घी', 'फार्म फ्रेश घी' और 'नेचुरल घी' के नाम पर कथित तौर पर मिलावटी घी तैयार कर बाजार में उतारने वालों के खिलाफ हैदराबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार मिडिया सम्मेलन बताया है कि एच-फ़ास्ट और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीमों ने शहरभर में एक साथ 130 प्रतिष्ठानों की जांच की और करीब 36 टन घी, कच्चा माल व अन्य सामग्री जब्त की। कार्रवाई में 39 घी निर्माण इकाइयां और 91 बिक्री केंद्र शामिल थे। पुलिस के मुताबिक, सार्वजनिक शिकायतों और खुफिया सूचनाओं के आधार पर यह विशेष अभियान चलाया गया।

जब्ती में 25.5 टन कथित मिलावटी घी, 8.7 टन क्रीम, 1,200 लीटर पाम ऑयल, 600 लीटर वनस्पति, 30 किलो स्टार्च और कृत्रिम घी फ्लेवर की बोतलें शामिल हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके से नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे हैं। पुलिस के अनुसार, कुछ निर्माण इकाइयों में दूध के ठोस पदार्थ या स्किम्ड मिल्क पाउडर के साथ पाम ऑयल, वनस्पति, स्टार्च और कृत्रिम फ्लेवर मिलाकर असली घी जैसा उत्पाद तैयार करने का कथित तरीका सामने आया। ऐसे उत्पादों को विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों और व्यावसायिक ग्राहकों तक पहुंचाने की बात कही गई है।

पुलिस ने यह भी बताया कि कथित मिलावटी उत्पाद रेस्तरां, टिफिन सेंटर, मिठाई दुकानों, बेकरी, होटल, कैटरिंग प्रतिष्ठानों और अन्य व्यावसायिक केंद्रों तक पहुंचाए जाने की जानकारी मिली है। क्रीम की सप्लाई महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु से होने की बात भी जांच में सामने आई है।

कहां-कहां कार्रवाई हुई, इस पर पुलिस की सार्वजनिक जानकारी में किसी एक दुकान या कारखाने का पूरा पता जारी नहीं किया गया है। आधिकारिक रूप से फिलहाल इतना स्पष्ट है कि कार्रवाई पूरे हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में 130 निर्माण और बिक्री प्रतिष्ठानों पर की गई। ▶8पर

### ढाका ने हसीना के प्रत्यर्पण की मांग दोहराई

# तारिक का दौरा खटाई में

**ढाका, 18 अगस्त (एजेंसियां)।** बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के जल्द ही भारत की यात्रा करने की संभावना नहीं है। उनके अगले महीने होने वाले ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन में भी शामिल न होने की उम्मीद है। यह दावा द प्रिंट ने सूत्रों के हवाले से किया है। वहीं, भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि जैसे ही तारिक रहमान की यात्रा को लेकर कोई नई जानकारी होगी, उसे साझा किया जाएगा। दूसरी ओर, ढाका ने तारिक रहमान की यात्रा को लेकर भारत से सकारात्मक माहौल बनाने की अपील की है और शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग भी दोहराई है।

**आने वाले महीनों में द्विपक्षीय यात्रा की कोई योजना नहीं**

द प्रिंट ने ढाका में सूत्रों के हवाले से कहा, आने वाले महीनों में द्विपक्षीय यात्रा की कोई योजना नहीं है, जब तक कि भारत की पहल केवल दिखावटी कदमों से आगे न बढ़े।सूत्रों ने कहा कि रहमान की सरकार भारत के साथ बेहतर संबंध चाहती है, लेकिन उसका मानना है कि यदि रिश्तों को आगे बढ़ाना है तो नई दिल्ली को कोई ठोस राजनीतिक कदम उठाना होगा। कुछ सूत्रों ने तो यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ढाका यात्रा बांग्लादेश के लोगों को यह संकेत दे सकती है कि भारत वास्तव में दोनों देशों के रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने में रुचि रखता है।

**क्या प्रधानमंत्री मोदी बांग्लादेश जाएंगे?**

इस रिपोर्ट में एक राजनीतिक सूत्र के हवाले से बताया गया, अब कोई भी पहल भारत की तरफ से होनी चाहिए, शायद मोदी की ढाका यात्रा। जब तक दिल्ली अपनी बात पर अमल करने को तैयार नहीं होती, तब तक द्विपक्षीय यात्रा की कोई संभावना नहीं है। सूत्रों ने जोर देकर कहा कि रहमान सरकार भारत-विरोधी नीति नहीं अपना रही है और नई दिल्ली के साथ स्थिर एवं मैत्रीपूर्ण संबंध चाहती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि नई सरकार को उस चीज से समझौता करते हुए नहीं देखा जा सकता, जिसे वह बांग्लादेश की राष्ट्रीय गरिमा और संप्रभुता से जुड़ा मुद्दा मानती है। एक अन्य सूत्र ने कहा, इस सरकार का संदेश भारत-विरोधी नहीं है, जैसा कि यूनुस के पिछले अंतरिम प्रशासन के समय था। ▶8पर

## बांग्लादेश में अल-कायदा

### आतंकवाद और सुरक्षा साझा चुनौती: भारत

बांग्लादेश में अल-कायदा से जुड़े तत्वों की कथित गतिविधियों और वहां आतंकवाद के बढ़ते खतरे को लेकर भारत ने चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे सभी देशों के लिए चिंता का विषय हैं और इस चुनौती से मिलकर निपटने की जरूरत है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस वार्ता में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की हालिया निगरानी समिति की रिपोर्ट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में अल-कायदा से जुड़े लोगों और उनकी गतिविधियों को लेकर चिंता जताई गई है। ▶8पर

# झटके में गई 2250 नौकरियां

## झारखंड मंत्रालय के बाहर डटे अभ्यर्थी

**रांची, 18 अगस्त (एजेंसियां)।** झारखंड में सरकार द्वारा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा रद्द किए जाने के बाद विशेष पदाधिकारी, सहायक अनुभाग अधिकारी समेत अलग-अलग पदों पर कार्यरत करीब 2,250 उम्मीदवारों की नौकरी एक झटके में चली गई। यह फैसला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बीती रात अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ बैठक के बाद लिया।

फैसले की जानकारी सामने आने के बाद संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा में सफल होकर नौकरी कर रहे अभ्यर्थियों ने विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने पहले मानव श्रृंखला बनाकर अपना विरोध दर्ज कराया और देर रात तक भारी बारिश के बावजूद मंत्रालय के बाहर डटे रहे।

**एक झटके में इनकी जिंदगी लुट गई**

रौशन कुमार की आंखों से आंसू रुक नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि कल तक उनके पास नौकरी थी और अब वह बेरोजगार हो गए हैं। रौशन रेलवे की नौकरी छोड़कर झारखंड में आए थे।

उन्होंने कहा कि अदालत ने गलत तरीके से नौकरी पाने वाले लोगों को हटाने के लिए कहा था, लेकिन सभी को एक झटके में नौकरी से निकाल देना कैसे सही हो सकता है।वहीं, हेलमेट लगाए एक अभ्यर्थी का भाई मंत्रालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत था। वह रात से घर नहीं पहुंचा है। उसकी हालत इतनी खराब है कि उसे ढांढस देने पहुंचे बड़े भाई भी छोटे भाई की स्थिति देखकर रो पड़े।

**रेलवे की नौकरी छोड़कर आए थे संजीत कुमार**

संजीत कुमार भी सहायक अनुभाग अधिकारी हैं। उन्होंने 2017 में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद रेलवे में नौकरी की थी। झारखंड में सरकारी नौकरी पाने की इच्छा के चलते उन्होंने रेलवे की नौकरी छोड़ दी और संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा के जरिए राज्य सरकार की नौकरी हासिल की।

संजीत का कहना है कि झारखंड की सरकारी नौकरी की चाहत ने उनकी पहले रेलवे की नौकरी छीनी और अब संयुक्त स्नातक स्तरीय नौकरी भी चली गई। वह अपने परिवार में अकेले कमाने वाले हैं। ऐसे में अब घर कैसे चलेगा, उन्हें इसका बिल्कुल पता नहीं है।

अभी भी परियोजना भवन के बाहर बड़ी संख्या में संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा पास अभ्यर्थी खड़े हैं। कल तक इसी परियोजना भवन में काम कर रहे कर्मचारी आज अचानक बाहर खड़े हैं। सरकार के फैसले को लेकर अभ्यर्थियों में भारी आक्रोश है।

अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने केंद्र सरकार सहित अन्य विभागों की नौकरियां तक छोड़कर अपने राज्य में काम करने का फैसला लिया था। उन्होंने राज्य सरकार की नौकरी के भरोसे अपने भविष्य की योजनाएं बनाई थीं, लेकिन परीक्षा रद्द होने के फैसले ने उनकी पूरी स्थिति बदल दी।

अभ्यर्थियों का आरोप है कि बिना उनका पक्ष सुने ही नौकरी रद्द करने का फरमान जारी कर दिया गया। उनका कहना है कि वे कल तक सचिवालय के कर्मचारी थे और आज सड़क पर खड़े हैं। ▶8पर

**कार्टून कॉर्नर**

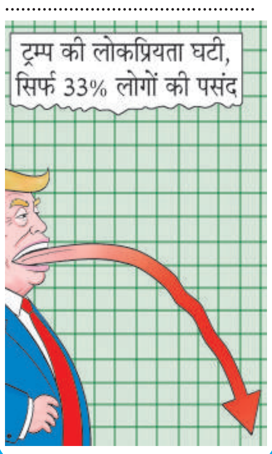


**मौसम हैदराबाद**

अधिकतम : $30^0$
न्यूनतम : $24^0$

# ट्रंप का एक और झटका

## क्वाट्र्ज उत्पादों पर 55% टैरिफ

**नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)।** भारत ने विश्व व्यापार संगठन में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के एक फैसले के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इस फैसले के तहत 15 अगस्त से क्वाट्र्ज सतह उत्पादों पर 25 प्रतिशत से 55 प्रतिशत तक सुरक्षा शुल्क लगाने की घोषणा की गई है।

भारत ने 14 अगस्त को विश्व व्यापार संगठन के सुरक्षा उपाय समझौते के तहत वॉशिंगटन के साथ बातचीत करने के लिए विश्व व्यापार संगठन से संपर्क किया। भारत ने कहा कि इस उपाय में उसका काफी हित है। उसने अमेरिका की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी तक पहुंच, सुरक्षा कार्रवाई पर चर्चा करने का अवसर और विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत अपने अधिकारों की सुरक्षा की मांग की है।

भारत ने प्रस्ताव दिया है कि बातचीत दोनों पक्षों की सुविधा के अनुसार आभासी माध्यम से की जाए। हालांकि, अभी तक बातचीत की कोई तारीख तय नहीं हुई है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के क्वाट्र्ज सतह उत्पादों के निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 72.5 प्रतिशत थी। उस वर्ष भारत ने अमेरिका को 23.33 करोड़ डॉलर मूल्य के एग्लोमरेटेड क्वाट्र्ज स्लैब तथा कुछ क्वाट्र्ज और कांच सतह उत्पादों का निर्यात किया। इस कारण यह उद्योग निर्यात के लिए काफी हद तक अमेरिकी बाजार पर निर्भर है। अमेरिका द्वारा लगाए गए नए सुरक्षा शुल्क का भारतीय क्वाट्र्ज उत्पाद उद्योग और उससे जुड़े निर्यातकों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। क्वाट्र्ज सतह उत्पाद इंजीनियर किए गए पत्थर के उत्पाद होते हैं। ▶8पर

### यौन अपराधी शाबिर को लेकर

# ब्रिटेन-पाक टकराव

**लंदन, 18 अगस्त (एजेंसियां)।** ब्रिटेन और पाकिस्तान के बीच एक यौन अपराधी को लेकर विवाद शुरू हो गया है। शाबिर अहमद ब्रिटेन के कुख्यात ग्रूमिंग गैंग से जुड़ा रहा है और उसे 30 बच्चों के यौन शोषण का दोषी पाया गया है। शाबिर मूल रूप से पाकिस्तान का रहने वाला है, लेकिन उसके पास ब्रिटिश नागरिकता थी। अब ब्रिटेन उसे पाकिस्तान भेजना चाहता है, लेकिन इस्लामाबाद ने उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान ने ब्रिटेन को चेतावनी दी है कि यदि शाबिर को स्वीकार करने के लिए उस पर दबाव बनाया गया, तो वह अवैध प्रवासियों को वापस लेने, सुरक्षा सहयोग और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे मुद्दों पर मौजूदा सहयोग की फिर से समीक्षा कर सकता है। 73 वर्षीय शाबिर अहमद पाकिस्तान मूल का है। बच्चों के यौन शोषण के मामले में उसे 22 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। वह करीब 14 साल जेल में काट चुका है और हाल ही में रिहा हुआ है। ब्रिटेन उसकी नागरिकता समाप्त कर चुका है और अब उसे पाकिस्तान भेजने की कोशिश कर रहा है। ▶8पर

# अक्सर बच्चों के स्कूल से जुड़े ज्यादातर काम करती हैं मांएं : शोध

वाशिंगटन

बच्चों के स्कूल से जुड़े ज्यादातर काम अक्सर मांएं ही करती हैं। यह खुलासा हुआ है ताजा रिसर्च में। इन कामों में सिर्फ स्कूल के प्रोग्राम में शामिल होना या बच्चे के लिए भोजन पैक करना ही शामिल नहीं है, बल्कि ऐसी कई जिम्मेदारियां होती हैं जो मामूली नजर आती हैं। हालिया रिसर्च से संकेत मिलता है कि ऐसा वास्तव में हो रहा है। अर्थशास्त्रियों और दूसरे सामाजिक वैज्ञानिकों ने लंबे समय से यह माना है कि बच्चों की देखभाल में पिता की तुलना में माताएं अधिक समय बिताती हैं, भले ही दोनों माता-पिता फुलटाइम काम करते हों। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में अधिक से अधिक पुरुषों ने बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियां संभालनी शुरू की हैं, फिर भी महिलाएं अपने बच्चों और घर की देखभाल में अधिक समय बिताती हैं। यह अंतर महत्वपूर्ण है क्योंकि बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियों को बांटना केवल माता-पिता के काम के समय को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि कई अन्य पहलुओं पर भी असर डालता है। यह लंबे समय तक तनाव और अधिक थकान का कारण बन सकता है, जिससे दंपति के बीच काम के बंटवारे को लेकर तनाव की भावना भी आ सकती है। यह माता-पिता के काम के घंटों, तरक्की के मौकों और उनकी कमाई पर असर डालकर उनके करियर को भी प्रभावित कर सकता है।

साल 2022 की गर्मियों में हमने अमेरिका के 80 हजार से अधिक प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को शामिल करते हुए एक स्टडी की। इस प्रयोग में स्कूलों को एक काल्पनिक परिवार से ईमेल भेजा गया, जिसमें माता और पिता दोनों अपने बच्चे का दाखिला कराने में दिलचस्पी दिखा रहे थे।

ईमेल में दोनों गार्जियन के नाम और फोन नंबर दिए गए थे और प्रधानाचार्य से अनुरोध किया गया था कि वे दोनों में से किसी एक को फोन करें। रिसर्च के लिए प्रयोग में शामिल लोगों के अनुसार, ईमेल में नाम और भाषा को अलग-अलग तरीके से बदलकर यह पता लगाने की कोशिश की गई कि क्या गार्जियन का जेंडर इस बात को प्रभावित करता है कि स्कूल किसे वापस फोन करता है।

और नतीजा भी ऐसा ही कुछ मिला। जब दोनों में से कोई भी अभिभावक दूसरे की तुलना में अधिक उपलब्ध नहीं दिख रहा था, तब माताओं को ही पिता की तुलना में पहला फोन मिलने की संभावना लगभग डेढ़ गुना अधिक थी। जिन प्रधानाचार्यों ने अभिभावकों में से किसी एक को वापस फोन किया, उनमें से लगभग 60 प्रतिशत ने पहले मां से और 40 प्रतिशत ने पिता से संपर्क किया। इस दौरान यह भी देखा गया कि जब ईमेल में साफ तौर पर बताया गया कि पिता बात करने के लिए अधिक उपलब्ध हैं, तो प्रधानाचार्यों की तरफ से उन्हें काल करने की संभावना काफी बढ़ गई।

## न्यूज ब्रीफ

### ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ सैन्य अभ्यास घटाने का क्यों दे दिया आदेश

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन को दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों में कटौती करने का निर्देश दिया है। ट्रंप ने इसके पीछे ईरान को परमाणु हथियारों से मुक्त करने की अमेरिकी कोशिशों में दक्षिण कोरिया के सहयोग से इनकार और उत्तर कोरिया को इन अभ्यासों से मिलने वाले कथित दुश्मनी भरे संकेतको वजह बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने हाल ही में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति से ईरान को परमाणु-मुक्त करने के अमेरिकी प्रयासों में शामिल होने को कहा था, लेकिन दक्षिण कोरिया ने इससे इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह शुरू होने वाले सैन्य अभ्यास महंगे होने के साथ-साथ उत्तर कोरिया के लिए अनुचित और उकसावे वाले संकेत भी हैं। ट्रंप ने कहा कि अभ्यास रद्द करने में अब देर हो चुकी है, इसलिए उन्होंने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को संयुक्त सैन्य अभ्यासों में काफी कटौती करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके कार्यकाल में उत्तर कोरिया का व्यवहार अब तक अपेक्षाकृत शांत और सम्मानजनक रहा है। 18 हजार दक्षिण कोरियाई सैनिक होंगे शामिल प्रस्तावित 11 दिवसीय अभ्यास में करीब 18 हजार दक्षिण कोरियाई सैनिकों के शामिल होने की योजना है। इसका उद्देश्य उत्तर कोरिया से संभावित खतरों से निपटने के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सैन्य तैयारियों को मजबूत करना है। अभ्यास में लाइव-फायर ड्रिल, सटीक लक्ष्यीकरण, सैन्य युद्धाभ्यास, जलमार्ग पार करने और पहले से तैनात सैन्य उपकरणों के इस्तेमाल जैसी गतिविधियां शामिल हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने शुक्रवार को इन अभ्यासों की निंदा करते हुए इन्हें आक्रामक युद्ध की तैयारी बताया था। उन्होंने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी।ये सैन्य अभ्यास ऐसे समय में हो रहे हैं, जब उत्तर कोरिया ने हाल में बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण फिर शुरू किया है।

### एआई से तैयार लेख को गुणवत्ता के मामले में मिली बेहतर रेटिंग मिली

**वाशिंगटन।** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार लेख को गुणवत्ता के मामले में इंसानों द्वारा लिखी गई सामग्री से बेहतर रेटिंग मिली है। पाठकों ने एआई द्वारा जनरेट किए गए लेखों को अधिक स्पष्ट, निष्पक्ष और पढ़ने में आसान बताया है, जो यह दर्शाता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता लेखन के क्षेत्र में भी तेजी से अपनी जगह बना रही है और मानवीय क्षमताओं को चुनौती दे रही है। यह शोध एआई की बढ़ती शक्ति और उसके संभावित प्रभावों पर गहन विचार करने को मजबूर करता है। इस अध्ययन में 1682 वयस्क लोगों को शामिल किया गया, जिन्हें छह छोटी कहानियाँ पढ़ने के लिए दी गईं। इनमें से तीन कहानियाँ किसी इंसान ने लिखी थीं और बाकी तीन को चैटजीपीटी ने लिखा था। तीनों एआई कापी का विषय मानव रचित कहानियों के समान ही था, ताकि तुलना उचित हो सके। अध्ययन के अनुसार, प्रतिभागियों को यह नहीं बताया गया था कि कौन-सा लेख किसने लिखा है, जिससे उनका मूल्यांकन पूरी तरह निष्पक्ष रह सके। जब सभी कहानियों का मूल्यांकन किया गया, तो इसमें एआई की तरफ से तैयार सामग्री को भाषा की स्पष्टता, संरचना और निष्पक्षता जैसे पैमानों पर इंसानों की तुलना में अधिक अंक मिले।

### दो बंदूकें लेकर स्कूल पहुंचा छात्र, पहले टीचर पर चलाई गोली फिर साथी छात्र की हत्या कर की खुदकुशी

**मनीला।** दक्षिणी फिलीपींस में एक हाई स्कूल में दो बंदूकें लिए एक छात्र ने अपने ही एक साथी छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फिर खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जाम्बोआंगा शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो ने कहा कि हमलावर ने शायद हमले की लाइव-स्ट्रीमिंग के लिए बाडी कैमरा पहना हुआ था। यह हमला उनके शहर में एटेनिओ डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी कैंपस के हाई स्कूल में हुआ। उन्होंने बताया कि दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। मेयर ने क्या बताया ओलासो ने DZBB रेडियो नेटवर्क को बताया कि हमलावर ने पहले एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन यह साफ नहीं है कि टीचर को गोली लगी या नहीं। इसके बाद उसने अपने एक साथी छात्र को गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, और फिर उसने खुद को गोली मार ली। छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया हाई स्कूल की बिल्डिंग में गोली चलने की आवाज के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह बिल्डिंग एक सुरक्षित कैंपस में है, जो कैथोलिक यूनिवर्सिटी के बड़े कैंपस से अलग है। उस बड़े कैंपस में यूनिवर्सिटी के कालेज और प्रोफेशनल स्कूल हैं, जो जाम्बोआंगा बंदरगाह शहर में स्थित हैं।

# रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन असहाय, नहीं बचे अमेरिकी पैट्रियट इंटरसेप्टर

कीव

**रूस के साथ छिड़े युद्ध में यूक्रेन असहाय हो गया है। उसके पास रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए अब अमेरिकी पैट्रियट इंटरसेप्टर न के बराबर बचे हैं। वैसे भी यह दुनिया का सबसे ज्यादा मांग वाला हथियार है। अमेरिका में बने पैट्रियट इंटरसेप्टर से दर्जनों देश अपने डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। यह उन कुछ हथियारों में से एक है जो बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिरा सकता हैं। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी पैट्रियट इंटरसेप्टर को यूक्रेन के एक अज्ञात स्थान पर मक्के के खेत में बेकार पड़ा दिखाया है। बताया गया है कि इसके कैनिस्टर खाली हैं और इसे आखिरी बार 10 हफ्ते पहले चलाया गया था। सीएनएन का कहना है कि वह ऐसा पहला मीडिया आउटलेट है जिसे यूक्रेनी इलाके में पैट्रियट तक पहुंचने की सशर्त इजाजत मिली।**

यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली के मुख्य इंजीनियर दमित्रो ने कहा कि उन्होंने छह हफ्तों से पैट्रियट लान्चर को चलते हुए नहीं देखा है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि सर्दियों में रूस के साथ युद्ध में टिके रहने के लिए उन्हें अमेरिका के स्टाक का 5 प्रतिशत चाहिए। अभी उनके पास मात्र 1 प्रतिशत है। दमित्रो ने कहा, यह सच में दिल तोड़ने वाला नजारा है जब आपके पास उपकरण तो हों लेकिन आप किसी मिसाइल को रोक न पाएं। बैलिस्टिक मिसाइलें आपके सिर के ऊपर से गुजर रही हों और आप उनके खिलाफ कुछ न कर पाएं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति दिसंबर 2025 से बनी हुई है।

पैट्रियट इंटरसेप्टर की आपूर्ति में वैश्विक संकट इसलिए पैदा हुआ क्योंकि मार्च और अप्रैल में खाड़ी देशों में इनका अधिक इस्तेमाल किया गया। फारेन पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, ईरान के साथ युद्ध के शुरुआती चार दिनों में गठबंधन सेनाओं ने हर दिन औसतन 225 इंटरसेप्टर का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि इन्हें बनाने वाली कंपनी लाकहीड मार्टिन ने 2025 में 620 इंटरसेप्टर बनाए, यानी हर दिन 1.7, जिससे इस्तेमाल और प्रोडक्शन के बीच 132 और 1 का अंतर आ गया। जनवरी में, पेंटागन ने लाकहीड मार्टिन के साथ सात साल का समझौता किया ताकि 2030 तक हर साल 2,000 इंटरसेप्टर बनाए जा सकें, तब तक यूक्रेन में युद्ध को आठ साल हो चुके होंगे।

यह साफ नहीं है कि अमेरिका ने यूक्रेन को कितने इंटरसेप्टर देने का वादा किया है, या अमेरिका के पास कितना स्टाक है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने रेथियान और लाकहीड मार्टिन को यूक्रेन में किसी भी इंटरसेप्टर बनाने वाले प्लांट का मालिकाना हक और कंट्रोल देने का प्रस्ताव दिया था।

उन्होंने अमेरिकी कंपनियों से कहा था, यह आपकी कंपनी होगी। इसमें हमारा दिमाग, हमारे हाथ और हमारे इंजीनियर होंगे। और मैं उनके लिए एक बेहतरीन कंपनी बनाने की पूरी कोशिश करूंगा। हमें इंटरसेप्टर किसी और को बेचने की जरूरत नहीं है। मुझे तो इनकी अपने देश के लिए जरूरत है।

जून में अंकारा में हुए नाटो समिट के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को इंटरसेप्टर बनाने के लिए लाइसेंस देने का प्रस्ताव दिया था। रेथियान और लाकहीड मार्टिन की टीमें जेलेंस्की से मिलने कीव गईं, लेकिन कुछ ही समय बाद ट्रंप ने इस बात पर शक जाहिर किया कि लाइसेंसिंग की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी या नहीं। जेलेंस्की ने कहा, मैं इसे पाना चाहता हूं। मुझे लगता है कि उनकी बात का मतलब है अमेरिका के राष्ट्रपति की बात। और मुझे उम्मीद है कि मुझे यह मिल जाएगा। जेलेंस्की के जवाब में, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि पैट्रियट इंटरसेप्टर के प्रोडक्शन को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है और न ही कोई गारंटी दी गई है।

# बांग्लादेश पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा का पेपर लीक प्रकरण, जवाबदेह अधिकारी सलाखों के पीछे

ढाका

**बांग्लादेश पब्लिक सर्विस कमीशन (बीपीएससी) की परीक्षा के पेपर लीक के पुराने प्रकरण में जवाबदेह अधिकारी को सलाखों के पीछे भेज दिया गया। बीपीएससी के प्रोग्रामर कौशिक देबनाथ को ढाका की एक अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत ने इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया।**

रिपोर्ट के अनुसार, कौशिक ने ढाका मेट्रोपालिटन सेशंस जज मो. शाहजहां कबीर के सामने आत्मसमर्पण करते हुए जमानत की मांग की। वकील एडवोकेट मो. शरीफुल इस्लाम ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पर एफआईआर और चार्जशीट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे और मनगढ़ंत हैं। अदालत ने दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका खारिज कर दी और कौशिक को जेल भेजने का आदेश दिया।

कौशिक ने 7 जुलाई को उच्च न्यायालय से छह सप्ताह की जमानत ली थी और उन्हें ट्रायल कोर्ट के सामने सरेंडर करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने सरेंडर किया सीआईडी सब इंस्पेक्टर निप्पान चंद्र चंदा ने 8 जुलाई, 2024 को पलटन माडल पुलिस स्टेशन में बांग्लादेश पब्लिक सर्विस कमीशन एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था। इस मामले में 31 लोगों के नाम शामिल थे और 50-60 अज्ञात लोगों पर आरोप लगाए गए थे।

जांच के बाद सीआईडी के अतिरिक्त अधीक्षक सुमन कुमार साहा ने 18 मई को 55 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। इसमें कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक करने वाले सिंडिकेट के सरगना आबेद अली का नाम भी शामिल था।

चार्जशीट के अनुसार, सिंडिकेट ने परीक्षा से पहले चुने हुए उम्मीदवारों को परीक्षा के प्रश्न और उत्तर उपलब्ध कराए। आरोप है कि सिंडिकेट ने उम्मीदवारों से पहले ही बड़ी रकम वसूली । जांच में पाया गया कि यह नेटवर्क कई जिलों में काम करता था।

## जाम्बिया के राष्ट्रपति हाकाइंडे हिचिलेमा दूसरे कार्यकाल के लिए निर्वाचित

**लुसाका (जाम्बिया)।** देश के राष्ट्रपति हाकाइंडे हिचिलेमा को दूसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुन लिया गया है। जाम्बिया के चुनाव आयोग ने यह घोषणा की। आयोग ने कहा कि उन्होंने 51 प्रतिशत से ज्यादा मत हासिल किए। तुर्किये के अखबार येनी शफाक और सरकारी न्यूज चैनल टीआरटी वर्ल्ड ने चुनाव आयोग के हवाले से प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, 64 वर्षीय हिचिलेमा ने 2,965,326 मत हासिल किए। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी विपक्षी नेता और नेशनल रेस्टोरेशन पार्टी फार यूनिटी एंड प्रोग्रेस के ब्रायन मुंडुबिले को 1,856,217 मत प्राप्त हुए। चुनाव आयोग की आयोग की अध्यक्ष म्वांगाला जालौमिस ने कहा, इसलिए, मैं 18 अगस्त, 2026 को हाकाइंडे हिचिलेमा को जाम्बिया गणराज्य का निर्वाचित राष्ट्रपति घोषित करती हूं। हिचिलेमा ने इस घोषणा के बाद कहा कि वह देश के लोगों के भरोसे से अभिभूत हैं। हिचिलेमा ने फेसबुक पोस्ट में कहा, धन्यवाद, जाम्बिया। आपने हमारे देश के सर्वोच्च पद को संभालने और एक बार फिर आपके सेवक के रूप में काम करने के लिए जो भरोसा हम पर जताया है, उससे हम सचमुच अभिभूत हैं। इस चुनाव पर सारी दुनिया की नजरें लगी हुई थीं। पिछले शुक्रवार को वोटों की गिनती रोक दी गई थी और कुछ घंटों बाद कड़ी सुरक्षा के बीच इसे फिर से शुरू किया गया।

# ईरान से समझौते को लेकर खाड़ी देश ट्रंप से खफा, होर्मुज पर अटका रास्ता

वाशिंगटन

ईरान के साथ समझौते की अमेरिकी कोशिशों से उसके कुछ खाड़ी सहयोगी निराश बताए जा रहे हैं। उन्हें आशंका है कि लंबे समय से जारी बातचीत के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच अब तक कोई ठोस समझौता नहीं हो सका है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने खाड़ी देशों के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से नाराज होने की खबरों को खारिज किया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक ट्रंप के खाड़ी देशों के नेताओं से अच्छे संबंध हैं और युद्ध शुरू होने के बाद से लगातार संपर्क बना हुआ है।

ट्रंप ने फिलहाल ईरान पर नए हमले की तैयारी से इनकार किया है। उनका कहना है कि अमेरिका ईरान के साथ बातचीत कर रहा है और उसके आर्थिक हालात पर नजर रख रहा है। इससे पहले उन्होंने संभावित सैन्य कार्रवाई भी रोक दी थी और कहा था कि जल्द समझौता होने पर हमले की जरूरत नहीं पड़ेगी। खाड़ी देशों का ईरान को लेकर रुख अलग-अलग है।

संयुक्त अरब अमीरात ईरान पर सैन्य दबाव बढ़ाने के पक्ष में है और मानता है कि इससे ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड पीछे हट सकता है। वहीं सऊदी अरब बातचीत और तनाव कम करने का समर्थन करता है। उसने होर्मुज को सैन्य ताकत से खोलने की योजना का विरोध किया था। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से सैन्य कार्रवाई से बचने की अपील भी की थी।

कतर अमेरिका, ईरान और ओमान के बीच बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। कतर के अधिकारियों ने ट्रंप को बताया था कि ईरान ने होर्मुज को लेकर एक प्रस्ताव स्वीकार किया है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट सबसे अहम मुद्दों में से एक बना हुआ है। ट्रंप चाहते हैं कि इसे तुरंत और पूरी तरह खोला जाए। दूसरी ओर ईरान की मांग है कि अमेरिका पहले अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटाए और क्षेत्र में तैनात अमेरिकी सैनिकों को पीछे करे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के मुताबिक, ईरान और ओमान के बीच होर्मुज को लेकर अलग बातचीत चल रही है, जिसमें जहाजों के सुरक्षित आवागमन जैसे तकनीकी मुद्दों पर चर्चा हो रही है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अमेरिका और इजराइल पर खाड़ी देशों को ईरान के खिलाफ करने की कोशिश का आरोप लगाया है।

उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संबंध मजबूत करने पर जोर दिया और कहा कि ईरान की आंतरिक परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश की जा रही है।

# चीन में मानवों का काम फटाफट कर रहे हैं रोबोट कर्मचारी

बीजिंग

दुनिया में चीन रोबोट्स टेक्नालाजी में काफी आगे निकल चुका है। चीन में कूड़ा उठाने से लेकर मच्छर भगाने तक रोबोट्स कर्मचारी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, पार्कों की चौकीदारी भी रोबोट कर्मचारी कर रहे हैं। यह चीन की बढ़ती प्रौद्योगिकी क्षमता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो मानव श्रम को मशीनी बुद्धिमत्ता से प्रतिस्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीजिंग के मशहूर समर पैलेस में तैनात सफाई रोबोट सिर्फ 30 सेकंड में अपना काम शुरू कर देते हैं। पार्क कर्मचारी मोबाइल ऐप का उपयोग करके इन्हें सफाई का क्षेत्र और मोड चुनकर देते हैं, जिसके बाद रोबोट अपने आप पूरे इलाके की सफाई करने लगते हैं। इन रोबोट्स में लगे सेंसर आसपास के माहौल को पहचानते हैं, जिससे वे कूड़ा उठाते हैं, किनारों की सफाई करते हैं, और जरूरत पड़ने पर पानी का छिड़काव भी करते हैं।

इनकी इंटेलिजेंस इतनी उन्नत है कि सामने कोई व्यक्ति या वाहन आने पर ये खुद ही रास्ता बदल लेते हैं, जिससे बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के सुचारू रूप से काम होता रहता है। पार्कों में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से लैस गाइड रोबोट भी लगाए गए हैं। ये रोबोट तय रास्तों पर चलते हुए सैलानियों को पार्क की जानकारी देते हैं, उनके सवालों के जवाब देते हैं, और जरूरत पड़ने पर नियमों का पालन करने की भी सलाह देते हैं। इन गाइड रोबोट्स में हाई-टेक कैमरे, रडार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम लगे हैं। यदि कोई व्यक्ति धूम्रपान करता हुआ दिखाई देता है, तो रोबोट तुरंत रिकार्ड की गई आवाज में उसे ऐसा न करने की चेतावनी देते हैं, जिससे पार्क में स्वच्छता और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित होता है। बीजिंग के जीजहुयूआन पार्क में खास तरह के स्मार्ट ब्रीदिंग रोबोट भी लगाए गए हैं। ये रोबोट इंसानों की सांस की तरह कार्बन डाइआक्साइड छोड़ते हैं, जिससे मच्छर इनकी ओर आकर्षित होते हैं और एक जाल में फंस जाते हैं।

पार्क प्रशासन का कहना है कि शाम के समय घास वाले इलाकों में मच्छरों की शिकायतें बढ़ने के बाद यह तकनीक अपनाई गई। इस उपाय से कर्मचारियों का काम भी कम हुआ है और पार्क में आने वाले लोगों, खासकर बच्चों, को ज्यादा सुरक्षित माहौल मिल रहा है। चीन सरकार का कहना है कि यह कदम देश की रोबोट प्लस रणनीति का हिस्सा है। बढ़ती बुजुर्ग आबादी, कर्मचारियों की कमी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में तेजी से हो रही प्रगति को देखते हुए रोबोट का इस्तेमाल लगातार बढ़ाया जा रहा है। चीन में स्वास्थ्य, होटल, सफाई और लाजिस्टिक्स जैसे कई क्षेत्रों में भी रोबोट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। सरकार का मानना है कि आने वाले सालों में एआई आधारित रोबोट सार्वजनिक सेवाओं का एक अहम हिस्सा बन जाएंगे, जो दैनिक जीवन के कई पहलुओं को बदल देंगे और दक्षता में वृद्धि करेंगे।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

बाहर का और खुला खाना खाते वक़्त ख़ास तौर पर बचाव पर ध्यान देने की ज़रूरत है। हालांकि बिना वजह तनाव न लें, क्योंकि यह आपको मानसिक कष्ट दे सकता है। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। अगर बातचीत और चर्चा आपके मुताबिक़ न हो, तो आप नाराज़गी में कड़वी बातें कह सकते हैं जिन्हें लेकर बाद में आपको पछताना पड़ सकता है - इसलिए भली-भांति सोचकर ही बोलें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

सेहत अच्छी रहेगी। अगर आपने अपने घर के किसी सदस्य से उधार लिया था तो उसे आज लौटा दें नहीं तो वो आपके खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर सकता है। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस-पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना-देना नहीं है। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। भावनात्मक तौर पर ख़तरा उठाना आपके पक्ष में जाएगा। आप दोस्तों के साथ शाम को बाहर घूमने जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आप घूमने-फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे- लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। साफ़गोई से अपने मन की बात कहने में घबराएँ नहीं। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। जीवन हमेशा कुछ नया और चौंकाने वाली चीज़ आपके सामने लाता है। लेकिन आज आप अपने जीवनसाथी का एक अनोखा पहलू देखकर ख़ुशी से चौंक जाएंगे।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। भावनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

बहुत ज़्यादा खाने से बचें और अपने वज़न पर नज़र रखें। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस-पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना-देना नहीं है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। दिवास्वप्नों में समय खपाना नुक़सानदेह रहेगा, इस मुग़ालते में न रहें कि दूसरे आपका काम करेंगे। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली-भांति जान लें। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

रक्तचाप के मरीज़ों को ख़ास ख़याल रखने और दवा-दारू करने की ज़रूरत है। साथ ही उन्हें कॉलेस्ट्रोल को क़ाबू में रखने की कोशिश भी करनी चाहिए। ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। धन आपके लिए जरूरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। कुछ दिनों से आपका व्यक्तिगत जीवन ही आपके ध्यान का केंद्र रहा है। लेकिन आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये-पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

## आज का पंचांग

दिनांक : 19 अगस्त 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 07:21 तक
नक्षत्र : स्वाति प्रात: 06:47 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 03:44 तक
करण : गर प्रात: 06:32 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 02:31 तक
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:39 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:38 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:31 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:52 ,सूर्यास्त 06:29 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : तुलसी जयंती , शील सप्तमी , भद्रा रात्रि 07:15 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# श्रीकृष्ण का संदेशधर्म जागेगा तो राष्ट्र जागेगा : अनुराग कृष्ण शास्त्री

## रुक्मिणी विवाह प्रसंग ने श्रद्धालुओं को किया भाव-विभोर

**रामेश्वरम, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के छठे दिन कथा व्यास भागवत किंकर अनुराग कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन केवल भक्ति और प्रेम का संदेश नहीं देता, बल्कि धर्म, कर्तव्य, समाज और राष्ट्र के प्रति जागरूकता की प्रेरणा भी देता है। श्रीमद्भागवत मनुष्य को सत्य, धर्म, सेवा, त्याग और संस्कार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने विषम परिस्थितियों में भी धर्म और कर्तव्य का मार्ग नहीं छोड़ा तथा अन्याय के विरुद्ध खड़े होकर समाज को धर्म की रक्षा का संदेश दिया। आज आवश्यकता है कि श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाकर समाज में सत्य, संस्कार, सेवा और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत किया जाए।

शास्त्री ने कहा कि भारत की आत्मा उसकी सनातन संस्कृति और संस्कारों में निहित है। बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ श्रीराम, श्रीकृष्ण, गीता, भागवत और भारतीय संस्कृति के आदर्शों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का निर्माण संस्कारित नागरिकों से होता है। जब युवा पीढ़ी धर्म, संस्कृति और मातृभूमि के प्रति गौरव की भावना से जुड़ेगी, तभी राष्ट्र चेतना और मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति का चरित्र मजबूत होगा तो परिवार, परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र मजबूत होगा। श्रीमद्भागवत भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का समन्वय करते हुए मनुष्य को आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाती है।

कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह का प्रसंग भक्तिमय वातावरण में प्रस्तुत किया गया। प्रसंग शुरू होते ही कथा पंडाल श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। मंगलगीतों और भजनों के बीच श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भक्ति में लीन हो गए। विवाह उत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

इस अवसर पर प्रेमलता अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश तुलसियां, राम अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, लक्ष्मी गुप्ता, सरिता अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, आरती अग्रवाल, मनन अग्रवाल, राखी गुप्ता, नकुल गुप्ता, संगीता तिम्ब्रेवाला, मृदुल बंसल, मनीष बंसल, उर्मिला अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, केशव अग्रवाल एवं माया देवी अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# जयपुर में 20 सितंबर को होगा 'ज्योतिष सनातन समागम 2026'

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के आमेर स्थित विश्व के एकमात्र तथा भारत के प्रथम महारुद्र शक्तिपीठ की ओर से आगामी 20 सितंबर को 'ज्योतिष सनातन समागम 2026' का भव्य आयोजन किया जाएगा। एकदिवसीय इस आयोजन में ज्योतिष के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श के साथ सनातन संस्कृति एवं धर्म से जुड़े विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

महारुद्र शक्तिपीठ के संस्थापक सदस्य एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मनीष सोनी ने बताया कि समागम में अनुभवी ज्योतिषाचार्यों के उद्बोधन, ज्ञानवर्धक संवाद और आपसी परिचय एवं विचार-विनिमय के सत्र होंगे। इसके साथ ही ज्योतिष के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे 51 विशिष्ट ज्योतिर्विदों का सम्मान भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि महारुद्र अनुष्ठान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सुसज्जित यह अनूठा आयोजन आमेर स्थित के.के. रॉयल होटल में सुबह 10 बजे से विभिन्न सत्रों के साथ प्रारंभ होगा। आयोजन में ज्योतिष के साथ-साथ सनातन संस्कृति, धर्म एवं आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़े विषयों पर भी विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे।

समागम की तैयारियों को लेकर महारुद्र शक्तिपीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ताड़केश्वर शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश कुमार जांगिड़, सचिव अणुव्रत भारद्वाज एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मनीष सोनी ने संयुक्त रूप से बैठक की। बैठक में आयोजन की व्यवस्थाओं और विभिन्न कार्यक्रमों के सुचारु क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम का फोल्डर भी जारी किया गया।

# आचार्यश्री अमरसेनसूरीश्वरजी का हुआ कालधर्म, आदर सत्कार में ओढ़ाया जैन ध्वज

बेंगलूरु, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण भारत, विशेषकर बेंगलूरु के श्रावक-श्राविकाओं के लिए उपकारी संतश्री लब्धिसूरीश्वरजी समुदाय के पूज्य आचार्यश्री लब्धि भुवनतिलकसूरीश्वरजी पट्टालंकार, ज्योतिष विशारद एवं प्रवचनकार पूज्य आचार्यदेव श्रीमद्विजय अमरसेनसूरीश्वरजी म.सा. का कालधर्म हो गया।

आचार्यश्री के कालधर्म पर जैन युवा संगठन एवं जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट की ओर से चिकपेट श्रीसंघ के सोहन हॉल में उन्हें जैन ध्वज ओढ़ाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जैन शासन की शान और पूज्य गुरु भगवंत के प्रति पूर्ण आदर, सत्कार एवं बहुमान प्रकट करते हुए जैन ध्वज ओढ़ाने की पावन विधि संपन्न की गई।

इस अवसर पर जैन युवा संगठन की ओर से मुकेश बाबेल, नीरज कटारिया, रितेश मेहता, अर्चित पारेख, हरीश पालगोता, कमलेश कोठरिया एवं दिलीप पालरेचा उपस्थित रहे। वहीं जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट की ओर से अशोक भंडारी, धर्मीचंद बोहरा एवं डुंगरमल चोपड़ा ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

# सत्ताधीशों पर सवाल उठाने वालों को राष्ट्रद्रोही कहना लोकतंत्र पर आघात : गोपालदादा तिवारी

पुणे, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी ने सत्ता की नीतियों पर सवाल उठाने वाले नागरिकों को राष्ट्रद्रोही या 'दिमागी नक्सली' कहे जाने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार की नीतियों की आलोचना करना नागरिकों का अधिकार है और इसे राष्ट्रविरोधी गतिविधि बताना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है।

तिवारी ने कहा कि विद्यार्थी, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिक विरोधी यदि देश के भविष्य व जनहित से जुड़े मुद्दे उठाते हैं तो उनकी आवाज सुनने के बजाय उन्हें दबाने का प्रयास चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि विद्यार्थियों, युवाओं, किसानों और छोटे उद्यमियों से जुड़े मुद्दों की अनदेखी के कारण विभिन्न स्तरों पर असंतोष की आवाजें उठ रही हैं।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों और युवाओं की समस्याओं को समझने तथा उनसे संवाद करने के लिए कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 22 अगस्त को पुणे आएंगे। तिवारी ने युवाओं से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर शिक्षा, रोजगार और भविष्य से जुड़े मुद्दे राहुल गांधी के समक्ष रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध देशद्रोह नहीं, बल्कि सत्ता को जवाबदेह बनाने का माध्यम है।

# राजस्थानी शिक्षा समिति ने धूमधाम से मनाया स्वाधीनता दिवस

**निजामाबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** शहर की प्रमुख शिक्षण संस्था राजस्थानी शिक्षा समिति द्वारा संचालित हरिचरण मारवाड़ी हिंदी विद्यालय, आदर्श हिंदी विद्यालय, आदर्श हिंदी महाविद्यालय तथा अक्षरधाम अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की ओर से संयुक्त रूप से 80वां स्वाधीनता दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। समारोह में शहर के प्रमुख व्यवसायी दामोदरदास मालाणी ने ध्वजारोहण किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा की पूजा-अर्चना तथा दानवीर सेठ स्व. हरिचरणजी अग्रवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। ध्वजारोहण के बाद सामूहिक राष्ट्रगान का गायन किया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों एवं अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया गया।

मुख्य अतिथि दामोदरदास मालाणी ने देशवासियों को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश की रक्षा में तैनात वीर जवानों के साहस और बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी हमारे पूर्वजों के त्याग और बलिदान का परिणाम है तथा प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रहित के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए।

संस्था के अध्यक्ष श्रीवल्लभ सारड़ा ने अध्यक्षीय संबोधन में सभी का स्वागत किया। मंत्री जितेंद्र मालाणी ने संस्था द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों की शैक्षणिक उपलब्धियों, विकास कार्यों एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी।

इस अवसर पर दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली हिंदी माध्यम की छात्रा नंदिनी भोसले, अंग्रेजी माध्यम की साक्षी पाठक एवं अक्षरधाम विद्यालय की पूजा सिंह को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

वहीं विद्यार्थियों को भगवद्गीता के श्लोकों का अध्ययन कराने वाली निशा छापरवाल एवं प्रणाली डालिया का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया।

विद्यालयों के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि दामोदरदास मालाणी को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्था के उपमंत्री राजेंद्र पांडे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संयोजक नितिन दायमा के सफल संयोजन में समारोह संपन्न हुआ।

इस अवसर पर हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट के न्यासी पूनमचंद गुप्ता, पवन कुमार केडिया, कमलकिशोर इन्नाणी, राजस्थानी शिक्षा समिति के कोषाध्यक्ष श्रीकांत झंवर, कार्यकारिणी सदस्य राजीवन व्यास (गुड्डू), गणेश तिवारी, आनंद राठी, राजेश कुमार तिवाड़ी, पवन कुमार सारड़ा, राजेश बंग, सुरेश झंवर, अंकुश अग्रवाल, श्याम छापरवाल, सोहन इन्नाणी, श्यामसुंदर अग्रवाल सहित शिक्षण प्रमुख, शिक्षक एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

**श्रीमाली ब्राह्मण ब्रह्मा रामायण मंडल की ओर से श्रीमती एवं श्री सुरेंद्रजी तोलवाला तथा श्रीमती एवं श्री सिद्धार्थजी तोलवाला के निवास पर सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध पंडित मनोज त्रिवेदी (श्रीमाली) के सानिध्य में भक्तगणों ने श्रद्धापूर्वक सुंदरकांड का पाठ किया।**

# विश्व विश्वानी संस्थान में 21वें पीजीडीएम बैच का औपचारिक उद्घाटन

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व विश्वानी इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट (वीवीआईएसएम) ने सोमवार को अपने 21वें पीजीडीएम बैच का औपचारिक उद्घाटन किया। सीके प्रहलाद हॉल में आयोजित इस समारोह में संस्थान के नेतृत्व, उद्योग विशेषज्ञों और नए छात्रों ने हिस्सा लिया। यह समारोह दो वर्षीय शिक्षण, खोज और परिवर्तन की यात्रा की शुरुआत का प्रतीक था।

समारोह का आरंभ दीप प्रज्वलन और प्रार्थना से हुआ। इसके बाद विश्व विश्वानी संस्थानों के अध्यक्ष और संस्थापक सदस्य जीएसएस वेंकटेश्वर राव ने उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने संस्थान की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आत्म-मूल्यांकन और उद्यमी सोच के महत्व पर जोर दिया।

वीवीआईएसएम की डीन एवं निदेशक डॉ. वी. जयश्री वेलुथक्कल ने नए बैच का स्वागत करते हुए कहा कि व्यक्तिगत परिवर्तन शैक्षणिक उपलब्धि जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों से व्यक्तिगत उत्कृष्टता हासिल करने, स्थापित मानकों से आगे बढ़ने और 'मानदंड ऊंचा करने' का आह्वान किया।

विशेष अतिथि अजीत मिश्रा (डायकेयर सॉल्यूशंस हेल्थकेयर के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक तथा 17 वर्ष पूर्व के वीवीआईएसएम पीजीडीएम पूर्व छात्र) ने उद्यमिता, नवाचार, शोध और निरंतर सीखने पर छात्रों को संबोधित किया।

मुख्य अतिथि श्रीमती लक्ष्मी नायर (माइंडस्पार्क प्राइवेट लिमिटेड की सह-संस्थापक तथा एक्सेंचर और आईबीएम में तीन दशक से अधिक अनुभव रखने वाली विशेषज्ञ) ने आत्म-जागरूकता, शक्तियों की पहचान, आत्मविश्वास और लचीलापन विकसित करने पर अपने अनुभव साझा किए।

समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

# भगवती त्रिपुर भैरवी

Ö»ßÇÏ दुर्गा के अनंत नामों में से एक नाम महाविद्या है। वस्तुत: एक ही शक्ति अलग-अलग रूपों में अवतरित होकर अनेक प्रकार की लीलाएं करती है। आगमों की उपासना पद्धति में विशेष रूप से भगवति का त्रिपुर भैरवी नाम सर्वाधिक प्रतिष्ठित है। महाभागवत देवी पुराण में माता त्रिपुर भैरवी का विस्तृत वर्णन मिलता है। माहेश्वरी त्रिपुर भैरवी को त्रिपुर सुंदरी एवं षोडसी नाम से भी साधना की जाती है। शत्रुओं का दमन करने वाली, त्रिजगत को धारण करने वाली ये माताएं महाकाली के ही स्वरूप हैं। वाराही पुराण में वर्णित है कि ब्रह्मा, विष्णु व स्वयं शिव ने भी इनकी आराधना की थी। इसी लिए इनका नाम त्रिपुरा पड़ा।

## साधना के लाभ

त्रिपुर भैरवी की कृपा से साधक सिद्ध हो जाने पर समस्त प्रकार की सिद्धयां प्राप्त कर लेता है। उसकी सभी इच्छाएं व कामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। इससे साधक स्वयं ही आश्चर्यचकित रह जाता है। वह समस्त ज्ञान-विज्ञान व मंत्र विद्या में पारंगत होकर एक आद्वितीय पुरुष व तेजस्वी पुरुष बन जाता है। उसे भूतकाल व भविष्य का ज्ञान होने लगता है।

## दक्ष-नारद संवाद

देवी पुराण में कथा आती है कि एक बार ब्रह्मा पुत्र दक्ष प्रजापति ने यज्ञ का आयोजन किया। हुआ यूं कि एक बार नारद जी दक्ष प्रजापति के पास पहुंचे और बोले, 'प्रजापते, आप जिन महेश्वर की प्रतिदिन निंदा करते हैं, वह उससे क्रोधित होकर जो करना चाहते हैं, उसे आप सुन लीजिए, वह अपने भूतगणों के साथ आपके निकट आकर आपको नष्ट कर देंगे। आपसे स्नेह के कारण ही मैंने आपको सारी बात बताई है। इसे आप कभी किसी पर प्रकट न करें।' ऐसा कह नारद जी आकाश मार्ग से अपने स्थान लौट गए।

इधर, दक्ष ने अपने मंत्रियों को बुलाकर समस्या उनके सामने रखी। तब मंत्री बोले, 'हे प्रजापति, हम देवाधिदेव शिव की इस अनीति का कारण नहीं समझा पा रहे। आप तो बुद्धिमानों में श्रेष्ठ व सभी शास्त्रों के ज्ञाता हैं। आप ही कोई मार्ग सुझाएं।' तब दक्ष ने कहा, 'शमशान में निवास करने वाले भूतों के आधिपति शिव को छोड़कर आप सभी देवताओं को बुलाकर मैं यज्ञ का आयोजन करूंगा। समस्त विघनों का नाश करने वाले यज्ञेश्वर भगवान विष्णु को यज्ञ का संरक्षक बनाकर इसे सफलता पूर्वक संपन्न करवाउंगा। इस प्रकार पुण्य यज्ञ का आरंभ हो जाने पर भूतपति शिव मेरे पुण्यकर्मयुक्त नगर में कैसे आ पाएंगे?'

## कैसे करें आराधना

त्रिपुर भैरवी की आराधना का समय रात्रि काल है। मंदिर में या किसी एकांत कमरे में आम से बना हुआ तथा लाल रंग से रंगा हुआ सिंहासन स्थापित करें। इस पर लाल वस्त्र बिछाकर भगवती त्रिपुर भैरवी का चित्र या मूर्ति स्थापित करें। धूप-दीप जलाएं। स्वयं भी लाल वस्त्र पहनें, लाल रंग के फूलों का इस्तेमाल ही करें। फिर ध्यान मंत्र, मूल मंत्र व कवच मंत्र का पाठ करें।

**मूल मंत्र**- ॐ हस्त्रीं त्रिपुर भैरव्यै नम: मां के इस मंत्र का जाप 81 दिन में 5 लाख संपन्न करें। जप समाह्श्वत होने पर दशांश हवन करें। हवन के बाद आरती विसर्जन करें। 41 कन्याओं को मीठा भोजन करवाएं। साधना सिद्ध होने पर त्रिपुर भैरवी स्वयं आशीर्वाद देती हैं।

किसी प्रेम को, आस्था को या समर्पण को जानना है, तो मीरा को जानना होगा। मीरा को जानना मोहन को पाने के बराबर है। कारण इसका यह भी है कि एक स्तर पर आकर उनका आपस का भेद ही खत्म हो जाता है...

# मीरा और मोहन

कृष्ण को जानना हो, तो मीरा को सेतु बनाओ, क्योंकि मीरा के अलावा दूसरा कोई सेतु नहीं जो कृष्ण की थाह पा सके। भक्त हर युग में हुए, मगर मीरा जैसा भक्त किसी युग में दूसरा नहीं हुआ। मीरा की कृष्ण भक्ति के आगे दुनिया की हर भक्ति फीकी दिखाई पड़ती है। मीरा कृष्ण जी की मूर्ति के सामने खड़ी होकर कहती हैं- 'मैं तो सिर्फ इस योग्य हूं कि तुम्हारे गीत गा सकूं। इसके अलावा मुझमें दूसरा कोई गुण नहीं है।

*'जहां बैठाने तित ही बैठूं, बेचे तो बिक जाऊं।*
*मीरा के प्रभु गिरधर नागर, बार-बार बलि जाऊं।'*

***अर्थात***- अब तो मेरा जीवन उसी की आज्ञा के जैसा चलता है। जहां बिठा देता है, वहीं बैठ जाती हूं। उठने को कहता है, तो उठ जाती हूं। मेरे तो प्रभु कृष्ण कन्हैया हैं, जिन पर जीवन बलिहारी है।

परमात्मा के प्रति मीरा की दीवानगी इस हद तक थी कि उन्हें दुनिया में कृष्ण के अलावा कुछ दिखाई ही नहीं देता था। वह कहती हैं, संतों के संग बैठ बैठ कर वह जो लोक लाज का व्यर्थ आड बर था, बोझ था वह सारा मैंने उतार दिया है। संत के संग बैठ कर भी अगर लोग लाज न खोई, तो संत से या सीखा?

## कौन थीं मीरा?

मीरा कृष्ण की दीवानी थी, ऐसा सारा संसार जानता है। मगर उनकी पृष्ठभूमि को जानना भी बहुत जरूरी है। मीरा का जन्म राठौर परिवार के रत्न सिंह और वीर कुंवरी के घर 1512 में मेड़ता में हुआ था। मीरा के दादा का नाम राव द्दा जी था, जो अत्यंत धनाड्य थे। मीरा की माता वीर कुंवरी झाला राजपूत सुल्तान सिंह की बेटी थी। रत्न सिंह ने कुड़की गांव को अपना केंद्र बनाया था। मीरा ने गुरु गजाधर से शिक्षा ग्रहण की। उन्हें अपनी आजीविका के लिए सात हजार बीघा जमीन दे रखी थी और उन्हें व्यास की पद्वी से विभूषित किया था। मीरा की एक बाल सखी थी ललिता, जो वास्तव से उसकी दासी थी। एक बार मीरा महल के ऊपर खड़ी थी। नीचे से एक बारात जा रही थी। बाल सुलभ मीरा ने मां से पूछा कि यह क्या हो रहा है? मां ने बताया कि बारात जा रही है। मीरा के यह पूछने पर कि बारात क्या होती है? मां ने कहा कि वर पक्ष के लोग कन्या के घर पर उसे विवाह कर लातें है और विवाह में वर का किसी कन्या के साथ विवाह होता है। उसने मां से पूछा कि मेरा वर कौन होगा? इतने में कुल पुरोहित श्रीकृष्ण की एक मूर्ति लेकर आए और मां ने मजाक में कह दिया कि यह है तेरा वर। और मीरा ने श्रीकृष्ण को अपना वर मान लिया।

## जब मीरा की शादी हुई

मीरा जब शादी के योग्य हुईं, तो माता-पिता ने उनका रिश्ता राजकुंवर भोजराज से कर दिया। भोजराज चितौड़ नरेश राणा सांगा के पुत्र थे। मीरा ने इसे अपनी दूसरी शादी करार दिया। राजघराने की बहू बनने के बाद भी वह हर वक्त श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहने लगीं। मीरा की एक देवरानी थी अजब कुंवरी, जो बाल विधवा थी। उसने मीरा की भावनाओं को समझ लिया तथा उसे सखी जैसा प्यार देने लगी। दूसरी तरफ उसकी ननद ऊदो ने बड़ी कोशिश की कि मीरा कृष्ण भक्ति छोड़ दें, मगर असफल रहीं।

राजकुंवर भोजराज की असमयिक मृत्यु हो गई। प्रथा के अनुसार पति की मृत्यु पर पत्नी को सती हो जाना था, मगर मीरा ने सती होने से इंकार कर दिया। सभी लोग चाहते थे कि मीरा सती हो जाए, मगर भोजराज का छोटा भाई मीरा के पक्ष में खड़ा हो गया और वह सती होने से बच गईं।

## जब मीरा पर अत्याचार हुए

उसी समय बाबर ने भारत पर आक्रमण कर दिया। राणा सांगा और बार में भीष्ण युद्ध हुआ, तो मीरा के पिता रत्न सिंह और भाई जलमल तथा अन्य रिश्तेदार राणा सांगा के साथ खड़े हो गए। मगर युद्ध में मारे गए, जिससे मीरा बहुत आहत हुईं। राणा सांगा भी मारा गया, तो चित्तौड़ की गद्दी पर राणा रत्न सिंह और उसके बाद विक्रम सिंह बैठे। विक्रम सिंह की बुरी नजर मीरा पर पड़ गई। उसने मीरा को प्राप्त करने का हर संभव प्रयास किया, मगर उसके इंकार करने पर वह मीरा से बदला लेने की सोचने लगा।

जन्माष्टमी के दिन राजा विक्रम सिंह ने मीरा को एक उपहार पेटिका भेजी, जिसमें काला भयंकर सांप था। मीरा ने पेटिका खोली, तो उस सांप को देखते ही पकड़ लिया। उसे कुछ नहीं हुआ। इतना ही नहीं, एक बार मीरा को धोखे से श्रीकृष्ण का चरणामृत कहकर विष भेजा गया। मीरा विष पीकर भी जिंदा रहीं। तब क्रोधित विक्रम सिंह ने मीरा पर तलवार से हमला किया, तो उसे एक साथ चार-चार मीरा नजर आने लगीं। आखिरकार मीरा अपने ताया के पास मेड़ता चली गईं, ताकि उसके अत्याचारों से बच सके। वह मथुरा वृंदावन भी गईं। और वहां के रणछोड़ जी के मंदिर में अपने बनाए भजन गाया करती थीं।

## मीरा समुद्र की लहरों में समा गई

उधर राणा विक्रम अभी भी मीरा के पीछे पड़ा था। उसने पुरोहितों को मीरा के पास भेजा कि राणा बदल गया है। उसने यह भी कहलवा दिया कि अगर वह न लौटीं, तो वह आमरण अनशन करेगा। मीरा ने समझ लिया कि अब प्रभु मिलन का समय आ गया है। वह समुद्र की लहरों की ओर बढ़ने लगीं और इस तरह 1573 में वह समुद्र की लहरों में समा गईं।

# व्यवसाय में उन्नति के लिए करें यह आसान उपाय

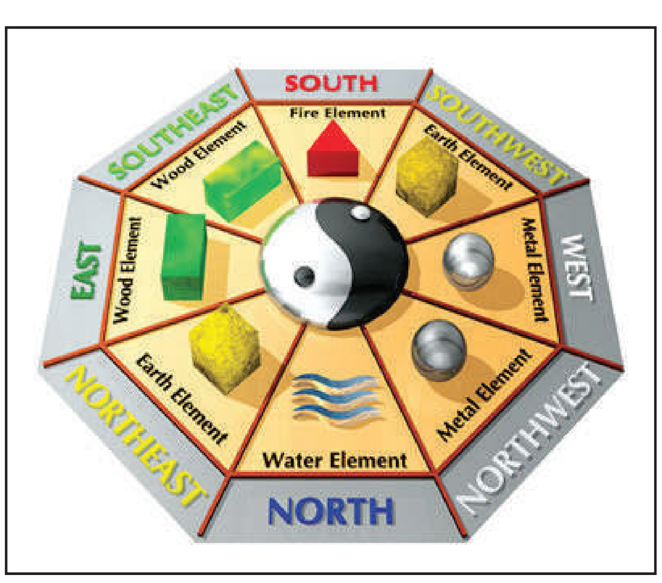


**सभी** चाहते हैं कि उनके व्यापार में उन्नति हो और वे सफलता की सीढियां चढ़ते जाएं। लेकिन व्यापार में भी उतार-चढ़ाव आता रहता है यदि आप चाहते हैं कि आपका व्यापार-व्यवसाय लगातार तरक्की करता रहें तो यहां कुछ विशिष्ट उपायों का विवरण दिया जा रहा है, जो अलग-अलग राशियों से संबंधित हैं।

**मेष राशि:** -मेष राशि वाले व्यवसाय स्थल पर कांच या मिट्टी के पात्र में जल भरकर रखें। कांच के बर्तन में थोड़ा पानी डालकर पांच सफेद फूल रखें। पानी बदलते रहें। लोहे, स्टील या अन्य धातु, वॉटर कूलर, जग में पीने का पानी भरकर नहीं रखना चाहिए। मीठा खाकर जल पीकर प्रस्थान करना शुभकारी है।

**वृष राशि:** - वृष राशि वाले व्यवसाय स्थल पर चमकीले एवं हल्के रंगों का प्रयोग कर साज-सज्जा करें। दरवाजे के सामने के बजाए किसी कोने में बैठने का स्थान होना चाहिए।

**मिथुन राशि:**- मिथुन राशि वाले हरे पत्तों सहित फूल लाकर अपनी दुकान या संस्था के ऑफिस में रखें। उत्तर या पूर्व की दीवार पर डॉल्फिन या पेंडुलम घड़ी अवश्य लगाएं। संस्थान के बाहर पांच हरे पौधे लगाएं। कार्यालय में आवाज करने वाला कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण न रखें।

**कर्क राशि:**- कर्क राशि वाले किसी पवित्र नदी या सरोवर का जल कांच के पात्र में भरकर दुकान के पूजाघर में रखें। इसके आलावा कार्यसिद्धि यंत्र अपने पूजा घर में रख प्रतिदिन दर्शन करें। पूर्णिमा को अपनी दुकान के प्रवेश द्वार के दोनों ओर कुछ गंगाजल अवश्य छिड़कें।

**सिंह राशि:**- सिंह राशि वाले अपने व्यवसाय स्थल में इस प्रकार बैठना चाहिए कि बाहर से व्यक्ति का मुंह दिखाई न पड़े। अष्टमी के दिन मिट्टी का शेर मंदिर में चढ़ाना चाहिए। लोहे या किसी भी धातु के फर्नीचर का प्रयोग बहुत कम करना चाहिए।

**कन्या राशि:**- कन्या राशि वाले व्यापार शुरू करने से पहले दुर्गा चालीसा का पाठ करें। लकड़ी का फर्नीचर प्रयोग में लाएं। इसके आलावा व्यवसाय स्थल के सम्मुख गाय को हरा चारा या पालक खिलाएं।

**तुला राशि:**- तुला राशि वाले जातकों को संस्थान के मध्य भाग में बैठना चाहिए। सात श्रीफल लाल वस्त्र में बांधकर कार्यस्थल की अलमारी में रख दें। उस अलमारी में अन्य सामान नहीं होना चाहिए। शक्रवार के दिन से शुरू कर सुगंधित पुष्प लाकर पूजा घर में चढ़ाने चाहिए। मां दुर्गा के दर्शन कर फिर दुकान खोलें। दुकान में सजावट व स्वच्छता का बहुत ध्यान रखें।

**वृश्चिक राशि:**- वृश्चिक राशि वाले अपने व्यवसाय स्थल के मुख्य द्वार के दोनों ओर सिंदूर से स्वस्तिक बनाएं। दुकान के मंदिर में प्रथम मंगलवार, शनिवार को लाल पुष्प चढ़ाएं। कार्यस्थल पर आते समय किसी पूज्य व्यक्ति के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेकर आएं। प्रत्येक मंगलवार गंगाजल लेकर दुकान के सभी कोनों में फूल द्वारा छिड़कें।

**धनु राशि:**- धनु राशि वाले कोष स्थान पर सफेद चंदन की लकड़ी हल्के गुलाबी रंग के कपड़े में लपेटकर रखें7 दुकान के मंदिर में गाय के दूध से बने घी में छोटी इलायची डालकर दीपक जलाएं।

पीठ पीछे पूजा घर न बनाएं। मुख्य द्वार के सामने न बैठें। गुरुवार के दिन पीले फूल मंदिर में चढ़ाएं। गाय को रोटी-गुड़ खिलाएं।

**मकर राशि:** - मकर राशि वाले घोड़े की नाल मुख्य द्वार पर शाम के समय पीपल वृक्ष को छुआकर लगाएं। व्यापार बहुत मंदा हो गया हो तो शनिवार को मिट्टी के घड़े पर ढक्कन लगाकर, टेप से बंद कर दुकान में रख दें। बुधवार प्रात: काल उसे बहते जल में बगैर ढक्कन खोले प्रवाहित कर दें।

**कुंभ राशि:**- कुम्भ राशि वाले कार्यस्थल में इस प्रकार बैठें कि आगे का स्थान खुला हो। कोई कोना या बंद दरवाजा न हो। शनिवार को मिट्टी के कुल्हड़ में मिट्टी का ढक्कन रखें। उस ढक्कन में 250 ग्राम काले तिल रखें तथा अगले दिन वह कुल्हड़ तिल सहित किसी को दान कर दें या पीपल पर रख आएं। सजावट में लाल व सफेद रंग का प्रयोग न करें। शनिवार को दुकान पर आए भिखारी को खाली हाथ न लौटाएं।

**मीन राशि:**- मीन राशि वाले कार्यस्थल पर जाने से पूर्व पूज्य व्यक्ति के चरण स्पर्श व कार्यसिद्धि यंत्र के दर्शन कर घर से निकलना चाहिए। गुरुवार को पीला फल लाकर कार्यस्थल के पूजाघर में रखें, दूसरे दिन उसे किसी भिखारी को दान दें।

गुरुवार के दिन कार्यस्थल पर आए हुए साधु को दान अवश्य दें। सफेद चंदन को पीले वस्त्र में बांधकर नवरात्र की नवमी को दुकान की तिजोरी में रखें। बुधवार को पीला पपीता खिलाएं।

# ज्योतिष विद्या और मै

**ज्योतिष** शास्त्र एक ऐसी विद्या है जो पूर्णरुपेन भगवत अराधना और दया से ही प्राप्त हो सकती है। मैने अपने जीवन की आधी सदी बस ये जानने में बिता दिया कि ज्योतिष शास्त्र आखिर है क्या? ये बहुत ही गुढ़ विद्या है, जो हर असम्भव को सम्भव कर सकता है। भूत,वर्तमान और भविष्य त्रिकालों का जानकार ही एक सच्चा ज्योतिष होता है।वो महाकाल त्रिकालदर्शी शिव सा तेज वाला कालपुरुष होता है।आज कल के निम्नस्तरीय वातावरण में ज्यों ही हमारे कानों में ज्योतिष शब्द आता है, हम सोच लेते है एक चंदन धारी, धोती पहने एक बुजुर्ग की छवि।पर ज्योतिष का जानकार इन्ही रुपों का संवाहक हो ऐसा जरुरी नहीं। आजकल युवाओं का रुझान इस विद्या की ओर देखने को मिला है ,जो ये साबित करता है कि अब भी हमारा देश विवेकानंद के सपनों को साकार करने में जागरुक है।मै स्वयं एक युवा ज्योतिष हूँ, मैने मात्र 20 साल की उम्र से ही इस विद्या का प्रहरी हूँ।रात दिन सुबह शाम एक करके आज 20 सालों बाद भी ऐसा लगता है कि मैने कुछ नहीं सीखा, मै कुछ नहीं जानता।ज्योतिष शास्त्र अनंत है।धन्य है हमसब जो ऐसी विद्या के सागर के दो बूँद से जनकल्याण हेतु दो बूँद उपयोग में लाते है।

ज्योतिष शास्त्र एक दैविक विद्या है और साथ में एक ऐसा मार्गदर्शक कि जन्मपत्री का सही गणित करके भविष्य वाचन किया जाये तो आगे का मार्ग शुभ, अशुभ का पता चल जाता है। ज्योतिष एक महान विद्या है, वही उसका दुरुपयोग भी बहुत हो रहा है। एक दो छोटी मोटी पुस्तकों को पढ़ ज्योतिष बनना कठिन है। किसी इष्ट की सहायता से ही एक सार्थक फलित वाचक ज्योतिष बना जा सकता है। भगवत दया से निरंतर मै अपने विचारों से आपसबको को रुबरु कराऊँगा,यूँही मेरा साथ दे...

# अनेकानेक बाधाओं से मुक्ति मात्र सिर्फ एक उपाय से.....

**कर्म** करना एक तरह से मानव जीवन की विवशता ही है, क्यों कि किए गए कर्मों से ही प्रारब्ध का निर्माण होता है. भाग्य पूर्व के संचित कर्मों तथा वर्तमान जीवन के किए गए कर्मों के मिश्रण का ही रहस्यमयी अंश है.

इसलिए अधिकतर लोग अपने-अपने क्षेत्रों में सफलता के चरम को छूने के लिए निरन्तर संघर्षशील रहते हैं, लेकिन इनमें से बहुत कम ही अपने सपनों को हकीकत में बदल पाते हैं. एसी मान्यता है कि प्रकृति केवल योग्य 'प्रारब्ध' का ही स्वागत करती है. यहाँ योग्य शब्द विज्ञान के किसी भी तर्क तथा मानव बुद्धि की सीमा से बाहर है. 'योग्यता' के बीज कर्मफल में ही छिपे रहते हैं और इन बीजों में लुप्त रहतपनी चेतना में समेटे आत्मा इस शरीर में जन्म लेती है.

किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में वरदान धनयोग, राजयोग, महापुरूष योग आदि कई प्रकार के योगों के रूप में उभरता है तथा अपनी दशा अनुसार व्यक्ति की दृष्टि, बुद्धि, विवेक तथा पुरूषार्थ को सफलता, सम्पन्नता, एश्वर्य, सुख तथा यश-मान, प्रसिद्धि की ओर अग्रसर करता है.

दूसरी ओर किसी की जन्मकुंडली में श्राप अद्भुत रूप से उसके जीवनकाल में किए जा रहे क्रियामान प्रयत्नों(कर्मों) में अवरोध, निराशा, हताशा व दु:ख का विष घोलता रहता है.

यही एक जटिल रहस्य है, जो हमें बताता है कि क्यों हममें से कुछ लोग औरों की अपेक्षा अधिक भाग्यशाली, सफल व सुखी जीवन व्यतीत कर रहे होते हैं, कुछ थोडे से प्रयत्न से ही अचानक सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ जाते हैं-जब कि कुछ अत्यधिक संघर्ष के बावजूद दयनीय तरीके से विफल रहते हैं. किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में ये श्राप अधिकतर उसके कर्म एवं भाग्य भाव को बाँधकर अनिष्ट, अरिष्ट तथा तरह तरह के भय के रूप में उजागर होते हैं, जो उस व्यक्ति के इच्छा क्षेत्र में खलबली मचाए हुए उसे संसार के तमाम सुखों से वंचित रखते हैं.

प्रारब्ध भले ही जीवन की विवशता हो, परन्तु पूर्व जन्म के अधिकतर दोषों, अपराधों यथा किन्ही श्राप आदि से व्यक्ति उपासना, प्रायश्चित कर्म के माध्यम से मुक्ति अवश्य प्राप्त कर सकता है.

**पूर्वजन्मकूत किसी श्रापादि जन्य दुष्प्रभाव से मुक्ति का सहज उपाय :-**

प्रत्येक महीने में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि, जिसे कि मास-शिवरात्रि भी कहा जाता है.

वर्षप्रयन्त यदि उस दिन उपवास रख, शिवलिंग पर चन्दन, जल, दूध, शहद,व बेलफल अर्पित करने तथा स्व इच्छित संख्या में ' ए ह्रीं नम: शिवाय ह्रीं ? ' का जाप किया जाए. तत्पश्चात त्रिधातु (सोना, चाँदी, ताँबा मिश्रित) काल्ला अनामिका अंगुली में धारण करें एवं रात्रि समय सोने से पूर्व कुछ समय जाने अनजाने में किए गए किन्ही अपराधों की क्षमाप्रार्थना कर श्री महामृत्युंजय मन्त्र का जाप किया जाए तो पूर्वजन्मकूत कई प्रकार के दोषों से सहज ही मुक्ति प्राप्त की जा सकती है.

# वास्तु सूत्र

**आपका** व्यवसाय निरंतर प्रगति करता रहे इसके लिए यदि आप चाहें तो निम्न सूत्रों का प्रयोग कर सकते हैं।

- व्यावसायिक स्थल का उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र (ईशान कोण) हमेशा साफ-सुथरा और खाली रहे। यहां पूजाघर बनाएं या पेयजल की व्यवस्था कर सकते हैं।
- व्यावसायिक स्थल के मालिक दक्षिण दिशा में इस प्रकार बैठें कि उनका मुंह उत्तर या पूर्व दिशा की ओर रहे।
- ग्राहकों को हमेशा वायव्य या पश्चिमी दिशा में बिठाएं या खड़ा रहने दें।
- वह सामान जो काफी समय से स्टॉक में है, बिक नहीं रहा है उसे उत्तर-पश्चिम की तरफ रखें।
- भारी सामान, भारी मशीनरी, कबाड़ इत्यादि को दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य) में रखें।
- व्यवसाय स्थल के मुख्य द्वार के सामने कोई खंभा, बड़ा पेड़, बिजली का ट्रांसफॉर्मर इत्यादि नहीं हो। यदि ऐसा है तो मुख्य द्वार के बाहर उत्तल अथवा बगुआ दपर्ण इस प्रकार लगाएं कि इनका प्रतिबिंब दर्पण में दिखे।
- मुख्य द्वार के ऊपर बाहर या अंदर की ओर देखते हुए गणेशजी की प्रतिमा, अपने ईष्ट देव या धार्मिक प्रतीक चिह्न लगाएं।

## साइबर रिश्तों से बढ़ी बेरुखी...

**साइबर** रिश्तों के इस युग में रोजमर्रा की जिंदगी में आमने-सामने के लोगों से रिश्ते जोड़ने की अहमियत कम हो गई है। हमेशा लोगों को शिकायत रहती है कि युवा पीढ़ी के लोग बहुत मनमानी करते हैं और किसी की सुनते नहीं। एक ताजा शोध के अनुसार इस बात की पुष्टि हो गई है। अब युवा पीढ़ी के लोग अधिक रूखे स्वभाव के हो गए हैं। वे किसी से घुलते-मिलते नहीं। मौजूदा समय में 18 से 34 वर्ष तक के लोग अपने पड़ोसियों से दुआ-सलाम कम ही करते हैं। साथ ही बुजुर्गों का भी स्वागत नहीं करते।

डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार इस आयु वर्ग के लोग ना तो अब बिल्डिंग के लोगों को चाय की पेशकश करने में रुचि लेते हैं और न ही किसी त्योहार पर आए डाकियो को इनाम देना चाहते हैं। 23 फीसद लोग साझा बरामदे या गलियारे में कम रुचि लेते हैं जबकि 55 साल से अधिक की उम्र के लोगों के साथ ऐसा नहीं है। इस आयु समूह के 35 फीसद लोग अपने पड़ोसियों की अनदेखी करते हैं। जबकि 55 साल से अधिक आयु वर्ग में केवल 15 फीसद लोग ऐसा करते हैं। युवा वर्ग के 18 फीसद लोग किसी महिला या वृद्ध जन के लिए दरवाजा खोलना पसंद नहीं करते हैं। वहीं 17 फीसद युवा सर्वाजनिक परिवहन में किसी गर्भवती महिला के लिए अपनी सीट नहीं छोड़ना चाहते। जबकि 12 फीसद लोग किसी वृद्ध को अपनी सीट नहीं देना चाहते। 55 साल से अधिक आयु के 83 फीसद लोगों ने कहा कि वह अपने बिल्डर को कॉफी या चाय की पेशकश जरूर करते हैं। लेकिन 50 फीसद युवा पीढ़ी ऐसा नहीं करती। यह सर्वेक्षण यूगाव सर्वे ने एक हजार वयस्कों पर किया है।

## नीली जींस का ट्रेंड 6,200 साल पुराना

**नीले** रंग की जींस के लिए हम पेरूवासियों को धन्यवाद दे सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पेरू के उत्तरी तट पर हुआका प्रीटा में खुदाई के दौरान 6,200 साल पुराना कपड़ा पाया गया, जिस पर नीले रंग को डाई के रूप में इस्तेमाल किया गया था। इसे सबसे पहली जींस माना गया है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा कि निष्कर्ष से पता चलता है कि जटिल वस्त्र तकनीक का विकास प्राचीन रेडियन लोगों ने किया था। हुआका प्रीटा कपड़ों में इस्तेमाल होने वाला कपास गॉसपियम बारबाडेंसी, आज उगाई वाले मिस्र के कपास की जाति का ही है। हमारे पास अच्छी नीली जींस नहीं होती यदि दक्षिण अमेरिकी नहीं होते।

## लड़कियों को वर की तलाश...

**यौवन** में दस्तक देती हर लड़की का सपना होता है कि उसकी शादी धूम धाम से हो, लेकिन एक जगह ऐसी भी है जहां लड़कियों के लिए शादी करना बेहद मुश्किल काम है। ब्राजील के नोइवा दो कोरडेएरो कस्बे में 20 से 35 साल की महिलाएं आज भी अपने लिए वर की तालाश में जुटी हुई हैं। इस कस्बे में हजारों लड़कियां शादी करने के लिए तरस रही हैं। इस कस्बे में बेहद खूबसूरत लड़कियां रहती हैं, लेकिन यहां की लड़कियों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत यहां कुवांरे लड़कों की कमी है। कस्बे में रहने वाली लड़कियां प्यार और शादी का सपना संजोती हैं लेकिन सिर्फ शादी के लिए कस्बा नहीं छोड़ना चाहती। वे चाहती हैं कि दूसरे गांवों के लोग उनके साथ रहें उन्हीं के कस्बे में आकर रहें। साथ ही पहाड़ियों के बीच बसे इस कस्बे में बहुत ही कम शादीशुदा मर्द हैं और जो कुवांरे लड़के हैं वे अभी बहुत छोटी उम्र के हैं।

## स्टूडेंट लाइफ में सेविंग...

अपने सपनों को उड़ान देने के लिए जब युवा दूसरे शहरों के अच्छे कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, तो जाहिर सी बात है कि फन और मस्ती में ही उनकी सारी पॉकेटमनी खत्म हो जाती होगी, क्योंकि न तो वह सेविंग्स के बारे में जानते हैं और न ही बजट कंट्रोल में रखना जानते हैं। बचत करने का पहला नियम है कि आप बजट बनाएं, बजट बनाते समय वर्क शीट पर दो सेक्शन बनाएं, जिसमें जरूरी और गैर जरूरी खर्च के बारें में लिखें। सबसे पहले वे काम करें जो जरूरी हैं, सिर्फ दूसरों को दिखाने के चक्कर में की जाने वाली फिजूल खर्ची से बचें। अक्सर आपका वीकेंड घर में बेड पर आराम फरमाते, टीवी देखते और पिज्जा खाने में निकल जाता है। ऐसे में अच्छा होगा वीकेंड पर आप कोई पार्ट टाईम जॉब शुरू करें। इससे आप अपनी पॉकेट मनी भी जुटा पाएंगे। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान नए सेमेस्टर के शुरू होने पर आप चाहें तो रेंटल बुक्स ले कर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं। यदि आप रोजाना जाने वाले स्टूडेंट्स में शामिल हैं तो लाइब्रेरी से बेहतर कोई और ऑप्शन नहीं हो सकता। कॉलेज जाना हो या फिर दोस्तों के साथ मस्ती करनी हो, हमेशा कोशिश करें कि आने-जाने के लिए पब्लिक व्हीकल का इस्तेमाल किया जाए, इससे आपका काफी पैसा बचेगा।

भीड़ में चलने का चलो अंदाज बदलते हैं, दुनिया कल बदलेगी हम आज बदलते हैं, चलो अपने हाथों की पतवार बदलते हैं, हर कदम के साथ अपनी रफ्तार बदलते हैं। आपके कपडे पहनने का स्टाइल, बात करने का अंदाज आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ बताता है। चाहे अनचाहे तौर पर आपके चलने का तरीका भी दूसरों पर गहरा असर छोड़ता है। क्या आप जानते हैं कि युवाओं के चलने की स्टाइल से उनके स्वभाव के बारे में भी पता चलता है। भला कैसे...? तो आइए जानते हैं।

# चलने का अंदाज...

**व्यक्ति** का मूड उसकी चाल को काफी प्रभावित करता है। चलने के अंदाज से किसी व्यक्ति के मूड के बारे में भी आसानी से पता लगाया जा सकता है। एक शोध के मुताबिक, जो लोग अवसाद से ग्रसित होते हैं, चलते समय उनकी हाथों की गतिविधियां कम होती हैं और उनके कंधे आगे की ओर झुके होते हैं। वहीं जो लोग अच्छे मूड में होते हैं, चलते समय उनके हाथों की गतिविधियां ज्यादा होती हैं। क्वींस यूनिवर्सिटी के शोध में कहा गया है कि हमारा मूड हमारी चाल को प्रभावित करता है। किसी पल हम कैसा महसूस कर रहे हैं, इससे हमारी चाल बहुत प्रभावित होती है। हर किसी की चाल कुछ न कुछ कहती है और चलने का तरीका बताता है कि आप किस स्वभाव के हैं।

### आक्रामकता का अंदाज

हाल ही यूके की पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी में हुई एक स्टडी के मुताबिक, लोगों के चलने के अंदाज से पता चलता है कि वे कितने आक्रामक है। अगर चलते वक्त किसी व्यक्ति के शरीर का ऊपरी और निचला हिस्सा ज्यादा हिलता है तो उसमें आक्रामकता ज्यादा होती है। शोधकर्ताओं ने 29 लोगों पर ट्रेडमिल पर उनके नेचुरल स्पीड में चलने के ऊपर एक अध्ययन किया है। एक शोधकर्ता के मुताबिक, जब हम चलते हैं तो हमारे शरीर में मूवमेंट होती है. जब कोई व्यक्ति अपना बायां पैर आगे बढ़ाता है तो उसके साथ कूल्हे का बायां भाग भी आगे आता है, बायां कंधा थोड़ा पीछे की तरफ झुकता है और दायां कंधा संतुलन बनाने के लिए आगे झुकता है। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों को एक फॉर्म भरने दिया जो उनके आक्रामकता के स्तर का अंदाजा लगाता है। उन्होंने प्रतिभागियों के व्यक्तित्व की विशिष्टता का पता लगाने के लिए बिग फाइव नाम का एक टेस्ट भी लिया। टेस्ट और फॉर्म के जरिए उन्होंने पता लगाया कि लोग क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और कैसे व्यवहार करते हैं। शोधकर्ताओं नें मनुष्यों के वक्ष और कूल्हे की गति और उनके चाल की गति का पता लगाया। शोधकर्ता कहते हैं कि रिसर्च से यह बात कंफर्म होती है कि लोगों के चलने के तरीके से उनके व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है।

### छोटे-छोटे कदम

जो पुरूष छोटे-छोटे कदम रखकर धीरे चलते हैं वो छोटी सी बातों में ही परेशान हो जाते हैं। उनका जीवन थोड़ा परेशानी भरा होता है। यानी ऐसे लोग आपका उत्तरदायित्व नहीं संभाल सकते। ये कमजोर साबित होते हैं।

### कंधे आगे की ओर

जो कंधे आगे की ओर झुकाकर चलते हैं वे थोड़े आलसी होते हैं लेकिन जरुरत पड़ने पर मेहनत करने के लिए भी तैयार रहते हैं। इन्हें कोई भी काम दिया जाए उसे करने में आलस महसूस करते हैं और कोई भी निर्णय लेने में बहुत बार सोचते हैं।

### तेज चाल

जिन युवाओं की चाल तेज होती है वे बड़े उत्साही और हमेशा आगे बढ़ने वाले स्वभाव के होते हैं। इनका शरीर फिट और आकर्षक होता है। ऐसे लोग दूसरों को भी उत्साही बनाते हैं और जीवन में काफी आगे जाते हैं। जो लोग पैरों के साथ हाथों को हिलाकर चलते हैं वे बहुत चतुर और जिंदादिल होते हैं। ऐसे लोग जोशीले और उत्साहित होने के साथ उमंग से भरे होते हैं।

### पैरों को दबाव देना

जमीन पर पैरों को दबाव देकर जो लोग चलते हैं वो हिम्मती और जिद्दी स्वभाव के होते हैं और अपनी बातों पर अडिग रहने वाले होते हैं।

### लंबे-लंबे कदम

जो लोग लंबे-लंबे कदम रखकर चलते हैं, वे आत्मविश्वासी और बेहद साहसी होते हैं। इनमें हमेशा प्रतियोगिता की भावना होती है। इस स्वभाव वाले लोग अपनी सोच से एक कदम आगे चलते हैं।

### धीमी गति से चलना

जो लोग धीमी गति से चलते हैं या पैरों को घसीटकर चलते हैं, वो सहमे हुए और दुखी स्वभाव के होते हैं। ये लोग तनावग्रस्त होते हैं।

## फर्स्ट इंप्रेशन...

सभी चाहते हैं कि किसी से पहली बार मिलने पर ऐसी छाप छोड़े कि उसके मन-मस्तिष्क में उम्र भर के लिए अच्छी राय बन जाए, लेकिन ज्यादातर लोगों को यह तकनीक ही नहीं आती कि पहली ही मुलाकात में कैसे किसी को हमेशा के लिए अपना प्रशंसक बनाया जा सकता है। तो आइए जानते हैं कैसे जमाएं फर्स्ट इंप्रेशन।

### स्टाइल सुधारें

पहली मुलाकात में ध्यान रखें कि सामने वाले पर आपकी बातचीत का क्या प्रभाव पड़ रहा है। इसे भांपकर अपनी शैली सुधारें। अपना ध्यान उस व्यक्ति पर केंद्रित करें, आंखों से आंखें मिलाकर बात करें। चाहे सामने कोई उच्च पदस्थ व्यक्ति हो, नर्वस होकर, इधर-उधर देखते हुए बातचीत न करें। यदि आपको लगता है कि सामने वाला बोर कर रहा है तो भी पहली बार उसकी बात ध्यान से सुनें।

### हाथ मिलाने का सलीका

किसी से भी हाथ मिलाते समय ध्यान रखें कि हाथ को न तो ढीला छोड़कर मिलाया जाए और न बिल्कुल सख्त तरीके से। हाथ मिलाते समय आपके चेहरे पर खुशी और अपनापन झलके। किसी स्त्री से हाथ मिलाते समय आपके व्यवहार में शालीनता नहीं होगी तो मुश्किल में भी पड़ सकते हैं।

### आत्मविश्वास जरूरी

कई बार लोग अपने सामने किसी उच्च व्यक्तित्व वाले व्यक्ति को देख कर हड़बड़ा जाते हैं और ऐसी हरकतें कर बैठते हैं कि सामने वाले पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर आपकी पहली मुलाकात किसी लड़की से हो रही है तो अपने फेशियल एक्सप्रेशंस को संयत रखें। ऐसी लड़की बेशक आपकी भावी मंगेतर या रिश्तेदार हो, लेकिन अपने व्यवहार को संयत रखें, हावी होने की कोशिश न करें।

### खूबसूरती का प्रदर्शन

कुछ लोग खूबसूरती का अनावश्यक प्रदर्शन करती हैं। सभी लोग सौंदर्य पर रीझने वाले नहीं होते। भले ही यह बातचीत शादी तय करने के लिए हो रही हो, याद रखें कि आपका चेहरा आपके व्यक्तित्व का सिर्फ एक हिस्सा है, वह तभी किसी को आकर्षित करता है, जबकि आपकी भाषा, बातचीत का अंदाज और भाव-भंगिमा शालीनतापूर्ण हो। हर किसी में अलग-अलग गुण होते है, उन्हे सराहे। मधुर वाणी जहां दिलों पर राज करा सकती है, वहीं कर्कश बातें चोट पहुंचाती है। इसलिए अपने व्यवहार में विनम्रता रखें। यही एक बात है जो याद रह जाती है।

### सहज रहें

किसी के साथ पहली मुलाकात में सामने वाले को यह महसूस हो कि उससे मिलने पर आपको खुशी हुई। शादी-विवाह तय करते समय भी ध्यान रखें कि आपकी नापसंदगी दूसरे पर एकदम से जाहिर न हो। कई बार तो ऐसा भी होता है कि पहली मुलाकात में कोई पसंद नहीं आता, बाद में वही जीवनसाथी, बॉस या अन्य किसी रिश्ते के तहत हमारे सामने आ जाता है। पहली मुलाकात में अपना समूचा ज्ञान या दर्शन भी सामने वाले के सामने प्रस्तुत न कर दें। सहज रहे, भले ही सामने वाले की बातों से आप सहमत न हों, लेकिन इसे पहली ही बार में न जाहिर करे।

# ऐसे बनाएं आकर्षक बॉडी....

**एक** जमाना था जब आदमी दो पैक ऐब्स बनाकर ही मोहल्ले में शान से चला करता था, लेकिन आज के जमाने में दो पैक ऐब्स नहीं बल्कि सिक्स पैक ऐब्स चलते हैं। फिल्मों और टीवी से लेकर गली के जिम तक हर कोई सिक्स पैक ऐब्स बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यदि आपको भी सिक्स पैक बनाने की चाहत है तो हम आपको बता दें कि इसको बनाना इतना आसान नहीं है लेकिन अगर आप कुछ बातों पर ध्यान दें तो सिक्स पैक ऐब्स बना सकते हैं। सिक्स पैक ऐब्स बनाने के लिए आपको अपने वर्कआउट के साथ साथ अपनी डायट पर भी खास ध्यान देना होगा। इसमें सब से पहला कार्य होता हैं अपने भोजन पर नियंत्रण रखना। यदि आप दिन में दो या तीन बार भरपेट खाना खाते हैं तो आपको तीन के बजाय पांच से छह बार खाना होगा। मतलब आप कम-कम मात्रा में 2-3 बार के बजाय 6 बार खाना खाएंगे। इसका कारण यह है कि एक ही बार भरपेट खाने से पेट की मांसपेशियों पर बहुत अधिक बल पड़ता है जिससे मोटापा बढ़ जाता है और शरीर बेडौल हो जाता है। आपको प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना होगा। इससे शरीर में ताकत आएगी और मांसपेशियां मजबूत होंगी। पने आहार में काबोहाइड्रेट्स की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा अधिक लें। शुगर युक्त चीजें, अधिक कैलोरी वाले फूड और एल्कोहल का सेवन करने से बचें। मक्खन, चीज जैसी चीजों का सेवन न ही करें तो बेहतर होगा। आपको साथ ही ऑयली फूड से दूर रहें। आप कम मात्रा में पीनट बटर का सेवन भी कर सकते हैं। अंत में पानी पीने की मात्रा का भी ध्यान रखे। पानी दिन में कम से कम 8 गिलास या इससे अधिक पीएं।

### चेस्ट के लिए

चेस्ट को शेप देने के लिए फ्लैट डंबल प्रेस सबसे बेहतर एक्सरसाइज है। यह फ्लैट बेंच से इसलिए बेहतर है क्योंकि उसमें आपके हाथ एक सीमा से नीचे नहीं आते। बेंच करते वक्त रॉड जैसे ही आपकी चेस्ट से टच होती है आप उसे ऊपर की ओर धकेल देते हैं। वहीं डंबल प्रेस के मामले में आपकी चेस्ट पर कुछ आने जैसी बात ही नहीं होती। जितना आप डंबल को नीचे ले जाएंगे उतना प्रेशर आपकी चेस्ट पर बनेगा।

### पावर के लिए

ओवरऑल मसल बिल्डिंग और पावर के लिए बॉडी बिल्डरों की सबसे पसंदीदा एक्सरसाइज है स्क्वेट। जो लोग इसे नहीं करते उन्हें लगता है कि यह सिर्फ पैरों की कसरत है पर जो लोग करते हैं वो जानते हैं कि ये कसरत मर्द बनाती है। यह एक्सरसाइज ग्रोथ हार्मोन को जबरदस्त तरीके से एक्टिवेट करती है। एक हैवी सेट लगा कर देखें, दिमाग की बत्ती जल जाएगी। एक और सबूत चाहिए तो हैवी स्क्वेट लगाने के बाद ब्रेंच प्रेस लगाएं आप नॉर्मल से ज्यादा वेट लगा पाएंगे।

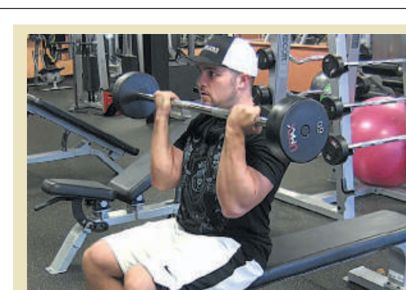

### बाइसेप्स के लिए

कसरतों की लंबी लिस्ट है और आप उन्हें आजमाते भी होंगे, पर बारबेल कर्ल से बेहतर कुछ नहीं। जैसे स्क्वेट पैरों की एक मुकम्मल कसरत है वैसे ही बारबेल कर्ल बाइसेप्स की मुकम्मल एक्सरसाइज है। एक बात और आप अगर शुरुआती दौर में नहीं हैं तो बड़ी रॉड से कर्ल करें।

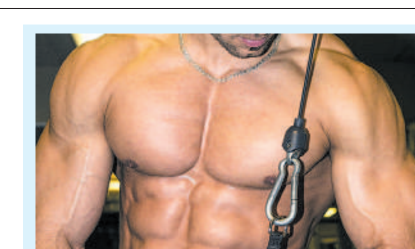

### ट्राइसेप्स

आपके आर्म में 30 फीसदी हिस्सेदारी बाइसेप्स और 70 फीसदी ट्राइसेप्स की होती है। अगर आपको बड़े आर्म्स चाहिए तो बाइसेप्स की बजाय ट्राइसेप्स पर ज्यादा ध्यान दें। आपके ट्राइसेप्स के भी तीन हिस्से होते हैं और बेंच डिप्स ऐसी एक्सरसाइज है तो तीनों हिस्सों पर काम करती है। इसे आप बॉडी वेट के साथ और एक्सट्रा वेट के साथ भी कर सकते हैं।

### बाइसिकल क्रंच

सिक्स पैक की ओर बढ़ रहे हैं तो इस एक्सरसाइज को अपने शेड्यूल में जरूर शामिल करें। बाकी की क्रंचेस आमतौर पर एब्स के किसी एक हिस्से पर काम करती हैं पर ये एक साथ सिक्स पैक पर काम करती है। यहां ये बताना हम जरूरी समझते हैं कि ये सबसे ज्यादा फायदेमंद उस शख्स के लिए जिसका पेट फ्लैट और जो सिक्स पैक बनाने के लिए कसरत कर रहा हो।

# बच्चों को सुलाने के आसान तरीके

आमतौर पर बच्चों को जब नींद नहीं आती है तो वो चिड़चिड़े हो जाते हैं। फिर उन्हें किसी भी तरह बहलाने फुसलाने की कोशिशें बेकार साबित होती हैं। उस समय उन्हें जरूरत होती हैं प्यारी सी लोरी के साथ शांत माहौल और मां के गोद की। लोरी सुनाकर बच्चों को सुलाने का चलन बरसों से चला आ रहा है। आज भी मां अपने बच्चों को लोरी सुनाकर ही सुलाती हैं। धीरे-धीरे और मीठे स्वर में गाई गई लोरी का बच्चे के दिमाग पर काफी असर होता है इसको सुनते-सुनते वे धीरे-धीरे मीठी नींद की ओर बढ़ने लगते हैं।

**लोरी ही जरूरी नहीं:** लोरी बच्चे को सुलाने का सबसे प्यारा तरीका समझा जाता है। लेकिन सिर्फ लोरी ही जरूरी नहीं है इसके साथ बच्चे के शरीर पर हल्की-हल्की थपकी और गोद में उसे धीरे-धीरे झुलाना भी काफी मददगार साबित होते हैं। और यह प्रक्रिया आपको तब तक करनी चाहिए जब तक बच्चा गहरी नींद में ना सो जाए।

**लोरी सुनते ही क्यों सो जाते हैं बच्चे:** लोरी की मीठी आवाज से बच्चे का ध्यान आस-पास की आवाजों से हटने लगता है। बच्चों को लगातार गोद में झुलाते रहने से उसकी नजर किसी भी चीज पर नहीं टिक पाती। और थोड़ी ही देर में उसकी आखों में नींद आने लगती है। और वह धीरे-धीरे अपनी आंखों को बंद करने लगता है।

**स्तनपान करते हुए:** आमतौर पर देखा जाता है कि बच्चें मां की गोद में स्तनपान करते हुए भी सो जाते हैं। ऐसे में उनके सिर पर धीरे-धीरे हाथ से सहलाएं जिससे उनकी आंखों में नींद आने लगे। और जब वह पूरी नींद में सो जाए तो उसे धीरे से बिस्तर पर लेटा दें।

**गोद में लेकर झुलाएं:** बच्चो को जब नींद आती है तो वो आपकी गोद में झुलना चाहते हैं। ऐसे में बच्चे को अपनी गोद में लेकर दाएं से बाएं झुलाएं। धीरे-धीरे उसकी आंखे भारी होने लगती है और वह थकवाट के कारण अपनी आंखे बंद करने पर मजबूर हो जाता है। ध्यान रहे कि ज्यादा से जोर से झुलाने पर बच्चा डर भी सकता है।

**प्रैम या स्ट्रॉलर में:** कई बार देखा जाता है कि बच्चा प्रैम या स्ट्रॉलर में बैठकर आगे-पीछे हिलाते हुए सोना चाहता है। यह प्रक्रिया बार-बार करने पर बच्चा धीरे-धीरे नींद की आगोश में चला जाता है।

संपादकीय

## 'वंदे मातरम्' पर बवाल

**राष्ट्रगीत** 'वंदे मातरम्' पर देश भर में राजनीतिक बवाल मच गया, यह वाकई शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। 'वंदे मातरम्' पर संसद के दोनों सदनों में बिल पारित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उस पर हस्ताक्षर कर दिए। अब 'वंदे मातरम्' पर नया कानून बन गया और लागू हो चुका है, लिहाजा कानून का उल्लंघन अथवा राष्ट्रगीत को खंडित करना, उसके गायन-वादन में व्यवधान डालना आदि 'अपराध' हैं। प्रत्येक अपराध की सजा भी निश्चित होती है, लेकिन देश के विभिन्न हिस्सों में जो विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जुलूस निकाले जा रहे हैं, नारेबाजी बुलंद है, वे तमाम राजनीतिक मानसिकता के उदाहरण हैं। सुदूर सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) में मशाल-जुलूस निकाला गया। कश्मीर के श्रीनगर में 'मुर्दाबाद' के नारे गूंजते रहे और कांग्रेस के शीर्ष तीन नेताओं को 'माफी मांगने' को कहा गया। पंजाब के अमृतसर में कांग्रेस नेताओं के पुतले जलाए गए। प्रधानमंत्री के चुनाव-क्षेत्र वाराणसी में 'डीएनए' पर सवाल उठाए गए। मुंबई में अजीब नारेबाजी की गई-'सीताराम कहेंगे, राधेश्याम कहेंगे।' इन हिंदूवादी नारों का 'वंदे मातरम्' से क्या सरोकार है? गुजरात, मप्र, उप्र, राजस्थान, महाराष्ट्र आदि राज्यों के शहरों में भी बवाल मचाए गए, खासकर सोनिया गांधी को निशाना बनाया गया। कई शहरों में भाजपाई, जाहिर है, चेहरों ने सोनिया गांधी के साथ-साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी के खिलाफ भी शिकायतें दर्ज कराई और उन्हें 'प्राथमिकी' बनाने के आग्रह पुलिस से किए गए। राजधानी दिल्ली में तो पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी ही दर्ज करा दी गई है। शिकायतों में गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई की मांगें भी बुलंद हुई हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 'वंदे मातरम्' के कथित अपमान को 'पाप' करार दिया है और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को देश एवं गीतकार बंकिम बाबू की आत्मा से माफी मांगने का आग्रह किया है। भाजपा इसे 'भारत का अपमान' चित्रित कर रही है। कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा को अपनी 'कमजोर नस' थमा दी है, एक संवेदनशील मुद्दा दे दिया है, भाजपा इसे विकराल रूप देकर 2027 के विधानसभा चुनावों में भुना सकती है। अलबत्ता जेन-जी और अल्फा के मुद्दे पर भाजपा बचाव की मुद्रा में आ गई थी और देश का माहौल बदलने लगा था। दरअसल वह 15 अगस्त, देश के स्वतंत्रता दिवस, का पावन अवसर था। कांग्रेस मुख्यालय में भी परंपरागत रूप से 'तिरंगा' फहराया जाता रहा है। चूंकि ऐसे सार्वजनिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का गायन-वादन कानूनन 'अनिवार्य' कर दिया गया है, लिहाजा कांग्रेस मुख्यालय में भी गाया गया। उस समारोह के जो सीधे प्रसारण और वीडियो सार्वजनिक हुए हैं, उनमें राष्ट्रगीत के गायन के दौरान ही कांग्रेस अध्यक्ष खडग़े और सोनिया गांधी आपस में बतियाते हुए दिखे हैं। फिर 'सेवादल' का कर्मचारी उनके पास आया और दोनों नेताओं ने उसे अलग-अलग निर्देश दिए। सोनिया गांधी की उस दौरान की 'मुख-मुद्रा' पढ़ी जा सकती है। वह 'वंदे मातरम्' गाए जाने से बेचैन लग रही थीं। राहुल गांधी ने भी बाएं मुड़ कर कुछ संकेत किए। बाद में वह यह कहते हुए सुने गए-'हम अपना वंदे मातरम् गा रहे हैं, सरकारी 'वंदे मातरम्' नहीं गाना है।' यह अपना और सरकारी 'वंदे मातरम्' क्या होता है? बहरहाल बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने जो गीत 1875 में लिखा था और 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में भी गाया गया, उसकी पृष्ठभूमि 1906-07 की भी है। इस गीत की उत्प्रेरक भूमिका आजादी की लड़ाई में क्या रही, 1936-37 में तत्कालीन मुस्लिम लीग और मुहम्मद अली जिन्ना के आग्रह पर इस गीत के दो छंद ही स्वीकार किए गए और उन्हें ही गाया जाता रहा। संपूर्ण गीत में छह छंद हैं, जिन्हें अब संसद के जरिए सांगोपांग गाना कानूनन अनिवार्य कर दिया गया है। गुलामी का वह दौर अब एक 'अतीत' है, लिहाजा तब की व्यवस्थाओं में संशोधन करना अपरिहार्य है। वह संसद में किया गया है। कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत को बाधित क्यों किया गया, अनुशासन का उल्लंघन क्यों किया गया, यह खुद कांग्रेस के तीनों शीर्ष नेता ही स्पष्ट कर सकते हैं।

'वंदे मातरम्' पर संसद के दोनों सदनों में बिल पारित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उस पर हस्ताक्षर कर दिए। अब 'वंदे मातरम्' पर नया कानून बन गया और लागू हो चुका है, लिहाजा कानून का उल्लंघन अथवा राष्ट्रगीत को खंडित करना, उसके गायन-वादन में व्यवधान डालना आदि 'अपराध' हैं। प्रत्येक अपराध की सजा भी निश्चित होती है, लेकिन देश के विभिन्न हिस्सों में जो विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जुलूस निकाले जा रहे हैं, नारेबाजी बुलंद है, वे तमाम राजनीतिक मानसिकता के उदाहरण हैं। सुदूर सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) में मशाल-जुलूस निकाला गया। कश्मीर के श्रीनगर में 'मुर्दाबाद' के नारे गूंजते रहे और कांग्रेस के शीर्ष तीन नेताओं को 'माफी मांगने' को कहा गया। पंजाब के अमृतसर में कांग्रेस नेताओं के पुतले जलाए गए। प्रधानमंत्री के चुनाव-क्षेत्र वाराणसी में 'डीएनए' पर सवाल उठाए गए। मुंबई में अजीब नारेबाजी की गई-'सीताराम कहेंगे, राधेश्याम कहेंगे।' इन हिंदूवादी नारों का 'वंदे मातरम्' से क्या सरोकार है? गुजरात, मप्र, उप्र, राजस्थान, महाराष्ट्र आदि राज्यों के शहरों में भी बवाल मचाए गए, खासकर सोनिया गांधी को निशाना बनाया गया।

कुछ अलग

## मनुष्य का आगमन

**काल** धीमे-धीमे मुस्कराते हुए नई प्रजाति का नाम लेते हुए बोला, 'मनुष्य।' वह पुनः सोचने लगा, 'जब सुधार की आकांक्षा विनम्रता से बड़ी हो जाए तो अधिकार जन्म लेने लगता है। जब ऐसा तो प्रकृति की ख़ूबसूरती से छेड़छाड़ आरंभ हो जाती है।' धीरे-धीरे मनुष्य ने औजार बनाना सीखा। नापने का उपक्रम सीखा। मापना सीखा। सीधी रेखाएं खींचीं। नक्शे बनाए। दीवारें उठाईं। छत डाली। जहां-जहां उसे कोई दरार दिखाई देती, उसे भरने के लिए वह गारा इस्तेमाल करने लगता। उसे लगता कि वह प्रकृति की अधूरी रचना पूरी कर रहा है। हर भरी हुई दरार के साथ उसका आत्मविश्वास बढ़ता गया। उसे विश्वास होने लगा कि उसकी व्यवस्था में ही वास्तविक सौंदर्य छिपा है। श्रेष्ठ वही है जो सुव्यवस्थित है। लेकिन जिस दिन उसने पहली सीधी रेखा खींची, उसी दिन वक्रता पहली बार अपराध घोषित हुई। लेकिन प्रकृति मौन रही। उसे मालूम था कि व्यवस्था बनाई जा सकती है, किन्तु जीवन नहीं। जीवन की अपनी रचनाधर्मिता है। वह हमेशा व्यवस्था से थोड़ा बाहर उगता है। उसी रात दरारों के भीतर पहली बार हलचल हुई। अब तक बिखरे हुए कॉकरोचों ने पहली बार एक साथ इक_ा होना ज़रूरी समझा। दाना कहते हैं कि यह बैठक महान दरार गणराज्य की पहली परिषद थी। सभा की अध्यक्षता सबसे वृद्ध कॉकरोच ने की। उसका शरीर समय की धूल से धूसर हो चुका था, किन्तु उसकी आंखों में भविष्य अब भी स्पष्ट दिखाई देता था। वह सभा की ओर देखते हुए गंभीर स्वर में बोला, 'साथियो, आज पहली बार हमें किसी शिकारी ने नहीं, एक विचार ने घेरा है।' सभा में सन्नाटा छा गया।

### भारत ने धर्म के आधार पर नागरिकता की अवधारणा को राज्य की नागरिकता का आधार नहीं बनाया

# अल्पसंख्यकों की असुरक्षा से आतंकवाद तक पाक का यथार्थ

1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14 .6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। कुल आबादी 240 .46 मिलियन है। इन दोनों श्रेणियों को जोड़ें तो हिस्सा लगभग 2 .17 प्रतिशत बैठता है। अर्थात आज के पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की जनसंख्या हिस्सेदारी अत्यंत सीमित रह गई है। इसके विपरीत भारत की स्थिति को भी तथ्यों के साथ ही देखना चाहिए। भारत की अंतिम प्रकाशित पूर्ण जनगणना 2011 की है। उसमें मुस्लिम आबादी 14.23 प्रतिशत, यानी 17 .22 करोड़ दर्ज हुई थी। यही वह बिंदु है जहां भारत और पाकिस्तान के बीच वास्तविक अंतर सामने आता है।

**पाकिस्तान** के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया गया हालिया बयान केवल एक जहरीली एवं कड़वी राजनीतिक टिप्पणी ही नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की उस मानसिकता का आईना है, जिसमें भारत के प्रति कटुता, अविश्वास, नफरत और वैचारिक विरोध आज भी गहरे पैठे हुए हैं। जरदारी ने 'अखंड भारत' की अवधारणा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय इसमें विश्वास करते हैं, लेकिन वे मुसलमान होने के नाते इससे सहमत नहीं हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान में हिंदुओं के सुरक्षित और सुखी होने का दावा भी किया। सवाल यह है कि दुनिया किसी राष्ट्राध्यक्ष के दावे पर विश्वास करे या आंकड़ों और जमीन पर दिखाई देने वाली वास्तविकता पर? इतिहास का न्याय भावनाओं से नहीं, तथ्यों से होता है। और पाकिस्तान के संदर्भ में जनसांख्यिकी, अल्पसंख्यकों की स्थिति, धार्मिक स्वतंत्रता और आतंकवाद-ये चारों क्षेत्र ऐसे आईने हैं जिनमें उसकी अपनी तस्वीर साफ दिखाई देती है। 1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। कुल आबादी 240.46 मिलियन है। इन दोनों श्रेणियों को जोड़ें तो हिस्सा लगभग 2.17 प्रतिशत बैठता है। अर्थात आज के पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की जनसंख्या हिस्सेदारी अत्यंत सीमित रह गई है। इसके विपरीत भारत की स्थिति को भी तथ्यों के साथ ही देखना चाहिए। भारत की अंतिम प्रकाशित पूर्ण जनगणना 2011 की है। उसमें मुस्लिम आबादी 14.23 प्रतिशत, यानी 17.22 करोड़ दर्ज हुई थी। यही वह बिंदु है जहां भारत और पाकिस्तान के बीच वास्तविक अंतर सामने आता है। भारत ने धर्म के आधार पर नागरिकता की अवधारणा को राज्य की नागरिकता का आधार नहीं बनाया। संविधान ने हर नागरिक को समान नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और अपनी आस्था के पालन की स्वतंत्रता दी। भारत में मुसलमानों ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, न्यायपालिका, सेना, शिक्षा, उद्योग, कला, खेल और प्रशासन सहित जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। इसके विपरीत पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं की रिपोर्टें गंभीर प्रश्न उठाती हैं। ह्यूमन राइटस वाच की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा, मनमानी गिरफ्तारी और सामाजिक दबाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। रिपोर्ट में हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदियों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और जबरन विवाह-धर्मांतरण जैसी समस्याओं का उल्लेख है। 2023 में

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के जरनवाला में ईशनिंदा के आरोपों के बाद चर्चों और ईसाई घरों पर भीड़ के हमले हुए। ह्यूमन राइटस वाच ने पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के इस्तेमाल से अल्पसंख्यकों की संपत्ति पर कब्जे और उन्हें घर छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने के मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया है। ऐसे में जरदारी का यह कहना कि पाकिस्तान के हिंदू बहुत खुश हैं, एक झूठा, गुमराह करने वाला एवं भ्रामक राजनीतिक दावा तो हो सकता है, लेकिन उसे व्यापक तथ्यात्मक प्रमाण की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। किसी देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं या नहीं, इसका प्रमाण केवल राष्ट्राध्यक्ष का बयान नहीं, बल्कि उनके नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा, कानून के सामने समानता तथा भयमुक्त जीवन है। भारत में सरकारों के खिलाफ मुसलमानों एवं अन्य अल्पसंख्यकों के द्वारा आवाज उठाई जा सकती है, न्यायालयों में चुनौती दी जा सकती है। यही लोकतांत्रिक भारत और धार्मिक-सामुदायिक असुरक्षा से जूझते पाकिस्तान के बीच बुनियादी अंतर है। दूसरा बड़ा प्रश्न पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकवाद का है। पिछले कई दशकों में सीमा पार आतंकवाद भारत की सुरक्षा के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में रहा है। संसद पर हमला, मुंबई हमले, पठानकोट, उरी, पुलवामा और जम्मू-कश्मीर में लगातार हिंसक घटनाएं इस समस्या का हिस्सा रही हैं। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने उस समय स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध कार्रवाई की गई क्योंकि पाकिस्तान उन्हें नष्ट करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा था। 2025 में पहलगाम के आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सुरक्षा नीति में एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत दिया। 22 अप्रैल 2025 के हमले में 26 लोगों की हत्या के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत सरकार ने इसे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध लक्षित और नियंत्रित कार्रवाई बताया। यह परिवर्तन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है। भारत ने आतंकवाद के साथ-साथ उसके वित्तीय और नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने विदेशी तत्वों द्वारा नशीले पदार्थों को सीमा पार भेजकर 'नार्को-टेरर' को वित्त उपलब्ध कराने की बात कही है। यहां भारत की चुनौती केवल सीमा पर बंदूक लेकर खड़े आतंकवादी से नहीं है। चुनौती उस पूरे तंत्र से है जिसमें आतंकवाद, हथियार, ड्रोन, नशीले पदार्थ, फर्जी सूचनाएं और सामाजिक विभाजन-सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उसने पाकिस्तान को यह संदेश दिया है कि आतंकवाद और बातचीत को समानांतर रास्तों पर नहीं चलाया जा सकता। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट कार्रवाई और 2025 का ऑपरेशन सिंदूर अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इनके पीछे एक समान संदेश दिखाई देता है-भारत अब आतंकवाद को केवल सहने या निंदा करने तक सीमित नहीं रहेगा। इस बदले हुए भारत की तस्वीर पाकिस्तान की बेचैनी को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीकी क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा उत्पादन, डिजिटल बुनियादी ढांचा, वैश्विक कूटनीति और रणनीतिक प्रभाव लगातार बढ़े हैं। आज भारत को विश्व राजनीति में केवल दक्षिण एशिया की शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया के महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखा जाता है। पाकिस्तान की समस्या केवल यह नहीं है कि भारत उससे आर्थिक और सामरिक रूप से आगे निकल रहा है, उसकी बड़ी समस्या यह है कि भारत अपनी बहुलतावादी लोकतांत्रिक पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। जरदारी का बयान इसलिए भी विचारणीय है कि पाकिस्तान को भारत के भीतर की विविधता पर टिप्पणी करने से पहले अपने घर के भीतर झांकना चाहिए। भारत में मुसलमानों की आबादी बढ़ती आबादी का तथ्य स्वयं बताता है कि भारत में मुस्लिम समुदाय का अस्तित्व, विस्तार और सामाजिक जीवन किसी 'समाप्ति' की कहानी नहीं है। दूसरी ओर पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर आज भी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाएं गंभीर चिंता व्यक्त कर रही हैं। इसलिए दुनिया के उन देशों को भी पाकिस्तान के प्रति अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, जो केवल रणनीतिक या राजनीतिक हितों के कारण उसकी हर बात का समर्थन करते हैं। किसी राष्ट्र का मूल्यांकन उसके भाषणों से नहीं, उसके व्यवहार से होना चाहिए। यदि कोई देश एक तरफ आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिबद्धता जताए और दूसरी तरफ उसकी धरती से सक्रिय आतंकी नेटवर्क लगातार पड़ोसी को निशाना बनाते रहें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को केवल कूटनीतिक शब्दों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। भारत की शक्ति का अर्थ किसी धर्म या देश के प्रति घृणा नहीं, बल्कि अपने नागरिकों की सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई है।

देश दुनिया से

## हर मौसम में निर्बाध भरोसेमंद सड़कों की जरूरत

**उत्तराखंड** में वर्षों पहले जिस सड़क परियोजना की चर्चा 'ऑल वेदर रोड' के नाम से शुरू हुई थी, वह अब 'चारधाम मार्ग' के नाम से अधिक जानी जाती है। लेकिन सवाल नाम का नहीं, उसके उद्देश्य और परिणाम का है। यदि यह सचमुच ऑल वेदर रोड है, तो बार-बार, बीसियों स्थानों पर मौसम की मार से अवरुद्ध होना इसके दावे पर सवाल खड़ा करता है। मूल सवाल है- क्या सड़क केवल चौड़ी और नई बनी है, या वास्तव में हर मौसम में भरोसेमंद आवागमन के योग्य भी हुई है? चारधाम तक ही क्यों? जब सड़कों का निर्माण जनता से वसूले गए करों और रोड टैक्स जैसे साधनों से होता है, तो हर सड़क का हर मौसम में उपयोगी व भरोसेमंद होना जनता का अधिकार है; सड़कें किसी सरकार की भीख नहीं। गांवों में ऑल वेदर मार्ग किसानों की आय बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि इससे आलू, सेब जैसे उत्पाद समय पर बाजार पहुंचेंगे व खराब होने की आशंका घटेगी। गांवों की सड़कों को ऑल वेदर बनाने का लक्ष्य कई पंचवर्षीय योजनाओं की प्राथमिकताओं में पहले से रहा है। सैन्य सुरक्षा की दृष्टि से भी ऑल वेदर रोड की आवश्यकता है और उत्तराखंड में यह प्रमुख प्राथमिकताओं में हो। धार्मिक चारधाम यात्रा के नाम पर भले ही इसे चारधाम मार्ग कहा गया हो, पर चारधाम यात्रा वर्ष में करीब छह माह, कपाट खुले रहने की अवधि में ही होती है व इसके लिए फोर-लेन सड़कें अनिवार्य नहीं। किसी भी मौसम में सड़कों पर सुरक्षित और सुगम आवागमन केवल सड़क की गुणवत्ता पर नहीं, बल्कि नागरिकों और कर्मचारियों के आचरण व कार्य-संस्कृति पर भी निर्भर करता है। बिजली, पानी, सीवर या टेलीफोन लाइनों के लिए बार-बार नई सड़कों को खोदना, उन पर रेत-बजरी बिखेरना अथवा निर्माण सामग्री डम्प करना आम है। इससे वाहन फिसलने जैसी दुर्घटनाएं होती हैं। यदि हम स्वयं सड़कों पर ऐसी सामग्री बिखेरें, जो बरसात में फिसलन या आंधी में धूल-गुबार का कारण बने, तो ऑल वेदर रोड का लाभ कितना मिल पाएगा? ओस या बर्फ जमने पर सड़क सुरक्षित रहने के बावजूद पैदल चलना भी कठिन हो जाता है। पहाड़ों में हर

साल आपदाओं से टूटने वाले पुल-पुलिये समय पर ठीक नहीं हो पाते। जर्जर ट्रॉलियों और पेड़ों के तनों के सहारे नदी-नाले पार करना आज भी जोखिम भरा है; बच्चों सहित ग्रामीणों के घायल होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। हजारों करोड़ रुपये की चारधाम ऑल वेदर रोड का लाभ भी तभी मिलेगा, जब मरीज, किसान और आम नागरिक अपनी सड़क, पगडंडी और पुल के जरिए उसके मुहाने तक पहुंच सकें। टिहरी बांध के जलाशय बनने के बाद प्रतापनगर, केदार त्रासदी से प्रभावित क्षेत्रों, यमकेश्वर-ढांगू, गुप्तकाशी और कुमाऊं के अनेक गांवों में यह समस्या आज भी बनी हुई है। बरसात में बच्चों का स्कूल पहुंचना और मरीजों अथवा प्रसव के निकट महिलाओं को मोटर मार्ग तक लाना तक कठिन हो जाता है। कई सम्पर्क मार्ग ठीक होने के बावजूद वाहन-विहीन रहते हैं। सवाल इसलिए केवल ऑल वेदर रोड का नहीं, बल्कि गांवों को स्कूल, अस्पताल और मुख्य मार्गों से हर मौसम में जोड़ने वाले भरोसेमंद सम्पर्क तंत्र का है। सवाल है कि ऑल वेदर रोड से पहले गांवों में ऑल वेदर स्कूलों, अस्पतालों और मुख्य मार्गों तक पहुंच सरकारों की प्राथमिकता क्यों नहीं है? असल में जरूरत केवल ऑल वेदर रोड की नहीं, बल्कि हर मौसम में उपयोगी और सुरक्षित सम्पूर्ण सड़क-सम्पर्क तंत्र की है। सड़क पर पर्याप्त रोशनी पर भी खास ध्यान नहीं। राहगीर चाहता है कि उसकी सड़क, पगडंडी या पुल किसी भी मौसम में बाधित न हो। फ्लाईओवर और पुलों की सुरक्षा का रिकॉर्ड भी चिंता से परे नहीं; पुलों के गिरने, भ्रष्टाचार और अवैध खनन से उनके स्तंभों व सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के मामले इस चिंता को और गंभीर बनाते हैं। ऑल वेदर रोड का सड़क की चौड़ाई से सीधा संबंध नहीं है। संकरी पगडंडी भी ऑल वेदर हो सकती है, यदि वह हर मौसम में सुरक्षित और आवागमन योग्य रहे। हां, चौड़ी सड़क पर मलबा गिरने की स्थिति में उसके किसी हिस्से से बचकर निकलना बनिस्बत आसान होता है। पहले, खासकर फौजी वाहनों में, छोटा-मोटा मलबा हटाने को बेलचा-कुदाल तक रखे जाते थे; अब स्थिति यह कि खड़े या चलते वाहनों पर सीधे मलबा गिरने से दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क कटान के नीचे के पेड़ों की कटाई भी जोखिमों को बढ़ा रही है। सम्पर्क मार्गों की स्थिति भी महत्वपूर्ण है। जैसे मुख्य नदी के लिए सहायक नदी महत्वपूर्ण है, वैसे ही सड़कों के लिए सम्पर्क मार्ग अहम हैं। सभी सड़कों के जलागम क्षेत्रों में भू-क्षरण व भूस्खलनों को रोकने के लिए जलागम प्रबंधन का काम होना चाहिए। सड़कों की ज्योमेट्री और तात्कालिक डम्पिंग ग्राउंड के महत्व को भी रेखांकित किया जाना जरूरी है। अन्यथा सड़क खोलने की जल्दी में सारा मलबा और बड़े-बड़े पत्थर भी नीचे लुढ़का दिए जाते हैं। यह भी कार्य-संस्कृति से जुड़ा सवाल है। सड़कों के बड़े प्रोजेक्ट्स से सामुदायिक प्राकृतिक संसाधनों, जैसे जलस्रोत, चारा, लकड़ी और लघु वन उत्पादों के संग्रहण के पारम्परिक क्षेत्रों पर असर पड़ सकता है। बड़े पैमाने पर भूगर्भीय कमजोरियों के कारण जीवन और आजीविका की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है। न भूलें कि पहाड़ों में, और पूरे विश्व में भी, बड़ी-बड़ी परियोजनाओं वालों ने, चाहे वे खनन की हों या विद्युत उत्पादन की, अपने मतलब के लिए, अपनी मशीनों की ढुलाई और कई-कई पहियों वाले भारी वाहनों की आवाजाही के लिए सड़कें बनाई हैं। बेशक अहसान स्थानीय लोगों पर ही जताया जाए।

आप का नज़रिया

## नबीन के नगीने

**भाजपा** की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नये बदलाव के जरिये एक तीर से कई निशाने साधे गए हैं। कार्यकारिणी में उ.प्र. के पदाधिकारियों का दबदबा, अपेक्षाकृत युवाओं को तरजीह तथा आईटी सेल के शीर्ष पद में बदलाव बताता है, ये परिवर्तन समय की जरूरत है। कहीं न कहीं जेन-जी आंदोलन के बाद पार्टी ने बदलाव की आकांक्षी नई पीढ़ी से जुड़ने का मन बनाया है। छात्र आंदोलन में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका को महसूस करते हुए एक दशक के बाद भाजपा के आईटी हेड अमित मालवीय की विदाई हुई है और दीपक म्हस्के की एंट्री हुई है। केमिस्ट्री के प्रोफेसर रहे म्हस्के चुनावी आंकड़ों और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित डेटा विश्लेषण अभियान से जुड़े रहे हैं। छत्तीसगढ़ आईटी सेल के समन्वयक रहे म्हस्के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने और विभिन्न क्षेत्रों में व्हाट्सऐप समूहों का नेटवर्क तैयार करने के लिये पहचान रखते हैं। दरअसल, पार्टी वार-प्रतिवार के दौर से आगे निकलकर क्षेत्र, आयु समूह व मुद्दों के जरिये जनता का मूड भांपने का प्रयास करेगी। निस्संदेह, यह निर्णय राजनीति में सोशल मीडिया की बदलती भूमिका को भी दर्शाता है। पार्टी ने महसूस किया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म अब सिर्फ प्रचार का जरिया ही नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक असंतोष से मुकाबले तथा आम लोगों से जुड़ने का भी माध्यम बना है। पार्टी ने यह भी महसूस किया कि हालिया छात्र आंदोलन में छोटे वीडियो, व्यंग्य, राजनीतिक मीम व वायरल सामग्री की लोगों को जोड़ने में बड़ी भूमिका रही है। वहीं दूसरी ओर भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उ.प्र. में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उ.प्र. का दबदबा नजर आता है। जिन आठ नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, उनमें राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में स्मृति ईरानी की वापसी सुर्खियों में है। साथ ही राजनीतिक समीकरण साधने के लिये ओबीसी से लेकर अल्पसंख्यक चेहरे कार्यकारिणी में उ.प्र. से शामिल किए गए हैं। कह सकते हैं राजनीति के साथ ही सामाजिक समीकरण भी साधने की कोशिश हुई है। बहरहाल, नितिन नबीन की नई कार्यकारिणी में महामंत्री के रूप में स्मृति ईरानी की वापसी ने खासी सुर्खियां बटोरी हैं क्योंकि अमेठी से चुनाव हारने के बाद उन्हें हाशिये पर माना जा रहा था। एक समय राहुल गांधी को हराकर अमेठी से सांसद और मंत्री बनने के बाद वे लगातार सुर्खियों में रही थीं। वहीं कुर्मी समाज से आने वाली रेखा वर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं दलित समुदाय से आने वाले बुलंदशहर के सांसद डॉ.भोला सिंह राष्ट्रीय सचिव, प्रभावी यादव समाज से आने वाली आजमगढ़ की संगीता यादव के जरिये आगामी विधानसभा चुनाव में सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश हुई है। उत्तर प्रदेश से ही अमरपाल मौर्य को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चे का अध्यक्ष बनाया गया है। दूसरी ओर उ.प्र. के ही कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चे की कमान दी गई है। जो संगठनात्मक रणनीति के साथ ही इन समाजों में पकड़ मजबूत करने की कोशिश भी है। इसे उ.प्र. में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले की तैयारी माना जा रहा है। निस्संदेह, यह कहावत सटीक है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता उ.प्र. से होकर ही जाता है। यही वजह है कि भाजपा के लिये प्रदेश का विधानसभा चुनाव प्रतिष्ठा का प्रतीक बनना स्वाभाविक ही है। दूसरी ओर भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में संघ से जुड़े रहे राम माधव, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रहे तीरथ सिंह रावत व बैजयंत जयपांडो जैसे दिग्गज नेताओं को तरजीह मिली है। वहीं युवाओं को प्राथमिकता देने के क्रम में युवा मोर्चे के अध्यक्ष के रूप में हेमांग जोशी के नाम की चर्चा हो रही है। दूसरी तरफ पार्टी ने राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी पीयूष गोयल को दी है। वहीं नॉर्थ ईस्ट कॉर्डिनेटर पद पर संबित पात्रा व मीडिया संयोजक के पद पर अनिल बलूनी दायित्व निभाएंगे। पार्टी ने महिलाओं को भी महत्व दिया है और राष्ट्रीय पदाधिकारियों में कुल मिलाकर बारह महिलाएं शामिल की गई हैं।

कार्यकारिणी में उ.प्र. के पदाधिकारियों का दबदबा, अपेक्षाकृत युवाओं को तरजीह तथा आईटी सेल के शीर्ष पद में बदलाव बताता है, ये परिवर्तन समय की जरूरत है। कहीं न कहीं जेन-जी आंदोलन के बाद पार्टी ने बदलाव की आकांक्षी नई पीढ़ी से जुड़ने का मन बनाया है। छात्र आंदोलन में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका को महसूस करते हुए एक दशक के बाद भाजपा के आईटी हेड अमित मालवीय की विदाई हुई है और दीपक म्हस्के की एंट्री हुई है। कैमिस्ट्री के प्रोफेसर रहे म्हस्के चुनावी आंकड़ों और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित डेटा विश्लेषण अभियान से जुड़े रहे हैं। छत्तीसगढ़ आईटी सेल के समन्वयक रहे म्हस्के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने और विभिन्न क्षेत्रों में व्हाट्सऐप समूहों का नेटवर्क तैयार करने के लिये पहचान रखते हैं। दरअसल, पार्टी वार-प्रतिवार के दौर से आगे निकलकर क्षेत्र, आयु समूह व मुद्दों के जरिये जनता का मूड भांपने का प्रयास करेगी। निस्संदेह, यह निर्णय राजनीति में सोशल मीडिया की बदलती भूमिका को भी दर्शाता है। पार्टी ने महसूस किया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म अब सिर्फ प्रचार का जरिया ही नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक असंतोष से मुकाबले तथा आम लोगों से जुड़ने का भी माध्यम बना है।

दृष्टि कोण

## विदेशी निवेश और नई डिपॉजिट स्कीम

**जब** विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से तेजी से पैसा निकालना शुरू किया और 2026 की पहली छमाही में सिर्फ छह महीनों के अंदर लगभग 30 अरब अमरीकी डॉलर देश से निकाल, बाहर ले गए, उससे भारतीय रुपए पर भारी दबाव पड़ा। इस वर्ष के प्रारंभ से, जून 2026 तक रुपया 89.5 रुपए प्रति डॉलर से गिरकर 94.18 रुपए प्रति डॉलर हो गया, यानी इसमें 5.23 प्रतिशत की गिरावट आई। ऐसे में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों के लिए एक आकर्षक प्रस्ताव दिया और एक्सचेंज रेट रिस्क (विनिमय दर के जोखिम) के खिलाफ करेंसी हेजिंग की लागत को स्वयं वहन करना तय किया। इस नए प्रावधान का फायदा उठाते हुए, बैंकों ने डॉलर डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज को तेजी से बढ़ाया- पहले यह लगभग 3 से 4 प्रतिशत था, जिसे बढ़ाकर 3-5 साल की योग्य जमाओं (डिपॉजिट्स) के लिए 6 से 7 प्रतिशत या उससे ज्यादा कर दिया गया। अनिवासी भारतीयों ने इस पर उत्साह दिखाया और रिजर्व बैंक की स्पेशल स्वैप सुविधा के तहत विदेशी मुद्रा का अंतरप्रवाह प्रवाह सिर्फ दो हफ्तों में लगभग दोगुना हो गया। यह 17 जुलाई को 20.718 अरब अमरीकी डॉलर था जो 31 जुलाई तक बढक़र 40.816 अरब अमरीकी डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अकेले विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक डिपॉजिट्स का हिस्सा 36.725 अरब अमरीकी डॉलर था, और बाकी लगभग 4 अरब अमरीकी डॉलर विदेशी मुद्रा में लिए गए कर्ज और विदेशी बाजार ऋण से आए। एफसीएनआर में हुई इस अचानक बढ़ोतरी से हमारे विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढने में निश्चित रूप से मदद मिली है। जुलाई 2026 के अंत तक विदेशी मुद्रा भंडार बढक़र 692.9 अरब अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि मई 2026 के अंत में यह गिरकर 666.93 के निचले स्तर पर आ गया था- यानी सिर्फ दो

महीनों में इसमें 25.9 अरब अमरीकी डॉलर की बढ़ोतरी हुई। रिजर्व बैंक की मौजूदा स्वैप स्कीम की खासियत यह है कि जब यह बैंकों को करेंसी जोखिम से मुक्त करती है, रिजर्व बैंक पर लगभग कोई खर्च नहीं आता। चूंकि रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का कस्टोडियन है, इसलिए जब भी एफसीएनआर बैंक डिपॉजिट से पैसे निकाले जाते हैं, तो वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार से भुगतान कर सकता है, यह भंडार पहले इन्हीं एफसीएनआर डिपॉजिट से बढ़ाया गया था। हम समझ सकते हैं कि जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बाहर का रुख किया तो रुपए में तेजी से अवमूल्यन प्रारंभ हो गया। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा नई स्वैप स्कीम की मदद से अनिवासी भारतीयों से बड़ी जमा प्राप्त करना संभव हो पाया। विदेशी निवेश सही या अनिवासी भारतीयों की जमा : पिछले 26 सालों में, अगर हम एक तरफ विदेशी निवेश (जिसमें विदेशी प्रत्यक्ष और पोर्टफोलियो निवेश दोनों शामिल हैं) और दूसरी तरफ अनिवासी भारतीयों द्वारा भेजी गई कुल रकम (रेमिटेंस) की तुलना करें, तो पाते हैं कि देश को वर्ष 2000-01 से 2025-26 तक कुल 1166.4 अरब अमरीकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और 295.7 अरब अमरीकी डॉलर का निवल पोर्टफोलियो निवेश प्राप्त हुआ। यानी पिछले 26 वर्षों में कुल 1462.1 अरब अमरीकी डॉलर का विदेशी निवेश देश को प्राप्त हुआ। दूसरी ओर अनिवासी भारतीयों से देश में कुल 1780 अरब अमरीकी डॉलर के प्रेषण देश को प्राप्त हुए।

# दो गेम पिछड़ी इनाया ने पलटा मैच, राजवर्धन-देबांशु भी सेमीफाइनल में

**यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप : आराध्या को 3-2 से हराया; वरेण्या, कृतिका, फाल्गुन भी अंतिम चार में, अर्जुन-ग्रंथ ने जीते पांच गेम के मुकाबले**

कानपुर

पंजाब की गैरवरीय इनाया ने दो गेम से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए दिल्ली की आराध्या कश्यप को 3-2 से हराकर यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-11 बालिका वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आराध्या ने शुरुआती दोनों गेम 12-10, 12-10 से जीते, लेकिन इनाया ने अगले तीन गेम 11-2, 11-4, 11-7 से जीतकर मुकाबला पलट दिया। बालिका वर्ग में पश्चिम बंगाल की वरेण्या सरकार, कृतिका साइबो और हरियाणा की फाल्गुन गुप्ता भी अंतिम चार में पहुंचीं। बालक वर्ग में शीर्ष वरीय महाराष्ट्र के राजवर्धन तिवारी, पश्चिम बंगाल के अर्जुन सेन, हरियाणा के ग्रंथ दुकलान और पश्चिम बंगाल के देबांशु चक्रवर्ती ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

**राजवर्धन-देबांशु की आसान जीत** - स्पोर्ट्ज हब में चल रही चैंपियनशिप के अंडर-11 बालक वर्ग में राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर चल रहे राजवर्धन ने तमिलनाडु के मुहम्मद रेहान को 14-12, 11-2, 11-3 से हराया। शुरुआती गेम में कड़ी टक्कर के बाद राजवर्धन ने अगले दोनों गेम में मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। पश्चिम बंगाल के देबांशु ने गुजरात के रेहांश सिंहवी को 11-7, 11-8, 11-7 से शिकस्त दी।

**अर्जुन-ग्रंथ पांच गेम में जीते** - बालक वर्ग के अन्य दोनों क्वार्टर फाइनल पांच गेम तक चले। पश्चिम बंगाल के अर्जुन सेन ने महाराष्ट्र के नक्ष महाजन को 11-4, 8-11, 12-10, 10-12, 11-6 से हराया। नक्ष ने चौथे गेम में मुकाबला बराबर कर दिया था, लेकिन निर्णायक गेम में अर्जुन ने बेहतर नियंत्रण के साथ जीत दर्ज की।

हरियाणा के ग्रंथ दुकलान ने पश्चिम बंगाल के मायुख सरकार को 11-8, 8-11, 6-11, 11-8, 11-9 से हराया। मायुख ने तीसरा गेम जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन ग्रंथ ने चौथे गेम में वापसी कर निर्णायक गेम अपने नाम किया।

**वरेण्या-कृतिका ने भी किया पलटवार** - बालिका वर्ग में पश्चिम बंगाल की वरेण्या सरकार ने महाराष्ट्र की धड़कन तन्ना को 5-11, 11-7, 11-9, 10-12, 11-8 से हराया। पहला गेम गंवाने के बाद वरेण्या ने अगले दो गेम जीते, लेकिन धड़कन ने चौथे गेम में मुकाबला बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में वरेण्या ने संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज की।

पश्चिम बंगाल की कृतिका साइबो ने भी दो गेम से पिछड़ने के बाद तेलंगाना की चेतन अधिरा को 10-12, 5-11, 11-4, 11-8, 11-8 से हराया। कृतिका ने तीसरे गेम से आक्रामक खेल अपनाया और लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। हरियाणा की फाल्गुन गुप्ता ने अपनी ही राज्य की माही कुमारी को 11-7, 11-9, 11-5 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

## न्यूज ब्रीफ

### बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए जेक वेदराल्ड, रेनशा को मिला मौका

**मेलबर्न।** बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद आस्ट्रेलिया ने दूसरे और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी टीम में एक बदलाव किया है। सलामी बल्लेबाज जेक वेदराल्ड को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि उनकी जगह बाएं हाथ के बल्लेबाज मैथ्यू रेनशा को टीम में शामिल किया गया है। आस्ट्रेलिया को डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में बांग्लादेश के हाथों नौ विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी थी। इस हार के बाद टीम की बल्लेबाजी पर गंभीर सवाल उठे हैं। वेदराल्ड पहले टेस्ट में केवल 23 और शून्य रन ही बना सके थे। वेदराल्ड ने पिछले साल घरेलू एशेज सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। छह टेस्ट में उन्होंने अब तक 20.36 की औसत से 224 रन बनाए हैं, जिसमें केवल एक अर्धशतक शामिल है। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने वेदराल्ड की तकनीक में किए गए बदलावों के बारे में क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि बल्लेबाज ने अपनी बल्लेबाजी के दौरान खड़े होने की स्थिति और मूवमेंट में कुछ बदलाव किए थे। हालांकि, उन्होंने माना कि इतने छोटे नमूने के आधार पर यह कहना मुश्किल है कि बदलाव अंतरराष्ट्रीय स्तर के दबाव में कितना प्रभावी रहेगा। आस्ट्रेलिया के लिए रेनशा को शामिल करना एक पारंपरिक विकल्प माना जा रहा है। मैके में टेस्ट पदार्पण करने जा रहे इस मैदान पर रेनशा पहले ही दो प्रथम श्रेणी शतक लगा चुके हैं। 30 वर्षीय रेनशा ने अपना पिछला टेस्ट भारत के खिलाफ करीब तीन साल पहले खेला था। उन्होंने अब तक 14 टेस्ट की 24 पारियों में 645 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

### रूट को कप्तान बनाया जाना सही : ब्रूक

**लंदन।** इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अनुभवी बल्लेबाज जो रुट को कप्तान बनाये जाने को एक सही कदम बताया है। बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद रुट को कप्तानी दी गयी जबकि ब्रूक भी कप्तानी के दावेदार थे। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड क्रिकेट एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और इस बदलाव के दौरान रूट को कप्तानी की जिम्मेदारी दिये जाने से टीम को लाभ होगा। इंग्लैंड टीम 19 अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान का सामना करने के लिए तैयार है, जिसमें रूट एक बार फिर कप्तानी की कमान संभालेंगे। ब्रूक जून में स्टोक्स के संन्यास के समय उप-कप्तान थे, उन्होंने रूट को फिर से कप्तान बनाए जाने के फैसले का स्वागत किया। ब्रूक ने कहा, रूट को कप्तान बनाने का फैसला एकदम सही है। मैं यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं कि वह क्या कर सकते हैं। वह निश्चित रूप से इस काम को संभालने के लिए सबसे सही व्यक्ति हैं। मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। सीमित ओवरों की टीम के कप्तान ब्रूक ने टेस्ट डेब्यू करने के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के दौरों पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहां टेस्ट में उनका औसत क्रमशः 84.10 और 75.44 रहा पर अक्टूबर 2025 में एक नाइटक्लब में हुए झगड़े के बाद उनका करियर कठिन दौर में फंस गया। इस घटना पर ब्रूक ने कहा, यह एक कठिन दौर था, खासकर जब मैं घर पर था और मीडिया का सामना करने की तैयारी कर रहा था।

### सिनसिनाटी ओपनः ज्वेरेव ने अटमाने को हराकर चौथे दौर में बनाई जगह

**सिनसिनाटी।** जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने कड़े मुकाबले में फ्रांस के टेरेन्स अटमाने को 7-6(4), 7-6(8) से हराया। दूसरे सेट के टाईब्रेक में ज्वेरेव के पास 6-4 के स्कोर पर दो मैच प्वाइंट थे। अटमाने ने पहले मैच प्वाइंट पर शानदार ऐस लगाकर बचाव किया, जबकि दूसरे पर ज्वेरेव ने डबल फाल्ट कर दिया और स्कोर 6-6 हो गया। हालांकि, 29 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी ने इसके बाद लगातार दो अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। उन्होंने दो घंटे नौ मिनट में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। 19 वर्षीय जोदार का शानदार अभियान जारी इस बीच 19 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी राफेल जोदार ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अलेजांद्रो टेबिलो को 6-2, 6-1 से हराकर राउंड आफ 16 में प्रवेश किया। जोदार ने महज 75 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। वह इस दशक में सिनसिनाटी में राउंड आफ 16 में पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज और बेन शेल्टन के बाद तीसरे किशोर खिलाड़ी बन गए हैं। अब जोदार का सामना विश्व नंबर-10 फ्लावियो कोबोली से होगा। कोबोली ने कड़े मुकाबले में अलेक्जेंडर ब्लाक्स को 7-5, 4-6, 7-5 से हराया। निर्णायक सेट में 3-5 से पिछड़ने के बाद इटली के 24 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार चार गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। फिल्स ने नौवीं वरीयता प्राप्त लेहेका को चौंकाया अन्य मुकाबले में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने नौवीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को 6-1, 6-7(7), 6-3 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। दूसरे सेट के टाईब्रेक में फिल्स के पास 7-6 पर मैच प्वाइंट था, लेकिन लेहेका ने उसे बचाकर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।

# भारत जीत से सिर्फ 6 विकेट दूर, गॉल टेस्ट में चौथे दिन गेंदबाजों का कहर

### *14 बल्लेबाज हुए आउट, श्रीलंका के सामने 372 रन का विशाल लक्ष्य*

### *चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक मेजबान टीम का स्कोर 4 विकेट पर 84 रन*

गॉल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच गॉल में खेले जा रहे दो मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में चार दिन का खेल पूरा हो चुका है। मैच के पहले दिन से ही दबदबा बनाए हुए भारतीय टीम अब श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल करने से सिर्फ 6 विकेट दूर है। चौथे दिन गेंदबाजों ने जमकर बवाल काटा और दिनभर में दोनों टीमों के कुल 14 बल्लेबाज पवेलियन लौटे। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाकर श्रीलंका के सामने जीत के लिए 372 रन का लगभग नामुमकिन सा दिखाई देने वाला लक्ष्य रखा। दिन का खेल समाप्त होने से पहले श्रीलंका के 4 बल्लेबाज आउट हो चुके थे और उसका स्कोर 84 रन था। श्रीलंका अभी भी भारत से 288 रन पीछे है।

**श्रीलंका के 4 बल्लेबाज आउट हुए**

372 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम को शुरू से ही भारतीय गेंदबाजों ने बांधकर रखा। मोहम्मद सिराज ने पारी के छठे ओवर में निशान मदुष्का को 6 रन बनाने के बाद आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई।

इसके बाद इस मैच में कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर उतरे पाशिंदू सूरियाबंदारा, मानव सुथार की पहली ही गेंद पर आउट होकर चलते बने। श्रीलंका को 21 रन के स्कोर पर कमिंदु मेंडिस (2) और फिर 47 रन के स्कोर पर लहिरू उडारा (16) के रूप में दो झटके और लगे।

भारत की ओर से मानव सुथार ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज को 1-1 विकेट मिला।

**टीम इंडिया ने दिया 372 रन का लक्ष्य**

इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाकर श्रीलंका के सामने जीत के लिए 372 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। पहली पारी में 174 रन की बढ़त लेने वाली भारत की दूसरी पारी 48.5 ओवर में सिमट गई।

भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम सोमवार को 284 रन पर सिमट गई थी।भारतीय पारी समाप्त होते ही बारिश शुरू हो गई, जिसके कारण चाय का विश्राम समय से पहले ले लिया गया। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में आक्रामक रुख अपनाते हुए ऐसा स्कोर खड़ा करने की कोशिश की, जिसे श्रीलंका के लिए हासिल करना मुश्किल हो।सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने 35 और देवदत्त पडिक्कल ने 44 रन की पारी खेली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी कर भारतीय पारी को संभाला। भोजनकाल तक भारत का स्कोर 4 विकेट पर 116 रन था।

**ऋषभ पंत की शानदार पारी, बनाया नया रिकॉर्ड**

इसके बाद ऋषभ पंत ने श्रीलंकाई गेंदबाजों पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने 69 गेंदों में 66 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें दो छक्के शामिल थे।इस दौरान पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए। साथ ही वह दुनिया में सबसे कम पारियों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले बल्लेबाज भी बने।

भारत को पारी की शुरुआत में ही बड़ा झटका लगा, जब यशस्वी जायसवाल पहले ओवर की तीसरी गेंद पर खाता खोले बिना असिता फर्नांडो की गेंद पर आउट हो गए।

**श्रीलंकाई गेंदबाजों का अच्छा प्रदर्शन**

राहुल और पडिक्कल ने शुरुआती स्विंग और सीम गेंदबाजी का डटकर सामना करते हुए भारतीय पारी को संभाला। राहुल आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज थे, जबकि शुभमन गिल महज 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। दोनों विकेट प्रभात जयसूर्या ने झटके।

प्रभात जयसूर्या ने 43 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि असिता फर्नांडो ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए।

अब मुकाबले के पांचवें दिन भारतीय गेंदबाजों के सामने श्रीलंका के शेष 6 विकेट जल्दी हासिल करने की चुनौती होगी, जबकि मेजबान टीम को इस कठिन लक्ष्य को हासिल करने के लिए अभी 288 रन और बनाने होंगे। भारतीय टीम ऐतिहासिक जीत और श्रृंखला में 1-0 की बढ़त से सिर्फ 6 विकेट दूर खड़ी है।

# बार्सिलोना के स्टार फुटबालर फेरान अब पीएसजी से खेलते दिखेंगे

मैड्रिड

**विश्वप कप में स्पेन की टीम को जीत दिलाने वाले बार्सिलोना के स्टार फुटबालर फेरान टोरेस अब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से जुड़ सकते हैं। बार्सिलोना अपने फारवर्ड टोरेस को करीब 50 मिलियन यूरो में फ्रांसीसी क्लब को बेचने के लिए तैयार है। इस मामले में दोनों क्लबों के बीच बातचीत पूरी हो गयी और अब केवल जरूरी औपचारिकताएं ही बची हैं।**

बताया जा रहा है कि फेरान का पीएसजी के साथ पांच साल का करार है। इस स्थानांतरण की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए अभी मेडिकल जांच और कुछ कागजी कार्रवाई होनी बाकी है।

गौरतलब है कि टोरेस को जनवरी 2021 में मैनचेस्टर सिटी ने 55 मिलियन यूरो से अधिक की रकम लेकर बार्सिलोना को बेचा था। उसके बाद से ही वह स्पेनिश क्लब के साथ बने हुए हैं। हालांकि, क्लब में उनका सफर हमेशा एक प्रमुख शुरुआती खिलाड़ी के तौर पर नहीं रहा। हांसी फ्लिक के 2024 में टीम की जिम्मेदारी संभालने के बाद, टोरेस को मुख्य रूप से राबर्ट लेवांडोव्स्की के विकल्प के तौर पर सेंटर फारवर्ड की भूमिका में उपयोग किया गया। इसके बावजूद, उन्होंने सीमित अवसरों का पूरा लाभ उठाया भुनाया है और कई मुकाबलों में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर उतरकर टीम के लिए निर्णायक साबित हुए। पिछले दो सत्रों में,

उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 94 मैचों में 40 गोल किए हैं। उनकी गति, गेंद पर नियंत्रण और आक्रमण में कई स्थानों पर खेलने की क्षमता ने उन्हें बार्सिलोना के लिए एक उपयोगी खिलाड़ी बनाए रखा।

टोरेस ने हाल ही में स्पेन की विश्व कप जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। पिछले महीने स्पेन और अर्जेंटीना के बीच हुए विश्व कप फाइनल में उन्होंने अतिरिक्त समय में स्पेन के लिए निर्णायक गोल दागा था, जिससे स्पेन ने दूसरी बार विश्व कप खिताब जीता। राष्ट्रीय टीम के लिए इतनी बड़ी भूमिका निभाने के कुछ ही समय बाद उनका क्लब बदलना फुटबाल जगत में खासा चर्चा का विषय बन गया है। टोरेस ने अपने फुटबाल करियर की शुरुआत वालेंसिया की युवा व्यवस्था से की थी, जिसके बाद वह मैनचेस्टर सिटी और फिर बार्सिलोना का हिस्सा बने। अब पेरिस सेंट-जर्मेन में उनका जाना उनके करियर को एक नई महत्वपूर्ण दिशा दे सकता है। बार्सिलोना के लिए यह फैसला आक्रमण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। राबर्ट लेवांडोव्स्की और मार्कस रैशफोर्ड जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के क्लब से अलग होने के बाद टीम को आगे के मोर्चे पर नए विकल्पों की सख्त जरूरत है, और टोरेस के जाने से यह जरूरत और भी बढ़ जाएगी। मुख्य कोच हांसी फ्लिक को अब आक्रमण में अधिक विकल्प जुटाने पर विशेष ध्यान देना होगा।

## यशस्वी के बदले पंड्या को शामिल कर सकती है रायल्स

**मुम्बई।** बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आईपीएल के अगले सत्र में राजस्थान रायल्स की जगह पर किसी और टीम से खेलते दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि रायल्स यशस्वी को आईपीएल 2027 से पहले रिलीज कर सकता है। ये भी अटकलें हैं कि वह मुंबई इंडियंस के साथ ट्रेड कर आलराउंडर हार्दिक पंड्या को शामिल कर सकता है। ऐसे में यशस्वी मुम्बई के पास चले जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसर राजस्थान प्रबंधन और यशस्वी के बीच मतभेद है। इसका सबसे बड़ा कारण रियान पराग को उनसे पहले कप्तानी सौंपना है। हालांकि, इस पूरे मामले पर रायल्स और यशस्वी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 में यशस्वी ने 16 मैचों में 427 रन बनाए थे, जिसमें उनका औसत 30.50 और स्ट्राइक रेट 152.50 रहा। इस सत्र में वे केवल तीन अर्धशतक ही लगा सके। दूसरी ओर उनके सलामी जोड़ीदार वैभव सूर्यवंशी ने 16 मैचों में 237.30 की स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। जिससे यशस्वी के प्रदर्शन पर किसी का ध्यान नहीं गया। का प्रदर्शन थोड़ा फीका पड़ गया। वहीं रायल्स को इस समय एक तेज गेंदबाजी आलराउंडर की सख्त जरूरत है। पिछले साल भी उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ एक बड़े ट्रेड में संजू सैमसन के बदले सैम करन और रवींद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया था।

# वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स में नजर आयेगे वार्नर, युवराज और डीविलियर्स सहित कई स्टार बल्लेबाज

सिडनी

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज एबी डी विलियर्स और वेस्टइंडीज के आलराउंडर ड्वेन ब्रावो सहित कई दिग्गज क्रिकेटर 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के बीच होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स (डब्लयूसीएल) के तीसरे सत्र में खेलते नजर आयेंगे। ऐसे में प्रशंसकों को एक बार फिर इन बल्लेबाजों का आक्रामक खेल देखने को मिलेगा। चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स लीग से कई पूर्व क्रिकेटरों को एक मंच मिलता है। इस बार बांग्लादेश के महमुदुल्लाह रियाद जैसे खिलाड़ी भी इस लीग में शामिल हो रहे हैं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स का यह तीसरा सत्र है। वहीं लीग के पहले सत्र में इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब जीता था। वहीं, दूसरे सत्र में दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर ट्राफी जीती थी। इस बार टूर्नामेंट में बांग्लादेश चैंपियंस को भी शामिल किया गया है, जिससे टूर्नामेंट में नई टीमों और खिलाड़ियों का प्रवेश होगा होगा और प्रतिस्पर्धा और भी बढ़ने की उम्मीद है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स की ओर से कहा गया है कि दो सफल सत्र के बाद, लीग का तीसरा सत्र अधिक रोमांचक रहने की उम्मीद है। ये सत्र प्रशंसकों को एक अभूतपूर्व अनुभव देने का वादा करता है, जहां क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर अपने पुराने और आकर्षक अंदाज में नजर आएंगे। लीग का लक्ष्य रिटायर हो चुके खिलाड़ियों को एक मंच देना है, जिससे वे खेल के प्रति अपने जुनून को जीवित रख सकें और प्रशंसकों का मनोरंजन कर सकें। लीग के सीईओ हर्षित तोमर ने आगामी सीजन को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, सीजन 3 बहुत खास होने वाला है। इस सत्र का आयोजन इंग्लैंड से बाहर होगा। इस सत्र में क्रिकेट के सबसे बड़े नाम और ऐसे स्टार्स को लेकर आएंगे जिनके बारे में प्रशंसक सोच सकते हैं।

# विश्व कप हिस्सेदारी बेचने की योजना की आलोचना के बाद फीफा ने सीओओ लामूर को हटाया

नई दिल्ली

**विश्व फुटबाल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने अपने मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) केविन लामूर से नाता तोड़ लिया है। यह घटनाक्रम फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो की विश्व कप में हिस्सेदारी निवेशकों को बेचने की योजना की लामूर द्वारा आलोचना किए जाने के बाद सामने आया है। फीफा के कर्मचारियों को संगठन के महासचिव मटियास ग्राफस्ट्रोम की ओर से ईमेल के जरिए इस फैसले की जानकारी दी गई।**

ईमेल में कहा गया कि फीफा और लामूर ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। बीबीसी स्पोर्ट्स के अनुसार, फीफा के प्रवक्ता ने कहा, मुख्य संचालन अधिकारी के रूप में फीफा और केविन लामूर के बीच कार्य संबंध 17 अगस्त 2026 को समाप्त हो गया। फीफा उनकी दो साल की सेवाओं के लिए उनका धन्यवाद करता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।

लामूर का जाना ऐसे समय हुआ है जब उन्होंने इन्फेंटिनो की विश्व कप की हिस्सेदारी निवेशकों को बेचने की योजना पर खुलकर सवाल उठाए थे। योजना को बाद में यूईएफए, एएफसी और कानकाकाफ समेत कई प्रमुख फुटबाल संगठनों की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद इन्फेंटिनो ने छोड़ दिया था।

लामूर ने इस योजना को एक व्यक्ति की परियोजना' करार दिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि इस योजना को लेकर फीफा प्रशासन को गुमराह' किया गया।

उन्होंने कहा था, हमारा मिशन— फीफा के सैकड़ों समर्पित और जुनूनी कर्मचारियों का मिशन—फुटबाल की सेवा करना है। एक अध्यक्ष को लोगों को साथ लाना, एकजुट करना और प्रेरित करना चाहिए। हम इसके विपरीत स्थिति का अनुभव कर रहे हैं।

लामूर ने अपनी नौकरी जाने की संभावित आशंका पर भी स्पष्ट रुख अपनाया था। उन्होंने कहा था, अगर इसका मतलब है कि मैं अपनी नौकरी खो दूंगा, तो ऐसा ही सही। मैं उस फैसले को समझूंगा और उसका सम्मान करूंगा। कम से कम उस रात मैं चैन से सो पाऊंगा।

### यूईएफए, एएफसी और कानकाकाफ ने जताया था विरोध

विश्व कप हिस्सेदारी बेचने की योजना को लेकर यूईएफए, कानकाकाफ और एएफसी ने भी फीफा पर गंभीर आरोप लगाए थे। तीनों संगठनों ने संयुक्त बयान में इसे विश्वास का बुनियादी उल्लंघन' और धोखे' का मामला बताया था।

संयुक्त बयान में कहा गया था कि मामला केवल किसी योजना का नहीं, बल्कि खेल की गरिमा और उसे चलाने के लिए चुने गए लोगों की ईमानदारी' से जुड़ा है। संगठनों ने यह भी कहा था कि फुटबाल में नेतृत्व किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं है, बल्कि यह पूरे फुटबाल परिवार की सेवा करने की जिम्मेदारी है। उनके अनुसार, जब धोखे के जरिए भरोसा तोड़ा जाता है और कोई व्यक्ति उस सामूहिक संस्था से ऊपर खुद को रखता है जिसने उसे अधिकार सौंपा है, तो नेतृत्व की जिम्मेदारी का त्याग हो जाता है।

# अन्नदान से जग रही मानवता, सेवा को समर्पित राधे-राधे ग्रुप

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय एवं जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि भूखे को भोजन कराना सबसे पुनीत सेवा कार्यों में से एक है। अन्नदान के माध्यम से किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानवता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद नियमित रूप से विभिन्न सेवा केंद्रों पर अन्नदान के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्ग तक भोजन पहुंचाने का कार्य कर रहा है। सदस्यों ने कहा कि सेवा का यह क्रम केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने का प्रयास है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य है कि सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़े और अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंच सके।

**सिकंदराबाद में रामेश्वरलाल व्यास, ओम पांडिया, सुनील उपाध्याय, पूर्व पैनल एवं समाजबंधुओं की सहमति से सिखवाल समाज की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें नटवरलाल व्यास को अध्यक्ष, भागीरथ पांडिया को मंत्री, आनंद ओझा को उपाध्यक्ष, मुकेश पांडिया को कोषाध्यक्ष एवं कमल पांडिया को सहमंत्री निर्विरोध घोषित किया गया।**

**राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा मैदानखाँ चौक में संचालित राजस्थानी चैरिटेबल पॉली क्लिनिक की 26वीं वर्षगांठ पर अस्पताल के प्रबंधक गोपाल व्यास व बृजगोपाल राठी को उनकी सेवा के लिए शुभकामनाएं प्रदान की गई, साथ ही सभा द्वारा डॉ. सुरेश कुमार एवं डॉ. बंजरंग प्रसाद माथुर को शॉल व माला द्वारा सम्मान करते हुए रामदेव नागला, सुरेश कुमार व्यास पारीक व अन्य।**

**जलसा होटल में केन्द्रीय महिला मंडल की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर महिलाओं ने देशभक्ति गीतों के साथ भगवान श्रीकृष्ण के भजन प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक संयोजिका श्रीमती सपना विमल गुप्ता ने महिलाओं को राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में सत्यम, रचना, सैफाली, सरिता, भावना, अमिता, सीता एवं प्रीति सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।**

# 'सेवा परमो धर्म' संस्था ने 300 स्कूली बच्चों को बांटी पुस्तकें व स्टेशनरी

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत 'सेवा परमो धर्म' संस्था की ओर से सेंट बनवारी लाल गवर्नमेंट हाई स्कूल, रेजिडेंशियल बाजार, सिकंदराबाद में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय में अध्ययनरत 300 विद्यार्थियों को 600 पुस्तकें वितरित की गईं। इसके साथ ही बच्चों को पेन, पेंसिल, रबर सहित आवश्यक स्टेशनरी सामग्री भी प्रदान की गई।

पुस्तकें एवं अध्ययन सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। विद्यालय के शिक्षकों ने संस्था के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के साथ उनमें पढ़ने की रुचि भी बढ़ाती है।

कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर भावना जैन एवं मीना गुलचा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा संस्था की सेवा भावना की सराहना की।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि 'सेवा परमो धर्म' का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों तक शिक्षा से जुड़ी आवश्यक सामग्री पहुंचाकर उनके उज्ज्वल भविष्य में सहयोग करना है।

# बी.फार्मेसी विद्यार्थियों ने एनआईआईएमएच का किया शैक्षणिक दौरा

**हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मेडचल-मलकाजगिरी जिले के केसर मंडल स्थित गीतांजलि फार्मेसी कॉलेज के द्वितीय वर्ष के बी.फार्मेसी विद्यार्थियों ने गड्डिअन्नारम स्थित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान का शैक्षणिक दौरा किया। कॉलेज प्रबंधन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित इस दौरे का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय चिकित्सा परंपरा, अनुसंधान और चिकित्सा विरासत की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।

संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद ने विद्यार्थियों को संस्थान की गतिविधियों तथा विभिन्न ऑनलाइन चिकित्सा पोर्टलों की जानकारी दी।

शोध अधिकारियों ने संस्थान में चल रहे अनुसंधान कार्यक्रमों से अवगत कराया। डॉ. टी. साकेत राम ने भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी दी, जबकि डॉ. संतोष माने ने चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, बसवराजीयम् और अष्टांग संग्रह जैसे प्राचीन ग्रंथों से विद्यार्थियों को परिचित कराया।

विद्यार्थियों ने चिकित्सा विरासत संग्रहालय में प्राचीन चिकित्सा उपकरणों, ऐतिहासिक नमूनों तथा दुर्लभ पांडुलिपियों का अवलोकन किया। कॉलेज प्रबंधन ने कहा कि यह शैक्षणिक यात्रा विद्यार्थियों में अनुसंधान के प्रति रुचि बढ़ाने और फार्मेसी क्षेत्र की व्यावहारिक समझ विकसित करने में उपयोगी साबित होगी।

कार्यक्रम में डॉ. श्रीदेवी, डॉ. बिश्वरंजन दास, डॉ. अक्षय, वर्षा कुमारी, श्रीनिवास राव, मुरली मनोहर सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# मारवाड़ी प्रगति समाज ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

मंचेरियाल, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मारवाड़ी प्रगति समाज की ओर से ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज के वरिष्ठ नागरिक सत्यनारायण उपाध्याय ने ध्वज-ारोहण कर तिरंगे को सलामी दी।

इस अवसर पर मारवाड़ी प्रगति समाज के अध्यक्ष श्याम सुंदर बलदवा, सचिव प्रेमराज अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष ओम तिवारी सहित समाज के सदस्य, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात समाजजनों के बीच मिठाई का वितरण किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने देश की एकता, अखंडता एवं स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

# श्री विजय शंकर महाराज की शोभायात्रा व सप्तम कांवड़ यात्रा भव्य रूप से आयोजित

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर की ओर से श्रावण महोत्सव के तहत भगवान श्री विजय शंकर महाराज की भव्य शोभायात्रा एवं सप्तम कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 101 कांवड़ियों ने भाग लिया। शोभायात्रा ऋषि श्रृंग भवन से प्रारंभ होकर श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा स्थित श्री विजय शंकर महाराज के शिवालय पहुंची।

प्रातः 10:31 बजे ऋषि श्रृंग भवन में श्री विजय शंकर महाराज की आरती एवं 101 कांवड़ों की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान भवन स्वजातीय बंधुओं एवं शिवभक्तों से खचाखच भरा रहा। शोभायात्रा के साथ कांवड़ यात्रा भी प्रारंभ हुई। मार्गभर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

शोभायात्रा में विभिन्न झांकियों के साथ हाथी, घोड़े और श्री विजय शंकर महाराज की पालकी आकर्षण का केंद्र रही। बड़ी संख्या में बालक-बालिकाओं ने एक जैसी पोशाक में भाग लेकर शोभायात्रा की भव्यता बढ़ाई। ऋषि श्रृंग भवन से शुरू हुई यात्रा ऋषि श्रृंग मार्ग, वंदे मातरम् स्कूल, मजदूर अड्डा, बेगम बाजार छतरी, किराना मार्केट, स्वास्तिक मिर्ची, बर्तन बाजार, जोधपुर स्वीट, रंगाचारी रोड और आर्यन स्पोर्ट होते हुए शाम करीब 5 बजे श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा पहुंची।

मार्ग में जगह-जगह स्वजातीय बंधुओं एवं शिवभक्तों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। ऋषि श्रृंग भवन से लेकर श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा तक पुष्पवर्षा होती रही और पूरा मार्ग फूलों से सज गया।श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में भगवान श्री विजय शंकर महाराज का रुद्राभिषेक कर आकर्षक श्रृंगार किया गया। शाम 6 बजे महाआरती के बाद धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

आयोजन समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से तन, मन और धन से सहयोग करने वाले सभी समाजबंधुओं तथा शिवभक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा, आदर्श जायलवाल, धीरज उपाध्याय, दीपक उपाध्याय, लक्ष्मीनारायण व्यास, दामोदर तिवारी, जगदीशप्रसाद कोलरिया, रामचंद्र तिवारी, अमरचंद जायलवाल, रामदयाल ओझा, अनिल जायलवाल, जगदीशप्रसाद उपाध्याय (गोभक्त), कन्हैयालाल ओझा, रामदेव व्यास (डोन), नीरज उपाध्याय, महेंद्र पांडिया, नारू पांडिया, सिद्धार्थ उपाध्याय (नोनचु), नटवरलाल व्यास, कमल किशोर पांडिया, भागीरथ पांडिया, रामकुमार उपाध्याय, श्रीराम उपाध्याय, हंसराज तिवारी, कमल पांडिया, देवराज पुरोहित, निरंजन तिवारी, लक्ष्मीनारायण ओझा, रामकुमार तिवारी, श्रीवल्लभ पांडिया, भागीरथ तिवारी, विनोद पांडिया, गौतम उपाध्याय, सूरज व्यास, सुरेश तिवारी, विशाल उपाध्याय, श्रीराम व्यास (अमलदार), विष्णु पांडिया, सतवीर उपाध्याय, दिनेश उपाध्याय, सत्यनारायण व्यास (भाउसाब), जुगल व्यास, मुकेश व्यास, विष्णु तिवारी, नरेश पांडिया, दीपक उपाध्याय, हंसराज उपाध्याय, संजय व्यास, अज्जू वैष्णव, विनोद व्यास, रामनारायण पांडिया, रामदेव व्यास, भगवान व्यास (छतरिया), मुकेश व्यास (निंबेडा), सिलु उपाध्याय, गोपाल कृष्ण तिवारी, रितेश ओझा, श्रीवल्लभ उपाध्याय, श्रीराम पांडिया, मुकन ओझा एवं सोनू तिवारी सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### जैन...

सत्येंद्र कुमार जैन की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। एक ओर आम आदमी पार्टी इसे राजनीतिक प्रतिशोध और फर्जी मामला बता रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ जवाबदेही से जोड़ रही है। कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी की कार्यशैली और उसके भ्रष्टाचार विरोधी दावों पर सवाल उठाए हैं।

### घी में ...

इसलिए बिना आधिकारिक सूची के किसी खास इलाके या दुकान का नाम जोड़ना उचित नहीं होगा।

पुलिस के अनुसार, कुछ उत्पादों पर अनिवार्य लेबल संबंधी जानकारी जैसे एफएसएसएआई लाइसेंस, बैच/लॉट नंबर, निर्माण या पैकिंग तारीख और उपयोग/समाप्ति तिथि नहीं होने की बात भी सामने आई। इन मामलों में आगे की कार्रवाई खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच और प्रयोगशाला रिपोर्ट के आधार पर होगी।

वीसी सज्जनार ने उपभोक्ताओं से प्रतिष्ठित और लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही घी खरीदने तथा पैकेट की सील, निर्माता की जानकारी और एफएसए-सएआई लाइसेंस की जांच करने की अपील की है। संदिग्ध खाद्य मिलावट की सूचना पुलिस के 112 नंबर या एच-फ़ास्ट हेल्पलाइन 8712661212 पर दी जा सकती है।

कानूनी तौर पर फिलहाल आरोपियों को 'मिलावटी घी बनाने-बेचने के आरोपी' कहना अधिक उचित होगा, 'अपराधी' नहीं, क्योंकि जब्त नमूनों की प्रयोगशाला जांच और आगे की कानूनी प्रक्रिया अभी जारी है।

### तारिक का...

न ही सरकार ने भारत-विरोधी बयानबाजी की है। फिर भी भारत का रवैया वैसा ही बना हुआ है, जैसा पिछली सरकार के समय था।

सूत्रों ने बांग्लादेशी नागरिकों के लिए भारत द्वारा पर्यटक वीजा बहाल करने में हुई देरी का भी जिक्र किया। सूत्रों के अनुसार, जब वीजा बहाल किए गए तो उन्हें लंबी अवधि के वीजा वाली पुरानी व्यवस्था के तहत जारी नहीं किया गया।

**ढाका की दो टूकसिर्फ दिखावटी पहल नहीं**

बांग्लादेश की ओर से लगातार यह संकेत दिया जा रहा है कि वह भारत के साथ संबंधों को सामान्य और मजबूत बनाना चाहता है, लेकिन इसके लिए दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली और सकारात्मक राजनीतिक माहौल जरूरी है। इसी के साथ ढाका ने एक बार फिर शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग दोहराते हुए इस मुद्दे को भी भारत-बांग्लादेश संबंधों के अहम पहलुओं में शामिल कर दिया है।

### बांग्लादेश में ...

रिपोर्ट में हाल में हुए रेड-4 आतंकी हमले से जुड़े समूह के पीछे बताए जा रहे लोगों का भी जिक्र किया गया है।

**संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का दिया हवाला**

जायसवाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की निगरानी समिति की रिपोर्ट में उन तत्वों और व्यक्तियों की गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की गई है, जिनके संबंध अल-कायदा और अन्य आतंकी गतिविधियों से बताए गए हैं।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद और सुरक्षा के मुद्दे किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका प्रभाव पूरे क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर पड़ता है। ऐसे में इस चुनौती का सामना सामूहिक प्रयासों और सहयोग से किया जाना जरूरी है।

बांग्लादेश में आतंकवाद के संभावित बढ़ते खतरे को लेकर हाल के दिनों में सवाल उठते रहे हैं। 5 अगस्त को शेख हसीना और उनकी पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उनके बेटे ने भी आशंका जताई थी कि बांग्लादेश आतंकवाद के प्रभाव की ओर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने देश में बदलती परिस्थितियों और सुरक्षा से जुड़े संभावित खतरों को लेकर चिंता व्यक्त की थी।

**आतंकवाद साझा चुनौती**

भारत और बांग्लादेश के बीच आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बातचीत के सवाल पर रणधीर जायसवाल ने कहा कि आतंकवाद सभी के लिए साझा समस्या है। उन्होंने कहा, आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़े मामले सभी के लिए चिंता का विषय होने चाहिए, क्योंकि यह हम सभी के लिए एक साझा समस्या है। हमें इस समस्या से मिलकर लड़ना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि इसमें उन लोगों का विशेष रूप से जिक्र किया गया है, जो रेड-4 आतंकी हमले से जुड़े बताए गए हैं।

**गतिविधियों पर जताई गई चिंता**

भारत का कहना है कि आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी देशों के बीच सहयोग जरूरी है। भारत ने स्पष्ट किया है कि आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का प्रभाव सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, इसलिए इनके खिलाफ प्रभावी और समन्वित कार्रवाई के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा।

### झटके में ...

एक अभ्यर्थी ने कहा, कल तक हम सचिवालय कर्मी थे, आज सड़क पर खड़े हैं। सरकार का यह फरमान तुगलकी है।

अभ्यर्थियों ने सरकार से फैसले पर पुनर्विचार करने और उनकी बात सुनने की मांग की है। उनका कहना है कि जिन लोगों ने गलत तरीके से नौकरी हासिल की है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन सभी सफल अभ्यर्थियों को एक साथ नौकरी से हटाना उचित नहीं है। संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा को लेकर सरकार के फैसले ने हजारों अभ्यर्थियों और उनके परिवारों के सामने असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है। नौकरी कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने बेहतर भविष्य की उम्मीद में पहले की नौकरियां छोड़ी थीं और अब अचानक बेरोजगार होने से उनके सामने परिवार चलाने की चुनौती खड़ी हो गई है।

### ट्रंप का...

इन्हें कुचले हुए क्वाट्र्ज या सिलिका को रेजिन, रंगद्रव्य और अन्य सामग्रियों के साथ मिलाकर बनाया जाता है। इसके बाद इस मिश्रण को दबाकर और पॉलिश करके टिकाऊ तथा गैर-छिद्रयुक्त स्लैब का रूप दिया जाता है।इनका बड़े पैमाने पर रसोई के काउंटरटॉप, स्नानघर की वैनिटी, फर्श और दीवारों की क्लैडिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। भारत में इनका उत्पादन मुख्य रूप से गुजरात, राजस्थान और तेलंगाना में होता है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में भी इस क्षेत्र की अतिरिक्त विनिर्माण क्षमता मौजूद है।ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख भारतीय निर्यातकों में पोकरना इंजीनियर्ड स्टोन शामिल है, जो अपने उत्पादों को क्वांट्रा ब्रांड के तहत बेचती है। इसके अलावा मारुधर क्वाट्र्ज सरफेसेस, कलिंगास्टोन से जुड़ी कंपनियां, एआरओ ग्रेनाइट इंडस्ट्रीज, पैसिफिक क्वाट्र्ज सरफेसेस, कैमरोला क्वाट्र्ज, एस्प्रिट स्टोन्स, माही ग्रेनाइट्स, केरोस स्टोन और क्वाट्र्जक्राफ्ट भी प्रमुख निर्यातकों में शामिल हैं।

भारत का कहना है कि अमेरिकी सुरक्षा उपाय से उसके व्यापारिक हित प्रभावित हो सकते हैं। इसी को देखते हुए भारत ने विश्व व्यापार संगठन के समक्ष अमेरिकी कार्रवाई से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने और इस मुद्दे पर द्विपक्षीय चर्चा करने की मांग की है।

अब इस मामले में भारत और अमेरिका के बीच होने वाली संभावित बातचीत पर नजर रहेगी। दोनों देशों के बीच वार्ता में भारतीय निर्यातकों के हितों और अमेरिकी सुरक्षा शुल्क के प्रभाव पर चर्चा होने की संभावना है।

### ब्रिटेन-पाक...

हालांकि, पाकिस्तान का कहना है कि शाबिर ने अपना अधिकांश जीवन ब्रिटेन में बिताया, वहीं उसका पालन-पोषण हुआ और वहीं उसने अपराध किए। ऐसे में उसकी जिम्मेदारी भी ब्रिटेन को ही उठानी चाहिए।

ब्रिटेन की कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि यदि पाकिस्तान शाबिर अहमद को वापस लेने से इनकार करता है तो ब्रिटिश सरकार पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा पर सख्ती कर सकती है। कुछ रिपोर्टों में पाकिस्तान को दी जाने वाली आर्थिक सहायता घटाने की भी बात कही गई है।

हालांकि, ब्रिटेन की ओर से इन कदमों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन पाकिस्तानी अधिकारियों ने इसे लेकर नाराजगी जताई है।

'डेली टेलीग्राफ' से बातचीत में एक अधिकारी ने कहा कि यदि वीजा और आर्थिक मदद को दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया, तो इससे दोनों देशों के रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 19 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ की 29वीं कांवड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

## 1,251 कांवड़धारियों ने धारण की कांवड़, 4 से 85 वर्ष तक के श्रद्धालु हुए शामिल; चारमीनार से चंपापेट तक गूंजे 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयकारे

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयकारों से रविवार को हैदराबाद का माहौल शिवमय हो गया। भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ की 29वीं ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा चारमीनार स्थित श्री महादेव मंदिर से भव्य रूप से निकाली गई। यात्रा में 1,251 कांवड़धारी और 11 बाल कांवड़धारी शामिल हुए। विशेष बात यह रही कि यात्रा में 4 वर्ष से लेकर 85 वर्ष तक की उम्र के श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और भक्ति के साथ भाग लिया।

चारमीनार स्थित श्री महादेव मंदिर में सुबह पूजा-अर्चना के बाद बाबा के भजनों और विभिन्न आकर्षक झांकियों के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने कांवड़ धारण कर भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए यात्रा में भाग लिया।

**चारमीनार से चम्पापेट तक निकली भव्य यात्रा**

कांवड़ यात्रा चारमीनार से गुलजार हाउस, घांसी बाजार, सिटी कॉलेज, भू-लक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार, बर्तन बाजार, सिद्दिअम्बर बाजार, चादरघाट और मलकपेट होते हुए चंपापेट स्थित मिनर्वा गार्डन फंक्शन हॉल पहुंची। यात्रा का पहला पड़ाव जामबाग स्थित वी.वी. फंक्शन हॉल में अल्पाहार के लिए हुआ। दूसरा पड़ाव ग्रैंड इम्पीरियल फंक्शन हॉल, चादरघाट में दोपहर के भोजन के लिए रखा गया। इसके बाद मिनर्वा गार्डन फंक्शन हॉल में यात्रा का विश्राम हुआ।

**जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत**

मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं, परिवारों और श्रद्धालुओं ने कांवड़ यात्रा का भव्य स्वागत किया। चारकमान स्थित मदन भवन पर मैढ़ स्वर्णकार समाज तेलंगाना कांवड़ समिति, पुष्पा नर्सिंग होम पर देवकीनंदन रमेशचंद्र कड़ेल परिवार, रिकाबगंज मामा जुमला फाटक पर गोसेवा मित्र मंडल, खोखरवाड़ी पर अग्रवाल समाज रिकाबगंज शाखा और घांसी बाजार एम.बी. टॉवर पर श्री वीर हनुमान भक्त मंडल एवं कान्यकुब्ज ब्राह्मण समिति, महावीर दल तथा नितेश अग्रवाल घांसी बाजार भाजपा टीम ने स्वागत किया।

सिटी कॉलेज पर दिनेश कुमार फैमिली एंड फ्रेंड्स, कुली कुतुबशाह स्टेडियम पर हरिओम पॉली क्लीनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर, भू-लक्ष्मी माता मंदिर पर बाबू गुरु डायग्नोस्टिक सेंटर, बेगम बाजार पर देवी सिंह इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज के डॉ. रंजीत सिंह, माता मंदिर मुक्तियारगंज पर अग्रवाल परिवार, गोल्डन प्रेस गौलीगुड़ा चमन पर मैढ़ क्षत्रीय स्वर्णकार समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद, तिलक रोड पर अग्रवाल समाज हैदरगुड़ा शाखा परिवार, बालाजी रतनलाल मिठाई भंडार, काचीगुड़ा पर अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा ने भी यात्रा का स्वागत किया।

रामकोट चौराहा पर मां बन भंवरी परिवार, भाग्यनगर, निम्बोली अड्डा मारवाड़ी गली में रमेश चंद्र असावा परिवार, अग्रवाल समाज तेलंगाना मलकपेट महिला शाखा एवं युवा मोर्चा शाखा, कोणार्क डायग्नोस्टिक सेंटर, शिव-गंगा टॉकीज रोड पर मूर्ति कलाकार लाखन सिंह ठाकुर परिवार, शिवगंगा थिएटर तथा राम सेवा समिति ट्रस्ट दिलसुखनगर के विजय कुमार अग्रवाल सहित अनेक संस्थाओं और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया।

यात्रा में हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, भाजपा तेलंगाना के महासचिव चन्द्रशेखर तिवारी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचन्दर राव, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी सी.एन. गोपीनाथ रेड्डी, मल्काजगिरी पुलिस आयुक्त बी. सुनीति, एल.बी. नगर डीसीपी बी. अनुराधा, भाजपा वरिष्ठ नेता डॉ. भगवंत राव, महेश बैंक के उपाध्यक्ष गोविन्द नारायण राठी, चारमीनार भाग्यलक्ष्मी मंदिर की शशिकला मिश्रा, बीआरएस नेता शांति देवी और एसीपी चंद्रशेखर आदि का संघ के पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

मिनर्वा गार्डन में विशेष रूप से गंगाजल आरती की गई। इसके बाद शिव भंडारा और शिव महा जागरण का आयोजन हुआ। शिव महा जागरण में गायक राजू मुरारी दाहिमा ने भजनों की प्रस्तुति दी।प्रयागराज की रिया प्रिया नृत्य मंडली ने आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कीं, जिन्हें श्रद्धालुओं ने खूब सराहा। झांकियों और भजनों के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

**गंगाजल से हुआ भगवान शिव का अभिषेक**

सोमवार, 17 अगस्त को सरूरनगर स्थित श्री उमा महेश्वर स्वामी देवस्थानम् में कांवड़ियों द्वारा हरिद्वार की हर की पौड़ी से लाए गए पवित्र गंगाजल से ब्रह्म मुहूर्त में भगवान शिव का अभिषेक किया गया।

कार्यक्रम में कांवड़ यात्रा के प्रमुख सहयोगी श्री बालाजी भक्त मंडल हैदराबाद, कुंजलाल सुरेश कुमार डाकोतिया, रामस्वरूप दास विश्वनाथ अग्रवाल, अग्रवाल समाज अमीरपेट शाखा, रघुनाथमल नरेंद्र कुमार गोयल, रामकिशन धीरज अग्रवाल, कन्हैयालाल सुनील कुमार अग्रवाल, बजरंगलाल विष्णु कुमार केड़िया, सुभाषचंद बंसल, ताराचंद अग्रवाल, जीवनलाल-कैलाश देवी अग्रवाल, रमेशचंद संजीव कुमार गर्ग, राजकुमार रिटोलिया, पुनीत गनेरीवाल, महेश गोयल, डॉ. आलोक शुक्ला, मोती सिंह राजपुरोहित, बंसल बंधु चिटफंड्स, चिरंजीलाल दिलीप कुमार अग्रवाल, पवन कोठारी, श्री तरसेम सेवा समिति, श्री राज मित्र मंडल मल्लापुर, गणपतलाल जगदीश प्रसाद वर्मा, राजेश कुमार मोहित गुप्ता, देवकीनंदन रमेशचंद कड़ेल, अनिल किशोर अभिनव अग्रवाल, कुणाल गोयल, सीताराम राजेश कड़ेल ने सहयोग दिया।

इसके अलावा विशेष सहयोगी संस्था भाग्यनगर शिवभक्त मंडल तेलंगाना, अरिहंत बैद जैन, कौशिक अग्रवाल, शरद वर्मा, कृष्णा अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, मुरली मोहन गुप्ता, श्याम अग्रवाल, संदीप टोरका, आदित्य अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, चाहना गोयल, नितिन रूंगटा, ऋषि अग्रवाल, अंकित कानोडिया, रमेश बसईवाले, अनुराग अग्रवाल, नवीन खिटनिया, शुभांग अग्रवाल, पवित्र अग्रवाल, भरत सोनी, हरिकिशन मायछ, दीपक अग्रवाल, पवन अग्रवाल, बृजगोपाल कड़ेल, गोविन्द सोनी, रामगोपाल अग्रवाल, योगेश जाखोटिया, संदीप गोयल, उमेश सोनी, नितेश अग्रवाल, संजय पित्ती, विनय सोनी, सात्विक गुप्ता, पवन दास, धीरज चोपड़ा, विपिन केड़िया, रितेश जगनानी, राजेश कड़ेल, भाग्यलक्ष्मी बैंगल्स और सुरेश बंसल ने भी सहयोग प्रदान किया।

**पदाधिकारियों ने संभाली आयोजन की जिम्मेदारी**

कार्यक्रम का संचालन नंदगोपाल भट्टड़ ने किया। भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ के अध्यक्ष मांगेराम तायल, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष चम्पालाल बैद, महामंत्री कमलकिशोर मालाणी, सह-मंत्री ललित कड़ेल, महिला अध्यक्ष रूबी मिश्रा, उपाध्यक्ष मीनू गुप्ता, यात्रा संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल, सुरेश जगनानी, विजय कुमार अग्रवाल, प्रचार मंत्री नंदगोपाल भट्टड़, सह-प्रचार मंत्री पंकज वर्मा, यात्रा प्रबंधक ओमप्रकाश अग्रवाल, मनीष किकाण, अभिनव अग्रवाल, भरत अग्रवाल, कुणाल गोयल, भरत छाबरिया तथा महिला समिति की पुष्पा वर्मा ने सहयोग प्रदान कर यात्रा को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

# सहस्र मोदक एवं 51 नारिकेल अष्टद्रव्य महागणपति हवन 20 सितंबर को

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्वविजय मित्र मंडल के तत्वावधान में आगामी 20 सितंबर 2026, रविवार को फीलखाना, बेगम बाजार स्थित बॉम्मेरलू कॉम्प्लेक्स (वानर सेना गणपति) में सहस्र मोदक एवं 51 नारिकेल अष्टद्रव्य महागणपति हवन का भव्य आयोजन किया जाएगा। धार्मिक अनुष्ठान का उद्देश्य युवा पीढ़ी को सद्मार्ग की ओर प्रेरित करते हुए जनकल्याण की भावना को मजबूत करना है।

आयोजकों के अनुसार शास्त्रों में सहस्र मोदक से गणपति पूजन एवं हवन का विशेष महत्व बताया गया है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न वैदिक एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8:21 बजे गणपति वंदना एवं प्रार्थना से होगा। इसके बाद गणपति पूजन, पुण्याहवाचन, कलश स्थापना, मंडल दर्शन, नवग्रह पूर्व कलश स्थापना, महागणपति उपनिषद महाभिषेक, पुष्प अलंकार, नारिकेल अष्टद्रव्य सहित सहस्र मोदक हवन, पूर्णाहुति, महाआरती एवं वेद आशीर्वाद वचन संपन्न होंगे।

यह संपूर्ण अनुष्ठान बेंगलुरु से पधार रहे आचार्य अभिजीत उपाध्याय एवं प्रसाद भट्ट सहित आठ ब्राह्मणों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया जाएगा।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विश्वविजय मित्र मंडल के सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। मंडल के प्रमुख सदस्यों में सूरज व्यास, विक्रम उपाध्याय, राहुल उपाध्याय (पुरुषोत्तम), गौतम व्यास, कार्तिक व्यास, लड्डू गोपाल व्यास, हनुमान प्रसाद व्यास, द्वारका व्यास, देवेंद्र उपाध्याय (संदीप), कमल पांडिया, भागीरथ पांडिया, हंसराज तिवारी, निरंजन तिवारी, गौतम तिवारी, देवराज पुरोहित, जगदीश खरे, दर्शन पारीक, संतोष कुमार, दर्शन ओझा, जयकिशन उपाध्याय, कृष्ण उपाध्याय एवं दीपक व्यास शामिल हैं।

मंडल ने श्रद्धालुओं से इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर महागणपति भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया है। साथ ही इच्छुक श्रद्धालुओं से यजमान बनने एवं आयोजन संबंधी अधिक जानकारी के लिए समिति के सदस्यों से संपर्क करने की अपील की गई है।

# प्रेस क्लब फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन राज्यपाल करेंगे

**हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

हैदराबाद में दो दिवसीय प्रेस क्लब्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल करेंगे।

मंगलवार को लोक भवन में प्रेस क्लब हैदराबाद के महासचिव रमेश वरिकुप्पला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की। राज्यपाल ने इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन के उद्घाटन भोज में शामिल होने की सहमति दी।राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया की प्रवृत्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों और पत्रकारों के कामकाज पर संदेश देंगे। प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष ए. राजेश, संयुक्त सचिव चिलुकूरी हरिप्रसाद, वर्धिल्ली बापूराव, कोषाध्यक्ष रमेश वैट्ला, कार्यकारिणी सदस्य एन. श्रीनिवास रेड्डी आदि ने राज्यपाल से मुलाकात कर निमंत्रण पत्र सौंपा। इस अवसर पर हैदराबाद प्रेस क्लब की डायरी भी भेंट की गई और फूलों का पौधा देकर उनका स्वागत किया गया।इस माह की 21 तारीख को ताज कृष्णा होटल में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन के उद्घाटन भोज में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। देश के विभिन्न हिस्सों से वरिष्ठ पत्रकार प्रेस क्लब्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के इस दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लेंगे।

# पुराने शहर में पांच कोबरा सांपों का रेस्क्यू

### *नाग पंचमी पर जीएचएसपीसीए और पीएफए स्वयंसेवकों का अभियान जारी, 35 स्वयंसेवक जुटे*

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। नाग पंचमी 2026 के अवसर पर ग्रेटर हैदराबाद सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (जीएचएसपीसीए) और पीपल फॉर एनिमल्स (पीएफए) के स्वयंसेवकों ने पुराने शहर में रेस्क्यू एवं जन-जागरूकता अभियान के तहत पांच कोबरा सांपों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। इनमें तीन कोबरा शालीबंडा और दो मुगलपुरा क्षेत्र से रेस्क्यू किए गए।

स्थानीय नागरिकों के सहयोग से सांपों को सुरक्षित पकड़ा गया। स्वयंसेवकों ने बताया कि लोगों में जागरूकता बढ़ रही है और वे सांपों को नुकसान पहुंचाने के बजाय रेस्क्यू टीम को सूचना दे रहे हैं।

रेस्क्यू किए गए पांचों कोबरा की विश्वास पेट क्लिनिक में डॉ. विश्व चैतन्य ने चिकित्सकीय जांच कर आवश्यक उपचार किया। जांच के बाद दो कोबरा को प्रकृति में वापस छोड़े जाने के लिए स्वस्थ पाया गया, जबकि दो कोबरा को करीब 10 दिन तक उपचार एवं निगरानी में रखा जाएगा। एक कोबरा की स्थिति गंभीर बताई गई है और उसका उपचार जारी है।

पशु चिकित्सकों की सलाह एवं सांपों की स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार सभी को उपयुक्त प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ा जाएगा।

हैदराबाद शहर में करीब 35 स्वयंसेवक नाग पंचमी के अवसर पर सांप रेस्क्यू एवं जन-जागरूकता अभियान में सक्रिय हैं। अभियान आगे भी जारी रहेगा। संगठन ने सांपों की जान बचाने में सहयोग करने वाले स्वयंसेवकों और नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अभियान में सौधर्म भंडारी, डी. जोशी, सुरेंद्र भंडारी, सिद्धुम भंडारी, ताकी अली, अक्षय, धार्मिक, धारा जैन, अक्षत जैन, सुनील, शिवा, अजय, पीयूष, यश, श्रीकांत, फराज, दिनेश अंचलिया, प्रणव जैन, संजय जैन एवं भावेश सहित अन्य जीए-चएसपीसीए और पीएफए स्वयंसेवक शामिल रहे।

संगठनों ने नागरिकों से अपील की कि सांप दिखाई देने पर उसे पकड़ने या नुकसान पहुंचाने का प्रयास न करें और प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम को सूचना दें। उन्होंने कहा कि सांप पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं तथा उनके संरक्षण के लिए जागरूकता और करुणा जरूरी है।

**सोमवार को श्रावण मास के तीसरे सोमवार एवं नाग पंचमी के शुभ अवसर पर श्रीशैलम पहुंचे कांग्रेस नेता एन.के. सिंह ने अपनी पत्नी के साथ सर्वप्रथम साक्षी गणपति जी के दर्शन किए। इसके पश्चात उन्होंने मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, गणेश जी एवं नाग देवता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर श्रीमती मालती देवी, मनोहर सिंह, आशुतोष सिंह और शीतल सिंह भी भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लेने पहुंचे।**

# भूखे तक भोजन पहुंचाना ही सच्ची मानव सेवा : कमल मूंदड़ा

**हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक पर नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा, करुणा और मानवता का संदेश दिया गया।इस अवसर पर कमल मूंदड़ा ने कहा कि भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना सबसे बड़ी मानव सेवा है। अन्नदान केवल भोजन देने का कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन में अपनत्व और संवेदना का संचार करने वाली सेवा है। समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के माध्यम से सेवा की जो परंपरा निरंतर आगे बढ़ाई जा रही है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। सेवा कार्यों से समाज में आपसी सहयोग, संवेदना और मानवता की भावना मजबूत होती है।कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भावारलालजी गुप्ता, उमाकांतजी गुप्ता, प्रमोद गुप्ता एवं कमल मूंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

**तेलंगाना-आंध्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष पद पर दूसरी बार मनोनीत होने पर श्री कैलाशजी डालिया का शाल एवं मोती की माला पहनाकर सम्मान करते हुए श्रीनिवास सोमाणी, अध्यक्ष, राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद।**

# 22-ए विवाद ने बढ़ाई तेलंगाना की सियासी तपिश, सरकार और विपक्ष आमने-सामने

## एक करोड़ एकड़ जमीन को प्रतिबंधित सूची में डालने के आरोपों से मचा हड़कंप

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में 22-ए प्रतिबंधित संपत्तियों की सूची को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। जमीनों और संपत्तियों को प्रतिबंधित सूची में शामिल किए जाने के मुद्दे पर सरकार और विपक्ष आमने-सामने हैं। एक ओर विपक्ष इसे बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और कथित आर्थिक लेनदेन से जोड़कर सरकार पर सवाल उठा रहा है, वहीं सरकार की ओर से मामले की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई का संकेत दिया गया है।

मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने 22-ए प्रतिबंधित सूची के पीछे किसी साजिश की आशंका जताई है। उनका कहना है कि कांग्रेस सरकार को बदनाम करने की साजिश हो सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे मामले की व्यापक जांच कराई जाएगी और दोषी चाहे कोई भी हो, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इधर राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने 22-ए विवाद को लेकर कलेक्टरों को जिम्मेदारी तय करने के संकेत दिए। उन्होंने मेड्चल, रंगारेड्डी, संगारेड्डी और हैदराबाद के कलेक्टरों से कहा कि जमीनों के प्रतिबंधित सूची में जाने की समस्या का समाधान भी वे ही तलाशें। मंत्री ने यह भी टिप्पणी की कि भोजन भी एक सीमा तक ही खाना चाहिए, ज्यादा खाने पर वह जहर बन जाता है। उनकी यह टिप्पणी कथित रिश्वतखोरी के संदर्भ में चर्चा में रही।

इधर विपक्ष ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर सीधे निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि राज्यभर में करीब एक करोड़ एकड़ जमीन और हैदराबाद में बड़ी कीमत वाली संपत्तियों के 22-ए सूची में आने जैसी बड़ी कार्रवाई मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री की जानकारी के बिना कैसे हो सकती है। विपक्ष का आरोप है कि मुख्यमंत्री के अपने घर और संपत्तियां भी 22-ए सूची में होने का दावा सामने रखकर अब जिम्मेदारी अधिकारियों पर डालने की कोशिश की जा रही है।

विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि 22-ए के नाम पर आम लोगों की जमीन और संपत्तियां प्रतिबंधित सूची में चली गई हैं, जिसके कारण उनके लिए संपत्ति बेचना या उसका लेनदेन करना मुश्किल हो गया है। साथ ही, सूची से नाम हटाने के नाम पर कथित तौर पर भारी रकम के लेनदेन के आरोप भी लगाए गए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है।

विवाद के बीच एक और सवाल यह उठ रहा है कि इतनी बड़ी संख्या में जमीन और संपत्तियों को प्रतिबंधित सूची में शामिल करने जैसी प्रक्रिया क्या केवल अधिकारियों के स्तर पर हो सकती है। विपक्ष का कहना है कि मुख्यमंत्री लगातार अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें करते हैं और विभिन्न विभागों के कामकाज पर नजर रखते हैं, ऐसे में 22-ए जैसा बड़ा मामला उनकी जानकारी से बाहर कैसे रह सकता है।

वहीं, सरकार की ओर से इसे लेकर जांच और जिम्मेदारी तय करने की बात कही जा रही है। मंत्री कोमटिरेड्डी के 'साजिश' वाले बयान के बाद यह विवाद और राजनीतिक रंग ले चुका है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि प्रस्तावित जांच में 22-ए सूची में शामिल संपत्तियों की प्रक्रिया, जिम्मेदारी और कथित अनियमितताओं को लेकर क्या तथ्य सामने आते हैं।

फिलहाल 22-ए विवाद में सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रतिबंधित सूची में इतनी बड़ी संख्या में जमीन और संपत्तियों का शामिल होना प्रशासनिक स्तर की चूक है, अधिकारियों की मनमानी है या इसके पीछे कोई व्यापक अनियमितता ? इसका जवाब जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

## 22-ए भूमि मामलों पर रेवंत रेड्डी की समीक्षा

22-ए प्रतिबंधित भूमि सूची में शामिल जमीनों के पंजीकरण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार लोगों के संपत्ति अधिकारों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संपत्ति मालिकों को अपनी जमीन का पंजीकरण कराने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सरकार आवश्यक कदम उठाएगी।

ऑनलाइन पंजीकरण के लिए समय लेने वाले लोगों की संपत्ति यदि 22-ए सूची में शामिल है, तो राजस्व अधिकारी दो दिनों के भीतर उसकी जांच करेंगे। यदि जांच में जमीन निजी संपत्ति पाई जाती है, तो उसका पंजीकरण तुरंत किया जाएगा।

जिला कलेक्टर 22-ए सूची में शामिल जमीनों की पूरी तरह जांच करेंगे और स्थायी समाधान के लिए सही सूची तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सूची तैयार करते समय किसी प्रकार की गलती न हो और इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को अपने भूमि अधिकारों को लेकर किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार जनता के संपत्ति अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। निजी जमीन के मामले में एक इंच जमीन पर भी किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि 22-ए भूमि से संबंधित मामलों में दलालों और बिचौलियों का सहारा न लें। किसी भी प्रकार की अफवाहों और मनगढ़ंत बातों पर विश्वास न करें ।

## मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दिल्ली-विदेश दौरा के लिए रवाना

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी आज रात दिल्ली के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री बुधवार को दिल्ली में होने वाली कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री के साथ तेलंगाना से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ तथा मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, दामोदर राजनरसिम्हा और वंशीचंद रेड्डी भी बैठक में शामिल होंगे।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी बुधवार रात दिल्ली से लंदन के लिए रवाना होंगे। बताया गया है कि 20 तारीख की शाम करीब 6 बजे लंदन में आयोजित एक विवाह समारोह में वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ शामिल होंगे। यह विवाह समारोह एआईएमआईएम के एक विधायक की बेटी का बताया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनके परिवार के सदस्य 24 तारीख तक लंदन में रहेंगे। इसके बाद 24 तारीख की रात लंदन से अमेरिका के लिए रवाना होंगे।

# शमीरपेट में पीडीएस चावल की बड़ी खेप जब्त, गोदाम से 1,000 बोरे बरामद

मेड्चल-मल्काजगिरी जिला, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमीरपेट मंडल के लालागुडा-मलकपेट इलाके में सिविल सप्लाइज एनफोर्समेंट टास्क फोर्स ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गोदाम से करीब 1,000 बोरे पीडीएस चावल बरामद किए हैं। इसके अलावा मौके से करीब 500 खाली गन्नी बैग भी मिले हैं। यह चावल एडी मैन्युफैक्चरर्स के गोदाम में रखा हुआ पाया गया।

सिविल सप्लाइज के चीफ विजिलेंस ऑफिसर सी. शशिधर राजू की निगरानी में एनफोर्समेंट टास्क फोर्स ने रात करीब 2 बजे से छापेमारी शुरू की। कार्रवाई में डीएसपी रमेश रेड्डी, इंस्पेक्टर अजय बाबू, एसआई पी. श्रीशैलम, प्रभाकर और एपीओ रमन शामिल रहे। अधिकारियों को मिली सूचना के आधार पर टीम ने गोदाम की जांच की, जहां बड़ी मात्रा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए निर्धारित चावल मौजूद मिला। पीडीएस चावल को अवैध रूप से जमा करने और उसके संभावित डायवर्जन को लेकर अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया है।

घटना की जानकारी जीनोम वैली पुलिस को भी दी गई, जिसके बाद संबंधित स्थान पर पुलिस पिकेट तैनात किया गया। अधिकारियों की ओर से अब यह पता लगाया जा रहा है कि पीडीएस चावल कहां से लाया गया, इसे गोदाम में किसने पहुंचाया और इसके भंडारण एवं डंपिंग के पीछे किन लोगों की भूमिका है।

मामले में आगे की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद पीडीएस चावल की अवैध आपूर्ति, भंडारण अथवा डायवर्जन में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की संभावना है।

# हाथ-पैर बांधकर पति की पिटाई, अस्पताल में मौत पत्नी से पूछताछ में खुला राज़

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर से सटे पीरजादीगुड़ा स्थित राघवेंद्र कॉलोनी में पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 51 वर्षीय सत्यनारायण के रूप में हुई है। मामले में उसकी पत्नी सुनीता (44) पर गंभीर आरोप लगे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 अगस्त को सत्यनारायण और उसकी पत्नी सुनीता के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान सुनीता ने नशे की हालत में सत्यनारायण के हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए और सेंटरिंग पोल से उसकी पिटाई की। हमले में सत्यनारायण गंभीर रूप से घायल हो गया।

इसके बाद सुनीता ने कथित तौर पर अपने बेटे को बताया कि उसके पिता वाहन से गिरकर घायल हो गए हैं। परिजन सत्यनारायण को उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सत्यनारायण की मौत के बाद पुलिस को बताए गए हादसे के कारण पर संदेह हुआ। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और घटना से जुड़े लोगों से पूछताछ की।

जांच के दौरान पुलिस ने मृतक की पत्नी सुनीता से भी पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में पति के साथ मारपीट किए जाने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने घटना की वास्तविक परिस्थितियों और विवाद के कारणों की जांच तेज कर दी।

स्थानीय पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पति-पत्नी के बीच विवाद की वजह क्या थी और घटना के समय वास्तव में क्या हुआ, इसे लेकर पुलिस सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

## टाउन प्लानिंग सुपरवाइजर घुस लेते हुए एसीबी के जाल में फंसी

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की नगर नियोजन पर्यवेक्षक को 20 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। आरोपी की पहचान च. प्रभावती के रूप में हुई है। वह चारमीनार जोन के संतोषनगर सर्किल-25 में नगर नियोजन पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अनुसार, एक व्यक्ति ने भवन निर्माण की अनुमति और निर्माण कार्य शुरू करने संबंधी पत्र जारी कराने के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि संबंधित कार्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रभावती ने आवेदक से 20 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। शिकायत मिलने के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने मामले की जांच की और रिश्वत लेते हुए अधिकारी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। निर्धारित योजना के तहत रिश्वत की रकम स्वीकार करते समय अधिकारियों ने प्रभावती को पकड़ लिया।अधिकारियों ने रिश्वत की रकम बरामद करने के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रकरण की जांच जारी है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी सरकारी काम के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी सूचना तत्काल विभाग को दें। नागरिक टोल-फ्री हेल्पलाइन 1064 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।विभाग के आधिकारिक सामाजिक माध्यमों के जरिए भी शिकायत की जा सकती है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने भरोसा दिलाया है कि रिश्वत की शिकायत करने वाले लोगों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बशीरबाग जी.एस.टी.ऑफिस स्थित कस्टम्स एवं जीएसटी हैदराबाद तेलंगाना चीफ कमिश्नर अरुण कुमार का राजस्थानी साफा, शॉल, मोतियोफ्ल की माला व मोमेन्टो से सम्मान करते हुए महाजन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के डायरेक्टर श्री शंकर सिंह राजपुरोहित दोरनडी ढाणी ।

## नकाब बन रहे हैं ज्वैलरी दुकानों के लिए खतरे की घंटी, चंद सेकंड में सोने का बॉक्स गायब

संगारेड्डी जिला,जहीराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज्वैलरी दुकान में ग्राहक बनकर दाखिल हुई चार महिलाओं ने कथित तौर पर कुछ ही मिनटों में लाखों रुपये के सोने के आभूषण गायब कर दिए। जहीराबाद में सामने आई इस घटना से स्थानीय ज्वैलर्स में चिंता बढ़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चार महिलाएं बुर्का पहनकर ज्वैलरी शॉप में पहुंचीं और नोज-पिन खरीदने की बात कही। कर्मचारियों ने उन्हें अलग-अलग नोज-पिन और अन्य आभूषण दिखाने शुरू किए। इसी दौरान महिलाएं बातचीत में कर्मचारियों को उलझाती रहीं और उनका ध्यान लगातार अपनी ओर बनाए रखा, घटना की पूरी रिकार्ड दुकान में लगें सीसीटीवी में कैद हुई है, और घटना 16 अगस्त, शाम की बताई जा रही है ! घटना पर जांच कार्यवाही जारी है।आरोप है कि इसी दौरान मौका देखकर सोने के आभूषणों से भरा एक बॉक्स कथित तौर पर गायब कर दिया गया। कुछ समय बाद जब दुकान में आभूषणों का मिलान किया गया तो बॉक्स नहीं मिला। चोरी हुए सोने की कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है।

दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर चारों महिलाओं की गतिविधियां रिकॉर्ड मिलीं। फुटेज में उनके दुकान में आने और आभूषण देखने के दौरान की गतिविधियों को पुलिस जांच के लिए महत्वपूर्ण सुराग माना जा रहा है।

एक साथ चार महिलाओं का दुकान में आना, महिला कर्मचारी को बातचीत में व्यस्त रखना और फिर कथित तौर पर बॉक्स गायब होना वारदात के तरीके पर सवाल खड़े कर रहा है, पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या आर-पी महिलाएं किसी संगठित चोरी करने वाले समूह का हिस्सा हैं।

हालांकि, किसी भी समूह या गिरोह के बारे में अंतिम पुष्टि पुलिस जांच और गिरफ्तारी के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल फुटेज के आधार पर संदिग्ध महिलाओं की पहचान और उनकी तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं।

इस घटना ने ज्वैलरी कारोबारियों को भी सतर्क कर दिया है। एक साथ कई ग्राहकों के आने पर स्टॉक की निगरानी, सीसीटीवी की लगातार मॉनिटरिंग और कीमती आभूषणों के बॉक्स पर अतिरिक्त नजर रखना जरूरी हो गया है।

जहीराबाद की इस वारदात में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर कर्मचारियों का ध्यान भटकाकर कुछ ही सेकंड में लाखों का सोना कैसे गायब कर दिया गया ? अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस इस मामले की पूरी कड़ी जोड़ने में जुटी है।

# निराश्रितों की सेवा में ही मानवता का सच्चा धर्म : संजय गोयल

हैदराबाद, 18 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गोयल ने कहा कि निराश्रितों की सेवा में ही मानवता का सच्चा धर्म निहित है। जरूरतमंद और बेसहारा लोगों को भोजन उपलब्ध कराना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निस्वार्थ भाव से नियमित अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा कर रहा है। यह सेवा कार्य समाज में करुणा, संवेदना और सहयोग की भावना को मजबूत करने के साथ मानवता का संदेश दे रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराकर उसके चेहरे पर मुस्कान लाना अपने आप में ईश्वर की सच्ची आराधना है।इस अवसर पर भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल एवं भगताराम गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेड्चेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.